दैनिक
सांध्य प्रकाश
भोपाल की धड़कन

वर्ष 53/ अंक 276/ पृष्ठ 8 / मूल्य ₹ 2.10
संस्थापक- स्व. सुरेंद्र पटेल
■आर.एन.आई 22296/71 ■डाक पंजीयन मप्र/भोपाल/125/12-14

भोपाल, शनिवार 18 मई 2024 भोपाल से प्रकाशित
dainiksandhyaprakash.in

सांध्यप्रकाश विशेष

घर लौटे 'तारक मेहता उल्टा चश्मा' के सोढ़ी

तारक मेहता का उल्टा चश्मा के अभिनेता गुरुचरण सिंह 22 अप्रैल को लापता होने के बाद 17 मई को घर लौट आए। दिल्ली पुलिस ने अदालत में उनका बयान दर्ज किया है। गुरुचरण सिंह ने कहा कि वह आध्यात्मिक यात्रा पर घर से दूर गए थे। गुरुचरण सिंह ने हिट टीवी सीरियल में रोशन सिंह सोढ़ी का किरदार निभाया था। दिल्ली पुलिस ने 22 अप्रैल को तलाशी अभियान शुरू किया।

51 वर्षीय अभिनेता को 22 अप्रैल की शाम को दिल्ली से मुंबई के लिए उड़ान भरनी थी, लेकिन वह अपने गंतव्य तक नहीं पहुंचे। पालम में रहने वाले उनके पिता ने उनका फोन नहीं मिलने पर स्थानीय पुलिस को सूचित किया। क्राइम ब्रांच और स्पेशल सेल समेत कम से कम एक दर्जन पुलिस टीमें सिंह का पता लगाने के लिए काम कर रही थीं। पुलिस ने उसके बैंक खातों और क्रेडिट कार्ड से वित्तीय लेनदेन को स्कैन किया था।

जांच के अनुसार, आखिरी लेनदेन 14,000 रु का था, जिसे उसने लापता होने वाले दिन अपने एक बैंक खाते से निकाल लिया था। पुलिस ने मामले के संबंध में कोई सुराग पाने के लिए हरियाणा, पंजाब और उत्तराखंड जैसे कुछ राज्यों का भी दौरा किया। कुछ दिनों पहले एक अधिकारी ने मीडिया को बताया था कि अभिनेता ने एक बार ध्यान के लिए हिमालय जाने में रुचि दिखाई थी।

मप्र समेत 9 राज्यों में 5 दिन तक
हीटवेव चलेगी

नई दिल्ली। देश में गर्मी का असर तेज हो गया है। मौसम विभाग ने 5 दिन तक दिल्ली समेत 9 राज्यों में हीटवेव का अलर्ट जारी किया है। इनमें राजस्थान, पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, गुजरात, बिहार और पश्चिम बंगाल शामिल हैं।

इन राज्यों में तापमान में भी लगातार बढ़ोतरी हो रही है। शुक्रवार को इन राज्यों के कई शहरों में तापमान 43 से 46 डिग्री के बीच रिकॉर्ड किया गया। सबसे ज्यादा उत्तर प्रदेश के आगरा में पारा 46.9 डिग्री पहुंचा। इसके अलावा ओडिशा, झारखंड, गोवा, असम और त्रिपुरा में आज उमसभरी गर्मी का अनुमान जारी किया गया है।

उधर, दक्षिण भारत के राज्यों में तेज बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। मौसम विभाग के मुताबिक, आज से 5 दिन तक तमिलनाडु, केरल और पुडुचेरी में भारी बारिश का दौर रहेगा। वहीं, कर्नाटक में दो दिन बाद यानी 20 मई से तेज बारिश की संभावना बनेगी।

तमिलनाडु में शुक्रवार को भी तेज बारिश हुई। इससे कई इलाकों में बाढ़ जैसे हालत बन गए। तमिलनाडु की स्पेशल टीम ने बाढ़ की स्थिति से निपटने के लिए तैयारी शुरू कर दी है। टीम शुक्रवार देर रात ही चेन्नई से तिरुनेलवेली पहुंच गई है। जिले के निचले इलाकों में भारी बारिश से निपटने की तैयारी कर रही है।

गृह मंत्री शाह ने एयरपोर्ट पर नेताओं से की चर्चा, चुनावी सभा में शामिल होने ललितपुर गए

दतिया। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह दिल्ली से आज सुबह 11.40 पर प्लेन से दतिया एयरपोर्ट पहुंचे। एयरपोर्ट पर उनकी अगुवानी प्रदेश के पूर्व गृह मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा की। वे कुछ देर एयरपोर्ट पर रुके और भाजपा कार्यकर्ताओं से मुलाकात की। यहां से वे हेलिकॉप्टर से ललितपुर के लिए रवाना हुए। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के आने की सूचना मिलते ही एयरपोर्ट पर सुरक्षा व्यवस्था टाइट कर दी गई थी। शाह ललितपुर में झांसी ललितपुर लोकसभा सीट से भाजपा प्रत्याशी अनुराग शर्मा के समर्थन में आम सभा करेंगे। आमसभा को संबोधित करने के बाद वे हेलिकॉप्टर से बांदा के लिए रवाना होंगे।

हरियाणा में चलती बस में आग, 10 श्रद्धालु जिंदा जले

चंडीगढ़। हरियाणा में शुक्रवार देर रात करीब डेढ़ बजे कुंडली-मानेसर-पलवल एक्सप्रेस-वे पर श्रद्धालुओं से भरी चलती बस में आग लग गई। हादसे में 10 लोगों की मौत हो गई। जबकि, 25 से अधिक बुरी तरह झुलस गए। 8 लोगों की मौत मौके पर ही हुई, 2 ने अस्पताल में दम तोड़ दिया। घायलों ने बताया है कि हादसा नूंह जिले में तावडू गांव के पास हुआ। बस में 64 लोग सवार थे। ये सभी आपस में रिश्तेदार हैं और पंजाब-चंडीगढ़ के रहने वाले हैं।

बद्रीनाथ: श्रद्धालुओं की जीप पलटी, 2 की मौत

शाजापुर। शाजापुर में एक जीप पलट गई और खंती में जा गिरी। हादसे में दो महिलाओं की मौत हो गई। 6 लोग घायल हैं। एक महिला और पुरुष गंभीर घायल हैं, जिन्हें इंदौर रेफर किया है। जीप में कुल 11 लोग सवार थे। सभी बद्रीनाथ के दर्शन कर लौट रहे थे। सुनेरा थाना प्रभारी गोपाल निंगवाल ने बताया, शनिवार सुबह जिले के पनवाड़ी गांव के पास श्रद्धालुओं से भरी जीप पलट गई थी।

5वें चरण: 49 सीटें, 695 उम्मीदवार, राजनाथ से राहुल तक की सीट पर चुनाव

नई दिल्ली। लोकसभा चुनाव के पांचवें दौर का चुनाव प्रचार आज थम जाएगा। इस चरण के लिए मतदान 20 मई को है। इस चरण में आठ राज्य और केंद्र शासित प्रदेश की 49 सीटों के लिए वोटिंग होगी। इन प्रदेशों से 695 उम्मीदवार चुनाव मैदान में हैं। पांचवें चरण के लिए एक संसदीय क्षेत्र में चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवारों की औसत संख्या 14 है। जिन उम्मीदवारों की किस्मत दांव पर है उनमें रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी, केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी, पूर्व मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला समेत कई हाई-प्रोफाइल चेहरे भी शामिल हैं।

राहुल गांधी: उत्तर प्रदेश की जिन सीटों की सबसे ज्यादा चर्चा होती है, उनमें से एक रायबरेली लोकसभा सीट भी है। ये राज्य की इकलौती सीट है जहां 2019 में कांग्रेस को जीत मिली थी। तब सोनिया गांधी यहां से जीतकर लोकसभा पहुंची थीं। सोनिया अब राज्यसभा के लिए निर्वाचित हो चुकी हैं।

राजनाथ सिंह: उत्तर प्रदेश की लखनऊ लोकसभा सीट इस चुनाव में एक चर्चित सीट बनी हुई है। यहां से भाजपा की तरफ से रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह चुनाव मैदान में हैं। भाजपा नेता के सामने सपा ने रविदास मेहरोत्रा को अपना उम्मीदवार बनाया है। मंत्री रह चुके मेहरोत्रा फिलहाल लखनऊ मध्य विधानसभा सीट से सपा के विधायक हैं। बसपा ने लखनऊ में सरवर मलिक को प्रत्याशी बनाया है। 2019 लोकसभा चुनाव में सीट पर भाजपा से राजनाथ सिंह जीते थे।

जिस कांग्रेस को बाला साहब चिमटी से नहीं छूना चाहते थे, उसके साथ बैठी है नकली शिवसेना: मोहन यादव

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने दक्षिण मुंबई में पत्रकारों से कहा कि अंग्रेज चले गए लेकिन कांग्रेस छोड़ गए हैं। अंग्रेजों के द्वारा कांग्रेस का जन्म हुआ है। इसलिए फूट डालो और राज करो की नीति पर काम कांग्रेस के लोग करते हैं। वह जैसे हैं वैसे ही लोगों को जोड़कर घमंडिया गठबंधन बनाया है।

चुनावी सभाओं के लिए मुंबई पहुंचे सीएम डॉ यादव ने बाला साहब ठाकरे का जिक्र करते हुए कहा कि जो बाला साहब ठाकरे कहते थे कि वे चिमटी से भी कांग्रेस का समर्थन नहीं छूना चाहते। उन्हीं बाला साहब ठाकरे के नाम पर अब नकली शिवसेना काम कर रही है। शिवसेना के असली नकली होने के सवाल पर उन्होंने कहा कि उद्धव ठाकरे हाईकोर्ट गए, चुनाव आयोग गए और अब सुप्रीम कोर्ट भी गए हैं। हाईकोर्ट और चुनाव आयोग ने जो फैसला दिया उसे स्वीकार नहीं कर रहे। उज्जवल निकम के मामले में कांग्रेस जो टिप्पणी कर रही है, ऐसे में तो इन लोगों को समुद्र में डूब मरना चाहिए। बाला साहब के लोग ऐसे घमंडिया लोगों को साथ लेकर चल रहे हैं। बाला साहब की आत्मा दुखी हो रही होगी। उन्होंने कहा कि देश बड़ा होता है, देश के विचार बड़े होते हैं।

सांस्कृतिक पुनर्जागरण का दौर चल रहा

सीएम यादव ने कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी की सरकार बनने के बाद देश में सांस्कृतिक पुनर्जागरण का दौर चल रहा है। अयोध्या में 500 साल पहले जो मंदिर तोड़ा गया वह सम्राट विक्रमादित्य ने बनवाया है। उज्जैन और विक्रमादित्य के साथ अयोध्या का आपस में संपर्क है। उन्होंने कहा कि देवस्थानों के उत्थान होने से कांग्रेस को कष्ट हो रहा है। कांग्रेस के लोग राम सेतु से लेकर राम तक को मानने से इनकार करते रहे है। इसी कारण राम मंदिर बना तो वहां जा नहीं रहे और वहां खड़े होकर फोटो नहीं खिंचवाना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि उज्जैन के सारे मंदिर 1235 में ध्वस्त हुए थे जो बाद में तेजी से सुधारे गए हैं। उन्होंने कहा कि अमेठी में पूरा गांधी खानदान चुनाव लड़ता रहा और ये कहते हैं कि यहां 12 साल में विकास हुआ है।

इंदौर में 79 गांवों में धारा 16 की कहानी

2500 करोड़ की 800 एकड़ जमीन पर कॉलोनी मंजूरी रिश्वत के हिस्सों को लेकर उलझी

इंदौर। मप्र की आर्थिक राजधानी इंदौर और यहां जमीन का खेलज्कल्पना से परे है। धारा 16 के तहत इंदौर के 79 गांवों में कॉलोनी विकास की मंजूरी (कम से कम 10 एकड़ में) खुली, बंद हुई, फिर खुली और अब फिर बंद हो गई। वह भी मौखिक ही। मुद्दा नियमों का नहीं बल्कि इसी बात का है कि मंजूरी जारी करने पर मिलने वाली मलाई यानी रिश्वत की कमाई का हिस्सा कौन कितना रखेगा। बात सीएम डॉ. मोहन यादव तक पहुंची और उन्होंने इस पर रोक ही लगा दी।

एक जनवरी 2022 से इन 79 गांवों की जमीन का लैंडयूज खेती घोषित हो गया है, क्योंकि इन्हें मास्टर प्लान में नए निवेश क्षेत्र में जोड़ लिया गया है, यानी अब यहां टीएंडसीपी ही मंजूरी बिना कॉलोनी नहीं कटेगी और जब तक मास्टर प्लान मंजूर नहीं होता है, यहां पर विशेष शर्तों के तहत टीएंडसीपी कॉलोनी की मंजूरी धारा 16 के तहत ही देगा। इसके लिए भोपाल स्तर पर कमेटी बनाकर मंजूरी होती है। इसके चलते करीब 800 एकड़ जमीन, जिसके सौदे ढाई हजार करोड़ रुपए को होकर पड़े हुए हैं और यहां करीब 25 हजार लोग प्लॉट खरीदेंगे। इसकी कीमत कम से कम पांच हजार करोड़ रुपए होगी, वह सब अटक चुकी है। कुछ प्रोजेक्ट तो ऐसे हैं, जिसमें प्लॉट की बुकिंग विकास और टीएंडसीपी मंजूरी की उम्मीद में हो चुकी है और प्लाटधारक अब परेशान है, लेकिन हल किसी के पास नहीं है।

रिश्वत की राशि की मांग कहां तक पहुंच गई

धारा 16 के तहत मंजूरी के लिए कम से कम 10 एकड़ जमीन (चार हैक्टयर) जरूरी है। पहले मंजूरी होने के लिए दाम था 4 लाख रुपए प्रति एकड़ यानी कम से कम 40 लाख रुपए प्रति प्रोजेक्ट, रोक लगने के बाद कुछ बिल्डर इंदौर से भोपाल गए और यह सेटिंग जमाकर आ गए। फिर मंजूरी नियमों को लेकर टीएंडसीपी के तत्कालीन डायरेक्टर मुकेश गुप्ता के सात पीएस नगरीय प्रशासन नीरज मंडलोई के बीच विवाद हुआ। मंजूरी रूक गई। बाद में सरकार बदली और 6 लाख प्रति एकड़ पर बात जम गई और मंजूरियां खुल गई। लेकिन इस बंदरबाट में हिस्सों को लेकर लड़ाई जारी रही और आखिरकार फंसे हुए बिल्डर ने इसे 10 लाख रुपए प्रति एकड़ तक कर दिया यानी एक करोड़ प्रति कॉलोनी। लेकिन इस लड़ाई की शिकायतें सीएम डॉ. मोहन यादव तक पहुंची और उन्होंने इसे रोकते हुए धारा 16 के तहत मंजूरी देने पर ही मौखिक रूप से अधिकारियों को आदेश देकर रोक लगवा दी।

किस तरह से उलझी पूरी कहानी

- टीएंडसीपी मास्टर प्लान क्षेत्र में ही मंजूरी जारी करता है। बात करते हैं कमलनाथ सरकार के समय की। तब 79 गांव मास्टर प्लान के बाहर थे और इनकी विकास मंजूरी कलेक्टोरेट से होती थी और तब यह आदेश दिए गए कि बिल्डर टीएंडसीपी से अभिमत लेकर आए। हालांकि मास्टर प्लान की बाहर की बात थी तो पहले मना किया फिर भोपाल से आदेश आए। इस पर टीएंडसीपी ने अभिमत देना शुरू कर दिया और अभिमत के आधार पर कलेक्टोरेट से मंजूरिया जारी होने लगी।
- इंदौर के मास्टर प्लान का विस्तार कर 79 गांवों को शामिल करने की अधिसूचना 12 मार्च 2021 को जारी की गई थी। इन गांवों के लिए लैंडयूज तय करने के लिए जमीन उपयोग को फ्रीज करते हुए 31 दिसंबर 2021 को धारा 16 लागू कर दी गई। कलेक्टर मनीष सिंह ने इसके आदेश जारी किए। एक जनवरी 2022 से मंजूरियां, अभिमत सभी रूक गए। इससे कलेक्टोरेट से भी विकास मंजूरियां रूक गई।
- इसी बीच एक और खेल हो गया। इस रोक के पहले करीब 700 एकड़ जमीन के प्रोजेक्ट टीएडंसीपी से इन 79 गांव में पास हो चुके थे। लेकिन इसमें टीएडंसीपी के तत्कालीन ज्वाइंट डायरेक्टर एसके मुदगल ने नगरीय सीमा में लागू प्रावधान कि 3 फीसदी ईडब्ल्यूएस और 3 फीसदी एलआईजी के प्लाट रखने की जगह बंधक राशि जमा कराने के नियम को इन 79 गांवों में भी लागू कर दिया था और इसी आधार पर कई प्रोजेक्ट में यह राशि जमा करके टीएंडसीपी से मंजूरी जारी कर दी।
- मामला तूल पकड़ा तो इस मामले में कलेक्टर सिंह ने अतिरिक्त महाधिवक्ता पुष्यमित्र भार्गव से अभिमत लिया, उन्होंने इसे गलत बताया और कहा कि प्लाट ही रखने होंगे राशि नहीं ले सकते हैं। इसके बाद कलेक्टर ने इन सभी प्रोजेक्ट को बिल्डर से कहा कि वह टीएंडसीपी से संशोधित कराएं। लेकिन धारा 16 लागू होने के चलते टीएंडसीपी ने ऐसा करने से मना कर दिया और यह सभी प्रोजेक्ट ठंडे बस्ते में चले गए।
- वहीं नियमों में प्रावधान है कि धारा 16 के तहत भोपाल स्तर पर कमेटी विचार करेगी और अपनी रिपोर्ट ज्वाइंट डायरेक्टर को देगी और फिर रिपोर्ट के आधार पर कुछ शर्तों के साथ जैसे कि कम से कम 10 एकड़ जमीन हो, 12 मीटर चौड़ रोड हो, एसटीपी हो आदि के साथ मंजूरी दे सकता है। इंदौर से कुछ बिल्डर भोपाल गए और तालमेल बैठाकर आ गए. इसके बाद मंजूरिया जारी होने लगी।
- इस नियम के तहत हर महीने औसतन 5 से 8 मंजूरियां हो रही थी। लेकिन फिर टीएंडसीपी डायेरक्टर और नगरीय प्रशासन विकास प्रमुख सचिव के बीच में विवाद हुआ और मामला सीएस (मुख्य सचिव) इकबाल सिंह बैंस तक पहुंचा और उन्होंने जून-जुलाई 2023 में इस पर रोक लगा दी।
- इसके बाद सीएम शिवराज सरकार के समय यह बंद ही रहा। फिर आई मोहन सरकार। नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय बने और जब उन तक यह मामला पहुंचा तो उन्होंने टीएंडसीपी को निर्देश दिए कि जब नियमों में प्रावधान है तो फिर 16 के तहत जो मंजूरी बनती है उसे दी जाए। फरवरी में यह मौखिक आदेश हुए और फिर मंजूरियां लगने लगी। कुछ ही हुई थी कि फिर अंदरखाने में विवाद शुरू हो गए और शिकायतें शुरू हो गई। इसके बाद सीएम ने इस मामले में रोक ही लगा दी।

पूरे मामले में नुकसान किस-किस का

सरकार का- सरकार को 800 एकड़ की जमीन की खरीदी-बिक्री में मिलने वाली स्टाम्प ड्यूटी रूक गई। किसान से बिल्डर के सौदे अधूरे हैं, क्योंकि बिक्री अटकी तो वह किसान को पूरी सौदा राशि नहीं दे रहा है। इसके चलते वह रजिस्ट्री नहीं हो रही और फिर प्लाट बेचने से जो ड्यूटी मिलती वह भी रूक गई। कम से कम सरकार को 500 करोड़ का नुकसान है।

किसान का- सौदा हो चुका है, लेकिन बयान राशि लेकर बैठा है। पूरी राशि नहीं मिली। आधा-अधूरा सौदा गले पड़ गया है।

बिल्डर- बिल्डर दो तरफा उलझ गया, एक और किसान पूरी सौदा राशि मांग रहा है तो वहीं पर जिसने प्लाट बुक किया और निवेश किया, वह भी अपना हिसाब मांग रहा है। क्योंकि मंजूरी मिलने की उम्मीद में कई जगह तो सौदे पहले ही डायरियों पर बुक हो चुके हैं।

प्लाटधारक, निवेशक- डायरियों पर सौदे करके बैठे हुए हैं, कई निवेशक भी है जो कॉलोनी की मंजूरी के बाद 1000-1500 रुपए प्रतिवर्गफीट के सौदे को दो से तीन हजार में बेचने की उम्मीद में था या फिर जिसे वहां मकान बनाना था। यह सभी उलझ गए हैं।

खरगे बोले- ममता गठबंधन के साथ, अधीर रंजन निर्णय लेने वाले नहीं

नई दिल्ली। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा है, सभी चीजें पीएम मोदी के इशारे पर चलती हैं, इसमें कोई दो राय नहीं है। वे जो कहते हैं वो ही होता है लेकिन इस बार चुनाव में वो नहीं होगा। जनता की लड़ाई खुद जनता उनके खिलाफ लड़ रही है।

कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा, पहले तो ममता बनर्जी ने कहा कि वे बाहर से (इंडिया गठबंधन) समर्थन करेंगी... बहुत सी पार्टियां ऐसा करती हैं। हाल ही में उनका एक और बयान आया है कि अगर सरकार बनती है तो वे सत्ता में शामिल हो जाएंगी। वे(ममता बनर्जी) गठबंधन के साथ हैं, ये स्पष्ट है... अधीर रंजन चौधरी निर्णय लेने वाले नहीं हैं। निर्णय लेने वाले हम हैं, कांग्रेस पार्टी है, हाईकमान है। हम जो तय करेंगे उन्हें फॉलो करना होगा, अगर कोई फॉलो नहीं करता है तो वो बाहर जाएगा।

दुग्ध उत्पादों की मिलावट पर प्रशासन की बड़ी कार्रवाई, 40 किलोग्राम घी और पनीर जब्त

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

बैरागढ़ में आरा मशीन रोड स्थित एक प्रतिष्ठित दुग्ध उत्पाद विक्रेता पर मिलावट के आरोप में खाद्य सुरक्षा प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई की है। शुद्ध पनीर भंडार के नाम से चल रहे इस प्रतिष्ठान से 700 रुपये में बेचे जा रहे 2 किलोग्राम घी की शिकायत मिलने पर जांच की गई, जिसमें मिलावट की आशंका के चलते 40 किलोग्राम घी को जब्त किया गया। इसके अलावा, प्रतिष्ठान द्वारा 750 रुपये में 2 किलोग्राम घी के साथ 250 ग्राम पनीर मुफ्त में देने का ऑफर भी था, जिस पर कार्रवाई करते हुए मौके पर मौजूद 40 किलोग्राम पनीर भी जब्त किया गया। जांच के दौरान, प्रतिष्ठान के संचालक विशाल पाल की अनुपस्थिति और बिना खाद्य पंजीयन/अनुज्ञप्ति के कारोबार करने के कारण प्रतिष्ठान को सील कर दिया गया। विशाल पाल, जो दिल्ली के निवासी हैं, उन्होंने बैरागढ़ में सस्ते घी के पम्फलेट वितरित करके दुग्ध उत्पादों का विक्रय किया था। खाद्य सुरक्षा प्रशासन ने उपभोक्ताओं से अपील की है कि वे दुग्ध उत्पादों की खरीदारी करते समय सतर्क रहें और किसी भी संदेह की स्थिति में तुरंत शिकायत दर्ज कराएं। इस तरह की कार्रवाई से अन्य विक्रेताओं को भी सचेत रहने का संदेश जाता है और उपभोक्ता सुरक्षा को मजबूती मिलती है।

एलवीएस ग्रुप ऑफ स्कूल गांधीनगर में विद्यार्थियों के लिए समर कैम्प आयोजित

संत हिरदाराम नगर। एल.वी.एस. ग्रुप ऑफ स्कूल में समर कैंप का आयोजन किया गया है छुट्टियों में बच्चे घर में टी.वी. और मोबाईल चलाते रहते हैं ऐसे में एल.वी.एस. ग्रुप में समर कैंप 1 मई से आरंभ हो गया है जहां बच्चे अपनी मनचाही एक्टिविटी का हिस्सा बन अपने समय का सदुपयोग कर रहे हैं और खूब एन्जॉय भी कर रहे हैं। कैंप में बच्चों को नृत्य, संगीत, खेलकूद, केलीग्राफी, कम्प्यूटर, आर्ट एण्ड क्राफ्ट, मेहंदी, अंग्रेजी आदि सिखाया जा रहा है। इन विधाओं में बच्चे खुले मन से भाग ले रहे हैं, शिविर का आयोजन सुबह 9:30 से दोपहर 12:30 बजे तक किया जा रहा है। शाला की प्राचार्या जयश्री ममतानी ने समर कैम्प की जानकारी देते हुए बताया कि छात्रों को कैम्प में धूम मस्ती के साथ कई नई चीजें सीखने का मौका मिलता है। छात्रों को विभिन्न क्षेत्रों के माध्यम से ज्ञान प्राप्त करने के लिए एक मंच प्रदान किया जा रहा है। शिविर में आसपास के विद्यालयों के लगभग 200 बच्चे भाग ले रहे हैं। शिविर का समापन 31 मई को होगा व एक कार्यक्रम आयोजित कर विविध विधाओं में सम्मिलित विद्यार्थियों को प्रमाण पत्र प्रदान कर पुरूस्कृत किया जाएगा।

नवनिध स्कूल की छात्राओं प्रेरणा व गौरी ने किया गौरवान्वित

संत हिरदाराम नगर। पंडित कुंजीलाल दुबे संसदीय विद्यापीठ द्वारा राज्य स्तरीय निबंध लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था, जिसमें कुल 1200 प्रविष्टियां प्राप्त हुई थीं जिसमें नवनिध हासोमल लखानी पब्लिक स्कूल की कक्षा नौवीं की छात्रा कुमारी प्रेरणा रतलानी ने हिंदी भाषा निबंध लेखन में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। विद्यापीठ द्वारा उन्हें 9,000 रूपए की नगद राशि एवं शील्ड प्रदान की जाएगी। इसी श्रृंखला में, अंग्रेजी भाषा में कक्षा 12वीं की गौरी मनेरिया ने प्रोत्साहन पुरस्कार प्राप्त किया है। विद्यापीठ द्वारा उन्हें भी 3,000 रूपए की नगद राशि एवं प्रमाण पत्र दिया जाएगा। इस अवसर पर विद्यालय की प्राचार्य अमृता मोटवानी ने विजयी छात्राओं एवं सहयोगी शिक्षिकाओं कुंज लता त्यागी एवं हिमांशी लालवानी को शुभकामनाएं दीं। सिद्ध भाऊ ने अपने संप्रेषित संदेश में छात्राओं के उज्जवल भविष्य की कामना की एवं शिक्षिकाओं से अपेक्षा की कि वे भविष्य में भी इसी तरह छात्राओं का मार्गदर्शन करती रहें।

पुलिस ने वाहन चोरी के आरोपियों को धर दबोचा

भोपाल। टी टी नगर थाना क्षेत्र में सक्रिय वाहन चोरों के एक गिरोह को पुलिस ने हाल ही में गिरफ्तार किया है। इस गिरोह के पास से पुलिस ने दो मोटरसाइकिल और एक एक्टिवा स्कूटर बरामद किया है, जिनकी कुल कीमत लगभग दो लाख रुपये आंकी गई है। आरोपियों की यह विशेषता थी कि वे नि:शुल्क पार्किंग स्थलों से वाहनों की चोरी करते थे और उन्हें विभिन्न स्थानों पर छिपाकर रखते थे। इस गिरोह का पर्दाफाश करने के लिए पुलिस आयुक्त हरिनारायणाचारी मिश्र और अतिरिक्त पुलिस आयुक्त नगरीय पुलिस भोपाल अवधेश गोस्वामी के निर्देशन में एक विशेष टीम का गठन किया गया था। इस टीम ने घटनास्थल के आसपास के ष्टष्टञ्जङ्क फुटेज का बारीकी से अवलोकन किया और मुखबिर तंत्र को सक्रिय कर आरोपियों को पकड़ने में सफलता प्राप्त की। आरोपियों ने पूछताछ में चोरी की गई वाहनों के स्थान बताए, जिसके बाद पुलिस ने उन वाहनों को अपने आधिपत्य में ले लिया।

पीतांबरा बगलामुखी देवी मंदिर में आर्यावर्त षटदर्शन साधु मंडल का राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित

भोपाल। कोटरा आयकर कॉलोनी स्थित पीतांबरा बगलामुखी देवी मंदिर में आर्यावर्त षटदर्शन साधु मंडल का राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया गया जिसमें पूरे देश से मंहत सम्मलित हुए इस अवसर पर दतिया के मोहनदास महाराज को राष्ट्रीय अध्यक्ष नियुक्त किया गया राष्ट्रीय अध्यक्ष नियुक्त होने पर महात्मा ने सभी महंतों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि संपूर्ण देश में आर्यावर्त षटदर्शन साधु मंडल के कार्यक्रमों को नई गति की जाएगी राष्ट्रीय अध्यक्ष मोहनदास महाराज द्वारा पंचमुखी मंदिर रेलवे कॉलोनी पर आर्यावर्त षटदर्शन साधु मंडल के कार्यालय का उद्घाटन किया गया एवं आर्यावर्त षटदर्शन साधु मंडल की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की घोषणा की गई इसमें संरक्षक गरीबदास महाराज राष्ट्रीय मंत्री श्री भगवान दास राष्ट्रीय महामंत्री भगवान वेदांताचार्य कोषाध्यक्ष महामंडलेश्वर राम भूषण महाराज राष्ट्रीय उपाध्यक्ष कमलापत दास राष्ट्रीय कार्यालय मंत्री महंत देवगिरी एवं राष्ट्रीय कार्यकारी सदस्य महंत राघवदास को बनाया गया मोहनदास महाराज द्वारा आर्यावर्त षटदर्शन साधु मंडल मध्य प्रदेश अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी महंत जितेंद्र दास को दी गई

हज यात्रियों के लिए व्यापक तैयारियां, संभागायुक्त ने दिए विशेष निर्देश

भोपाल। हज 2024 की तैयारियों के चलते, संभागायुक्त डॉ. पवन शर्मा ने विभागीय अधिकारियों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक की और आगामी हज उड़ानों के लिए सुविधाओं की व्यवस्था के लिए दिशा-निर्देश प्रदान किए। 21 और 22 मई को भोपाल विमानतल से उड़ान भरने वाले हज यात्रियों के लिए विशेष इंतजामों की समीक्षा की गई। नगर निगम आयुक्त हरेन्द्र नारायण को हज हाउस में यात्रियों और उनके परिजनों के लिए आवश्यक सुविधाओं जैसे बैठक व्यवस्था, कूलर, मोबाइल टॉयलेट, पार्किंग और पेयजल की व्यवस्था करने के निर्देश दिए गए। बिजली विभाग को 24 घंटे बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने का आदेश दिया गया।

स्वास्थ्य विभाग को 18 और 19 मई को हज हाउस और 21 और 22 मई को भोपाल विमानतल पर चौबीसों घंटे डॉक्टर और पैरामेडिकल टीम की उपस्थिति सुनिश्चित करने के साथ-साथ हमीदिया अस्पताल में इमर्जेंसी बेड आरक्षित करने के निर्देश दिए गए। गर्मी के मद्देनजर हज हाउस में ओआरएस पैकेट वितरित करने का भी आदेश दिया गया। संभागीय आयुक्त ने सभी संबंधित विभागों, एजेंसियों और संस्थाओं को हज से संबंधित सभी व्यवस्थाओं को सुव्यवस्थित करने के लिए कहा। बैठक में मध्य प्रदेश राज्य हज कमेटी के अध्यक्ष रफत वारसी, मध्य प्रदेश वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. सनवर पटेल, और अन्य संबंधित विभागों और संस्थाओं के अधिकारी और प्रतिनिधि उपस्थित थे। इस बैठक के माध्यम से हज यात्रियों की सुविधा और सुरक्षा को सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है।

सलकनपुर देवीधाम में 10 से ज्यादा दुकानों में लगी आग

सीहोर । सीहोर जिले के सलकनपुर देवीधाम मंदिर की 10 से ज्यादा दुकानों में आग लग गई है। सीढ़ी मार्ग के पास वाली दुकानें आग की चपेट में आई हैं। प्रारंभिक जानकारी में ब्लास्ट होने की भी सूचना है। दमकल मौके पर हैं। इससे पहले 6 नवम्बर को भी मंदिर परिसर के नीचे बने मार्केट में आग लग गई थी, कई दुकाने जल कर खाक हो गई थी एवं लाखों का नुकसान हुआ था। शुक्रवार को लगी आग के कारणों की जानकारी नहीं मिल पाई है, अंतिम समाचार लिखे जाने तक दमकल की गाड़ियां आग पर काबू पाने की कोशिश कर रही है। प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि आग किसी एक दुकान से उठी और उसके बाद 10 दुकानों तक फैल गई।

अनुकूल जीवन शैली अपनाना आवश्यक: प्रो. सुरेश

एमसीयू में विज्ञान एवं प्रोद्योगिकी प्रकोष्ठ का आयोजन

भोपाल। माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय में विज्ञान एवं प्रोद्योगिकी प्रकोष्ठ द्वारा जलवायु, वाहन एवं ध्वनि प्रदुषण की गुणवत्ता का परीक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया । कार्यक्रम की अध्यक्षता विवि. के कुलगुरु प्रो.डॉ. के.जी.सुरेश ने की। मुख्य अतिथि म.प्र. प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड भोपाल के क्षेत्रीय अधिकारी इंजी. बृजेश शर्मा थे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कुलगुरु प्रो.सुरेश ने कहा कि वर्तमान भागदौड़ भरे जीवन में हमारी दिनचर्चा बहुत बिगड़ गई है , इसलिए अनुकूल जीवन शैली अपनाना बहुत आवश्यक है ।

लाइफ स्टाइल फॉर इनवायरमेंट थीम के अंतर्गत मिशन लाइफ पर आधारित इस

कार्यक्रम में पर्यावरण अनुकूल जीवनशैली अपनाने जनजागृति हेतु कार्यक्रम एवं जल गुणवत्ता,वायु,ध्वनि स्तर मॉनीटरिंग, एवं वाहन उत्सर्जन मापन पर चर्चा की गई। जिसमें सस्टैनेबल खाद्य प्रणाली अपनाने, ऊर्जा सरंक्षण, जल संरक्षण, सिंगल यूस प्लास्टिक का बहिष्कार,सेहतमंद जीवन शैली अपनाने, ई- वेस्ट को कम करने, कूड़ा कचरा कम करने व अपशिष्ट प्रबंधन पर प्रस्तुतिकरण दिया गया । कार्यक्रम में मिशन लाइफ से संबंधित सात प्रकार के सेक्टर्स में 75 तरह की कार्रवाइयों के बारे में जानकारी प्रदान की गई । मिशन लाइफ का उद्देश्य है व्यक्तिगत जीवन शैली में परिवर्तन से पर्यावरण की समस्याओं का समाधान करना हैं ।कार्यक्रम में संबंधित साहित्य, स्टिकर, ब्रोशर्स, पम्प्लेट के साथ ही कपड़े के झोलों का वितरण प्रतिभागियों के बीच किया गया।

कार्यक्रम में कुलसचिव प्रो. डॉ. अविनाश बाजपेयी, जनसंचार विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. आरती सारंग, कार्यक्रम संयोजक एवं निदेशक प्रकाशन डॉ. राकेश पाण्डेय, एसो.प्रोफेसर डॉ. मनोज पचारिया, म.प्र. प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड भोपाल के वरिष्ठ रसायनज्ञ जैनेंद्र चंदेल एवं अन्य अधिकारी, कर्मचारी एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

ऑर्किड्स द इंटरनेशनल स्कूल मध्य प्रदेश कैंपस ने टॉप सीबीएसई स्कोर का जश्न मनाया!

भोपाल। अंतर्राष्ट्रीय स्कूलों की अग्रणी च्12 श्रृंखला में से एक, ऑर्किड्स द इंटरनेशनल स्कूल को मध्य प्रदेश में अपने कई कैंपस में दसवीं और बारहवीं कक्षा की सीबीएसई बोर्ड परीक्षाओं के उत्कृष्ट परिणाम की घोषणा करते हुए बहुत खुशी हो रही है। दसवीं कक्षा में 9प्रतिशत और बारहवीं कक्षा में 98त्न से अधिक अंक प्राप्त करने वाले टॉप स्कोरर के साथ-साथ कई छात्रों ने विभिन्न विषयों में उच्च अंक हासिल करके उत्कृष्ट शैक्षणिक परफॉर्मेंस दिखाया है ।

परमजीत सलोटा, वीपी एकेडमिक्स, मध्य प्रदेश, ऑर्किड्स द इंटरनेशनल स्कूल, ने छात्रों की उपलब्धियों पर बेहद गर्व महसूस करते हुए कहा, सीबीएसई परीक्षा में हमारे छात्रों का मजबूत और शानदार परफॉर्मेंस वास्तव में प्रेरणादायक है! हमारे मध्य प्रदेश कैंपस में उनके उत्कृष्ट परिणाम, हमारे स्कूल की उत्कृष्टता के प्रति अटूट प्रतिबद्धता के प्रभाव का उदाहरण देते हैं। मैं अपने सभी छात्रों की कड़ी मेहनत और समर्पण के लिए सराहना करता हूं। श्लोक श्रीवास्तव, वीपी एकेडमिक्स, ऑर्किड द इंटरनेशनल स्कूल, ने मध्य प्रदेश में इन छात्रों की उपलब्धियों पर बोलते हुए कहा, सीबीएसई परीक्षा में हमारे छात्रों की सफलता देखकर मुझे बहुत गर्व महसूस हो रहा है। यह वास्तव में लचीलेपन और समर्पण के मूल्यों का प्रतीक है जिसे हम अपने स्कूल में विकसित करने का प्रयास करते हैं।

प्रसिद्ध नाटककार अर्नोल्ड वेस्कर के कार्यों पर आधारित नौवीं पुस्तक का विमोचन

संत हिरदाराम नगर। संत हिरदाराम गर्ल्स कॉलेज, भोपाल की भाषा विभाग प्रमुख डॉ. नेहा गुप्ता ने प्रसिद्ध नाटककार अर्नोल्ड वेस्कर पर अपनी नवीनतम पुस्तक का विमोचन किया। यह नया प्रकाशन अंग्रेजी साहित्य का अध्ययन कर रहे स्नातकोत्तर छात्रों की शैक्षणिक आवश्यकताओं को पूरा करने का उद्देश्य रखता है, जो वेस्कर के कार्यों पर गहन विश्लेषण और अंतर्दृष्टि प्रदान करता है।

डॉ. गुप्ता की यह नौवीं पुस्तक है, जो उनके प्रभावशाली पोर्टफोलियो में एक और महत्वपूर्ण व विद्वत्तापूर्ण योगदान है। उनका व्यापक शोध और विशेषज्ञता इस पुस्तक को विद्वानों और उभरते नाटककारों के लिए एक मूल्यवान संसाधन बनाते हैं। पुस्तक न केवल वेस्कर के नाट्य योगदानों की गहराई से पड़ताल करती है, बल्कि उनके नाटकों और उनके सामाजिक-सांस्कृतिक प्रभाव की समझ को बढ़ाने हेतु भी महत्वपूर्ण दृष्टिकोण प्रदान करती है। संत हिरदाराम गर्ल्स कॉलेज की प्राचार्य डॉ. डालिमा पारवानी ने बधाई संदेश में डॉ. गुप्ता के समर्पण और विद्वत्तापूर्ण उपलब्धियों की सराहना की। उन्होंने कहा, नेहा गुप्ता की नई पुस्तक अंग्रेजी साहित्य के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण योगदान है। उनका सूक्ष्म शोध और अंतर्दृष्टिपूर्ण विश्लेषणपरक लेखन निस्संदेह छात्रों और विद्वानों को लाभान्वित करेगा।

नेशनल बिजनेस प्लान प्रतियोगिता में एसएचआईएम की छात्राओं को प्रथम पुरस्कार

संत हिरदाराम नगर। परमहंस संत शिरोमणि हिरदाराम साहिब जी के आशीर्वाद एवं परम श्रद्धेय सिद्ध भाऊ जी की प्रेरणा और मार्गदर्शन से संचालित संत हिरदाराम इंस्टिट्यूट ऑफ़ मैनेजमेंट की छात्राओं ने प्रेस्टीज इंस्टिट्यूट ऑफ़ मैनेजमेंट एंड रिसर्च इंदौर के द्वारा आयोजित नेशनल बिजनेस प्लान प्रतियोगिता स्वाबलंबन-2024 में प्रथम स्थान प्राप्त किया। इस बिजनेस प्लान कॉम्पटीशन में देश के विभिन्न प्रबंध संस्थानों से प्रतिभागी उपस्थित थे, जिन्होंने अपने बिजनेस प्लान को प्रस्तुत किया। संस्थान की छात्राओं ने अपने बिजनेस प्लान को विस्तृत रूप से प्रस्तुत किया एवं निर्णायकों के द्वारा पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दिए। एम. बी. ए. इंटीग्रेटेड चतुर्थ सेमेस्टर की छात्राएं अंशिका गर्ग, तनीषा सुंदरानी, अदिति बड़गैया एवं स्नेहा छत्तानी की टीम ने प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया जिसमे उन्हें 5,000/- रुपये का नकद पुरस्कार एवं प्रमाण पत्र प्रदान किये गए। संस्थान की छात्राओं द्वारा प्रस्तुत बिजनेस प्लान में स्वास्थ्य सेवा को प्राथमिकता दी गई थी, जिस भावना को सभी ने सराहा। इस प्रतियोगिता में राष्ट्रीय स्तर के प्रतिभागी एवं निर्णायक शामिल थे। छात्राओं ने डॉ. जितेन्द्र कुमार शर्मा के मार्गदर्शन में बिज़नेस प्लान को पूर्ण किया। संस्थान के डायरेक्टर डॉ. आशीष ठाकुर ने बताया कि संस्थान की छात्राओं ने बिज़नेस प्लान प्रतियोगिता में राष्ट्रीय स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त करके महाविद्यालय को गौरवान्वित किया है। छात्राओं की इस उपलब्धि पर संस्थान के मैनेजिंग डायरेक्टर श्री हीरो ज्ञानचंदानी जी, डायरेक्टर डॉ. आशीष ठाकुर एवं सभी प्राध्यापकों ने छात्राओं को बधाई दी।

मुस्लिम देशों में सबसे ज्यादा सम्मान प्रधानमंत्री मोदी का हो रहा है: डॉ. मोहन यादव

मुख्यमंत्री ने उत्तर प्रदेश के श्रावस्ती लोकसभा के पचपेड़वा में पार्टी प्रत्याशी के समर्थन में आयोजित जनसभा को संबोधित किया

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने उत्तरप्रदेश के श्रावस्ती लोकसभा की गैसडी विधानसभा के पचपेड़वा में भाजपा प्रत्याशी साकेत मिश्रा के समर्थन में आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि कांग्रेस और समाजवादी विचारधारा के लोग कुछ लोगों को अपने वोटों का गुलाम बनाकर रखना चाहते हैं। इनकी मानसिकता ही ऐसी है। पहले अंग्रेजों ने यह काम किया था। अंग्रेजों ने 'फूट डालो शासन करो' की नीति से देश के हिन्दू-मुसलमानों को हमेशा लड़ाया और अब यह काम कांग्रेस पार्टी भी कर रही है। कांग्रेस वह पूंछ है, जो सीधी नहीं हो रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदीजी एवं भाजपा सरकारों ने हर वर्ग, हर क्षेत्र के लोगों को सम्मान दिया, लेकिन कांग्रेस और समाजवादी वर्ग विशेष को ही मानते हैं। मुस्लिम देशों में सबसे ज्यादा सम्मान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदीजी का हो रहा है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी हर वर्ग और हर क्षेत्र के लोगों को सम्मान देती है। मुस्लिम वर्ग के लोग हमारे साथ हैं तो इसमें भी कांग्रेसियों और समाजवादियों के पेट में दर्द हो रहा है। भाजपा ने डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम साहब को देश का राष्ट्रपति बनाया, लेकिन कांग्रेस ने यह काम कभी नहीं किया। कांग्रेस हमेशा से सिर्फ वोट बैंक की राजनीति ही करती रही है। मुस्लिम भाई-बहनों के कांग्रेस ने सिर्फ वोट लिए हैं, उनके विकास के लिए कुछ नहीं किया। कांग्रेस के अंदर अंग्रेजों के लक्षण समाहित है। जब अंग्रेजों ने भारत में राज किया तो उन्होंने हमेशा फूट डालो शासन करो की नीति अपनाई। इसके बाद जब अंग्रेज चले गए तो यह काम कांग्रेसियों ने भी शुरू कर दिया। कांग्रेस भी अंग्रेजों के सिद्धांतों पर चलते हुए फूट डालो शासन करो की नीति से सरकार चलाती रही। हमेशा से देश के अंदर हिन्दू-मुसलमानों के बीच में फूट डालकर शासन करती रही, लेकिन अब इस देश की जनता समझदार हो गई है और अब वह कांग्रेस की रग-रग को जानने लगी है।

मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने कहा कि कांग्रेस पार्टी में एक ही परिवार के लोग प्रधानमंत्री बने, लेकिन वे दिल्ली से चुनाव नहीं लड़ सके। उन्हें दिल्ली से चुनाव लड़ने में डर लगता है, इसलिए तो उत्तरप्रदेश और केरल जाना पड़ रहा है। इस बार राहुल गांधी फिर भागकर वापस यूपी आए हैं। देश में 70 वर्षों तक राज करने के बाद भी कांग्रेस ने कभी भी श्रीराम मंदिर निर्माण में रूचि नहीं दिखाई। इसके बाद जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदीजी के नेतृत्व में राममंदिर निर्माण की राह खुली तो उसमें भी अड़ंगे लगाए और जब श्रीराम मंदिर की आधारशिला का मुहूर्त आया तो उसमें भी कहने लगे कि अभी मुहूर्त नहीं है। श्रीराम मंदिर का निर्माण तो मुहूर्त में ही होगा, यह काम बिना मुहूर्त के नहीं हो सकता था। इन्होंने 35 साल पहले सुप्रीम कोर्ट द्वारा दिए गए तीन तलाक के कानून को भी लागू करवाने में दिलचस्पी नहीं ली और बहुमत के आधार पर कानून को ही गलत करार दे दिया, लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदीजी ने तीन तलाक के कानून को लागू करवाया। आज देश की मुस्लिम माताएं, बहनें खुशहाल जीवन जी रहीं हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि पहले अंग्रेजों ने हमारी शिक्षा पद्धति के साथ खिलवाड़ किया और जब अंग्रेज चले गए तो यही काम कांग्रेस ने भी किया,लेकिन 2020 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदीजी के नेतृत्व में नई शिक्षा नीति लागू की गई। इस शिक्षा नीति को लागू करने वाला देश का पहला राज्य मध्यप्रदेश बना और अब नई शिक्षा नीति में हमने भगवान श्रीराम और भगवान श्रीकृष्ण को पाठ्यक्रम में शामिल किया है। हमारे आने वाली पीढ़ियों को श्रीराम और श्रीकृष्ण के बारे में क्यों नहीं जानना चाहिए? ये उनका अधिकार है। आने वाली कई पीढ़ियां गर्व कर सकेंगी।

कांग्रेस को पसंद नहीं आते हमारे देवी-देवता

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि हम जब भी हमारे देवी-देवताओं के जयकारे लगाते हैं तो सबसे ज्यादा दिक्कतें, परेशानियां कांग्रेसियों को होती है। उन्हें हमारे देवी-देवता पसंद नहीं है। कांग्रेस की मानसिकता ही विरोध करने की रही है। आज जहां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदीजी को सबसे ज्यादा मान-सम्मान मुस्लिम देशों में मिल रहा है तो वहीं बांग्लादेश की प्रधानमंत्री रक्षाबंधन पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदीजी के लिए राखी भेज रही हैं। प्रधानमंत्री भी उनके लिए साड़ी भेजते हैं। अब कांग्रेसी कह रहे हैं कि यदि देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदीजी बन गए तो वे संविधान को ही बदल डालेंगे, लेकिन उन्हें यह नहीं पता है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदीजी 10 वर्षों से देश के प्रधानमंत्री हैं। कांग्रेस संविधान के नाम पर देशवासियों के बीच में भ्रम फैला रही है। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी आमजन की पार्टी है। हमारे यहां जनता से ही प्रधानमंत्री बनता है, मुख्यमंत्री बनता है, मंत्री, सांसद, विधायक बनता है, लेकिन एक पार्टी ऐसी भी है, जिसमें एक ही परिवार से प्रधानमंत्री, अध्यक्ष बनता है। इस पार्टी का नाम बदलना चाहिए। हम संबंध के आधार पर ही जनता पार्टी की बात करते हैं। मुख्यमंत्री डॉ यादव ने कहा कि जिस तरह से 10 वर्षों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदीजी के नेतृत्व में देश का मान-सम्मान बढ़ा है, हर वर्ग, हर क्षेत्र के लिए योजनाएं लागू की गईं हैं, उनका खुद का मकान नहीं है, लेकिन देश के 4 करोड़ लोगों को उन्होंने पक्की छत बनाकर दी

गैस राहत चिकित्सालयों में प्रतिनियुक्ति पर ली जाएगी चिकित्सा अधिकारियों की सेवाएं

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

गैस राहत चिकित्सालयों के लिये विशेषज्ञों, कंसलटेंट और चिकित्सा अधिकारियों की सेवाएँ प्रतिनियुक्ति पर ली जायेंगी। संचालक गैस राहत एवं पुनर्वास ने बताया कि भोपाल गैस त्रासदी एवं पुनर्वास विभाग के अधीन 6 चिकित्सालयों एवं 9 औषधालयों में चिकित्सा सेवाओं के सुदृढ़ीकरण के लिये वरिष्ठ परामर्शी (प्राध्यापक के समकक्ष), परामर्शी (सह प्राध्यापक के समकक्ष), कनिष्ठ परामर्शी (सहायक प्राध्यापक के समकक्ष), विशेषज्ञ और चिकित्सा अधिकारियों के रिक्त पदों पर 2 वर्षों की अवधि के लिये प्रतिनियुक्ति पर सेवाएँ ली जाना हैं।

संचालक गैस राहत एवं पुनर्वास ने बताया कि इच्छुक चिकित्सक विभागीय वेबसाइट से आवेदन डाउनलोड कर पूर्ण जानकारी भरकर समक्ष में अथवा स्पीड पोस्ट के माध्यम से संचालनालय, गैस राहत एवं पुनर्वास, शिवाजी नगर, भोपाल में 10 जून, 2024 तक कार्यालयीन समय में जमा कर सकते हैं।

रबी विपणन वर्ष 2024-25: गेहूं उपार्जन की अवधि में विस्तार

भोपाल। रबी विपणन वर्ष 2024-25 के लिए गेहूं उपार्जन की अवधि में वृद्धि की गई है, जिससे किसानों को उनकी उपज के लिए समर्थन मूल्य प्राप्त करने का अधिक समय मिलेगा। इस निर्णय के अनुसार, भोपाल, नर्मदापुरम, इंदौर और उज्जैन संभागों में उपार्जन की अवधि अब 07 मई 2024 तक और शेष संभागों में 15 मई 2024 तक निर्धारित की गई हैख। इसके अतिरिक्त, उन कृषकों के लिए जो समर्थन मूल्य पर गेहूं विक्रय से शेष रह गए हैं, उपार्जन की अवधि को 20 मई 2024 तक बढ़ाया गया है, और अंतिम तिथि 31 मई 2024 तक निर्धारित की गई हैद। इस विस्तारित अवधि के दौरान, किसानों को उनकी उपज के लिए उचित मूल्य सुनिश्चित करने का अवसर मिलेगा। सरकार ने इस निर्णय के प्रचार-प्रसार के लिए व्यापक अभियान चलाने की भी योजना बनाई है, ताकि सभी किसान इस विस्तारित अवधि का लाभ उठा सकें।

लोगों के बीच शांति विकास का एक महत्वपूर्ण साधन हैं : योग गुरु महेश अग्रवाल

भोपाल। आदर्श योग आध्यात्मिक केंद्र स्वर्ण जयंती पार्क कोलार रोड़ के योग गुरु महेश अग्रवाल कई वर्षो से नि:शुल्क योग प्रशिक्षण के द्वारा लोगो को स्वस्थ जीवन जीने की कला सीखा रहें है। वर्तमान में भी ऑनलाइन एवं प्रत्यक्ष माध्यम से यह क्रम अनवरत चल रहा है। योग गुरु अग्रवाल ने बताया कि अन्तर्राष्ट्रीय संग्रहालय दिवस प्रत्येक वर्ष 18 मई को मनाया जाता है। इसका मूल उद्देश्य जन सामान्य में संग्रहालयों के प्रति जागरूकता तथा उनके कार्यकलापों के बारे में जन जागृति फैलाना, लोग संग्रहालयों में अपने इतिहास को अपनी प्राचीन समृद्ध परंपराओ को जाने और समझे। संग्रहालय में ऐसी अनेक चीजें सुरक्षित रखी जाती हैं जो मानव सभ्यता की याद दिलाती है। संग्रहालय में रखी वस्तु हमारी सांस्कृतिक धरोहर तथा प्रकृति को प्रदर्शित करती है। अंतर्राष्ट्रीय संग्रहालय दिवस 2024 की थीम शिक्षा और अनुसंधान के लिए संग्रहालय है। इस दिन का उत्सव दुनिया के विभिन्न हिस्सों में इसी थीम पर आधारित होगा। आधुनिक संग्रहालयों का उद्देश्य जनता के अध्ययन और शिक्षा के लिए कलात्मक, सांस्कृतिक या वैज्ञानिक महत्व की वस्तुओं को इकट्ठा करना, संरक्षित करना, व्याख्या करना और प्रदर्शित करना है ।

रवि चौधरी ने चौधराहट पद ग्रहण किया, बारह मुहाल द्वारा पगड़ी बांध कर सम्मान किया

भोपाल। सकल वाल्मीकि समाज की परंपरा के अनुरुप खानदानी चौधराहट के 102 वर्ष के उपलक्ष्य मैं शताब्दी उत्सव आयोजित किया गया7 इस शुभ अवसर पर स्व कमरलाल चौधरी के सुपुत्र रवि चौधरी अपनी खानदान की परंपरा की गौरवशाली परंपरा को निभाते हुए चौधराहट पदवी पर पदारोहण किया। साढे बारह मुहाल से पधारे सभी पदाधिकारियों ने रवि चौधरी का पगड़ी बांध कर सम्मान किया। श्री चौधरी के लिये गर्व की विशेष बात यह हैं कि अपने कुटुंब की गौरवशाली परंपरा के 102 साल होने पर चौधरी का पद ग्रहण कि इस मौके पर वाल्मीकि विभूति श्री से श्री जगन लाल झांझोट , वाल्मीकि रत्न सम्मान से नारायण दास खरे , शान - ए - वाल्मीकि सम्मान से श्री कृष्ण चौहान को सम्मानित किया गया। सदर मजिल स्थित हमीद मंजिल मे इस समारोह में साढे बारह मुहाल से पधारे जगन लाल झांझोट , नारायण दास खरे , चिमन कल्याणे भोपाल ,राजेन्द्र गौहर विदिशा ,प्रहलाद चावला रायसेन , रामभरोसे भगवनिया, अशोक भगवनिया , राजेन्द्र भेरवे चौधरी बैरागढ ,बलराम वाली मुखिया देवास,नितिन घावरी लाम्वाखेडा ,राजेश गोदिया, किरण चावरे, ,राजेश पटरोड खलीफा , आन्नद चावरे इंदौर , दिनेश भैरवे सीहोर , प्रेमचंद चौहान, जयप्रकाश बडगुजर चौधरी, राधेश्याम गुजर, गोपाल धूलिया, राधेश्याम मेहना तथा भारी संख्या मे वाल्मीकि बंधुगण उपस्थित थे।

प्रदेश एवं भोपाल का गौरव बढ़ाया वंदना शुक्ला ने, दिल्ली में हुआ सम्मान

भोपाल। आनंद सर को सुपर 30 जननायक कहते हैं शिक्षा क्षेत्र के जननायक जिन्होंने गरीब बच्चों को आईटियन बनाने का बीड़ा उठाया और उन्होंने एक अचीवमेंट हासिल की जो सबके बस की बात नहीं है। ऐसे आनंद सर ने भोपाल की वंदना शुक्ला, डायरेक्टर किड्सरागा फाउंडेशन स्कूल भोपाल को सम्मानित किया जितने भी अचीवर्स हैं शिक्षा जगत में उनको भी बुलाया था। यह सम्मान दिल्ली में आयोजित हुआ। जिसमें देश-विदेश की कई हस्तियां मौजूद थी। इस अवसर पर स्निग्धा त्रिपाठी, किड्सरागा फाउंडेशन स्कूल की उप-प्रिंसिपल ने उनकी सफलता पर उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

दुर्गावाहिनी शौर्य प्रशिक्षण वर्ग में भारत के गौरवशाली इतिहास पर चर्चा

भोपाल. विश्व हिंदू परिषद की महिला शाखा दुर्गावाहिनी के शौर्य प्रशिक्षण वर्ग के पंचम दिवस पर दुर्गावाहिनी प्रांत संयोजिका सत्यकीर्ति राने द्वारा बताया गया कि हमारा इतिहास बहुत गौरवशाली है जिसमें काल गणना एवं चिकित्सा पद्धति जो कई वर्षों पुरानी है जिसका प्रत्यक्ष अप्रत्यक्ष प्रमाण हमारे वेदों पुराणों मंदिरों एवं कई पुस्तकों में मिलता है विश्व हिंदू परिषद के केंद्रीय मंत्री श्री अजय पारीक जी ने बालिकाओं को इसकी विस्तृत जानकारी दी उन्होंने बताया भारत में सेकंड से भी छोटी इकाई सेकंड का 5456 वा भाग की गणना हमारे पूर्वजों ने की है जब से मानव सभ्यता अपने आंख खोली है तब से हम सृष्टि की 432000 कलयुग का कालखंड एवं चार अरब 32 करोड़ सृष्टि की गणना हमारे इतिहास में मिलती है जिसे हम कई जगहों पर बने जंतर मंतर में देख सकते हैं इस प्रकार उन्होंने बताया कि चिकित्सा पद्धति महर्षि सुश्रुत शैल्या चिकित्सा के प्रमुख उन्होंने आकार प्रकार वजन का किस प्रकार शैल्या चिकित्सा में कार्य आता है उन्होंने कई उदाहरण जैसे गणेश जी का सर जो कि मस्तिष्क प्रत्यारोपण का एक अच्छा उदाहरण है अंग प्रत्यारोपण टेस्ट ट्यूब बेबी उदाहरण उन्होंने दिए वही संस्कृत भाषा दुनिया में 220 देश में संस्कृत अध्ययन जैसे जापान आदि नासा आदि जगहों पर संस्कृत का इस्तेमाल किया है संस्कृत एकमात्र ऐसी भाषा है जिसका एक्सेंट चेंज नहीं होता है यदि हम अंतरिक्ष में जाकर खोजें तो सप्त स्वर की खोज मंदिरों का विज्ञान, रंगों का विज्ञान, वस्त्र विज्ञान ,श्रृंगार विज्ञान, हथकरघा, वास्तु शिल्प ,धातु विज्ञान, व्यंजन परंपरा (शीतला अष्टमी)धातु बर्तनों का विज्ञान इस प्रकार गोवर्धन पूजा का महत्व कुटुंब संस्कार द्वारा मोक्ष की प्राप्ति इन सब बातों का अध्ययन अगर हम करें तो यह पता चल जाएगा कि हमारा इतिहास कितना गौरवशाली है और कितनी गंभीरता लिए हुए हैं इसलिए हमें अपने इतिहास से परिचित होना बहुत आवश्यक है। चर्चा सत्र में श्रीमती पूर्णिमा दाते जी ने रस पान खान पान एवं हमारी दिनचर्या कैसी हो पर सत्र लिया आज का संचालन आकांक्षा दुबे जी ने एवं मनचासीन अधिकारियों का सम्मान प्रीति गुप्ता जी ने किया अतिथियों का स्वागत किया। प्रांत से आई विभाग व जिले की सभी प्रतिनिधि कार्यकर्ता उपस्थित रहीं।

एम्स में अध्ययन से बचपन में मोटापे और उच्च रक्तचाप के चिंताजनक निष्कर्ष

भोपाल। विश्व उच्च रक्तचाप दिवस के उपलक्ष्य में, एम्स भोपाल ने बचपन में मोटापे की गंभीर समस्या और उच्च रक्तचाप से इसके खतरनाक संबंध पर प्रकाश डाला। इस वर्ष की थीम, अपने रक्तचाप को सटीक रूप से मापें, इसे नियंत्रित करें, लंबे समय तक जीवित रहें! दीर्घायु और स्वास्थ्य को बढ़ाने के लिए सटीक रक्तचाप की निगरानी और नियंत्रण की आवश्यकता पर जोर देता है। परंपरागत रूप से एक वयस्क बीमारी मानी जाने वाली उच्च रक्तचाप अब बच्चों में भी तेजी से फैल रही है, जो बड़े पैमाने पर बचपन के मोटापे में वैश्विक वृद्धि के कारण है। दीर्घकालिक हृदय संबंधी जोखिमों को कम करने के लिए इसकी शीघ्र पहचान और हस्तक्षेप की तत्काल आवश्यकता महत्वपूर्ण है। इसी क्रम में एम्स भोपाल द्वारा 60 मोटे बच्चों को शामिल करते हुए किए गए एक महत्वपूर्ण अध्ययन में रक्तचाप की निगरानी के लिए एक बहुआयामी दृष्टिकोण का उपयोग किया गया, जिसमें कार्यालय-आधारित माप, एंबुलेटरी रक्तचाप की निगरानी (एबीपीएम), और घरेलू रक्तचाप की निगरानी (एचबीपीएम) शामिल है। अध्ययन के निष्कर्ष चौंकाने वाले और चिंताजनक दोनों हैं।

अध्ययन के मुख्य निष्कर्ष

उच्च रक्तचाप की व्यापकता: 43.3 प्रतिशत मोटे बच्चों का निदान 24-घंटे एबीपीएम का उपयोग करके किया गया, जो उच्च रक्तचाप के निदान के लिए स्वर्ण मानक है। इसमें विशेष रूप से, 22 प्रतिशत को छिपा हुआ उच्च रक्तचाप था, जिसका पता केवल 24-घंटे एबीपीएम के माध्यम से लगाया जा सकता था।

घर बनाम कार्यालय रक्तचाप की निगरानी: जबकि घर के रक्तचाप की निगरानी कार्यालय माप की तुलना में अधिक सटीक है, लेकिन यह 24 घंटे के एबीपीएम की तुलना में कम संवेदनशील है। एबीपीएम की बेहतर सटीकता के बावजूद, बाल चिकित्सा देखभाल में इसका कम उपयोग किया जाता है।

अंत-अंग क्षति: चिंताजनक रूप से, 25 प्रतिशत बच्चों में अंत-अंग क्षति के लक्षण दिखाई दिए, विशेष रूप से बाएं वेंट्रिकुलर द्रव्यमान सूचकांक में वृद्धि, जो लंबे समय तक उच्च रक्तचाप का संकेत देती है। एम्स भोपाल के कार्यपालक निदेशक प्रोफेसर (डॉ.) अजय सिंह ने रक्तचाप की शीघ्र जांच की महत्वपूर्ण आवश्यकता पर जोर दिया। बच्चों का उच्च रक्तचाप के लिए मूल्यांकन किया जाना चाहिए, और स्कूल इन जांचों के लिए आदर्श स्थान हैं। सामान्य चिकित्सकों और बाल रोग विशेषज्ञों के बीच जागरूकता बढ़ाना आवश्यक है। समय पर हस्तक्षेप और बच्चों में हृदय रोग के भविष्य के बोझ को कम करने के लिए सटीक निगरानी के माध्यम से प्रारंभिक पता लगाना महत्वपूर्ण है।

एम्स भोपाल में बाल चिकित्सा नेफ्रोलॉजी और उच्च रक्तचाप विभाग के प्रो. गिरीश सी. भट्ट ने जेएएमए बाल रोग विज्ञान में प्रकाशित एक हालिया कनाडाई अध्ययन का संदर्भ दिया, जिसमें कहा गया है कि उच्च रक्तचाप से पीड़ित युवाओं को वयस्कता में गंभीर हृदय संबंधी जोखिम का 2 से 3 गुना अधिक खतरा होता है। बाद के जीवन में हृदय संबंधी रुग्णता और मृत्यु दर को कम करने के लिए बचपन में प्रारंभिक पहचान और निवारक रणनीतियाँ आवश्यक हैं।

एम्स ने किया आयुष चिकित्सा शिविर का आयोजन

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

कार्यपालक निदेशक प्रो. डॉ. अजय सिंह के मार्गदर्शन में एम्स भोपाल की तरफ से फन्दा ब्लॉक के बकानिया गाँव में आयुष की तरफ से हेल्थ कैंप में अपनी सेवा गुरुवार को दी गयी थी जिसमे कई मरीजों ने आकर स्वास्थ शिविर का लाभ उठाया द्य आयुष की तरफ से मेडिकल ऑफिसर डॉ तारिक बरकती और योग प्रशिक्षक चंचल सूर्यवंशी उपस्थित रहे।

कैम्प में योग परामर्श सत्र के साथ आयुष परामर्श और रोगियों को आयुष दवा का नि:शुल्क वितरण आयुष विभाग द्वारा आयोजित किया गया और जागरूकता कार्यक्रम का उद्देश्य विभिन्न प्रकार के व्यक्तियों को समग्र स्वास्थ्य सेवा समाधान प्रदान की गयी। प्रतिभागियों की आयु बहुत अलग-अलग थी, युवा वयस्कों से लेकर वरिष्ठ नागरिकों तक, और वे विभिन्न सामाजिक-आर्थिक पृष्ठभूमि से आए थे। कई लोग गठिया, चिंता और उच्च रक्तचाप जैसी पुरानी बीमारियों से राहत चाहते थे, जबकि अन्य निवारक स्वास्थ्य या बस अपने जीवन की समग्र गुणवत्ता में सुधार करने में रुचि रखते थे। रोगियों की प्रतिक्रिया अत्यधिक सकारात्मक रही है, जिसमें कई लोगों ने अपने शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य में महत्वपूर्ण सुधार की रिपोर्ट की है। प्रतिभागियों ने अनुभवी प्रशिक्षकों से व्यक्तिगत ध्यान और सत्रों के दौरान बढ़ावा दिए गए सहायक सामुदायिक माहौल की सराहना की। आम तौर पर बताए गए लाभों में दर्द और जकड़न में कमी, लचीलेपन और ताकत में वृद्धि, तनाव प्रबंधन में सुधार और विश्राम और आंतरिक शांति की अधिक भावना शामिल थी। इसके अलावा, प्रतिभागियों ने यूनानी चिकित्सा जैसी पारंपरिक उपचार पद्धतियों को शामिल करने पर संतोष व्यक्त किया, जिसने उनकी स्वास्थ्य संबंधी चिंताओं को दूर करने के लिए अतिरिक्त रास्ते प्रदान किए। एकीकृत दृष्टिकोण ने उपस्थित लोगों को अच्छी तरह से प्रभावित किया, जिन्होंने आधुनिक तकनीकों के साथ प्राचीन ज्ञान के मिश्रण की सराहना की। कुल मिलाकर, कार्यक्रमों को उनकी प्रभावशीलता, पहुंच और समुदाय में समग्र स्वास्थ्य और कल्याण को बढ़ावा देने में योगदान के लिए प्रशंसा मिली।

असंगठित क्षेत्र में आधी आबादी की बड़ी हिस्सेदारी

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों की अपनी समस्या है। काम मिले तो मिल गया और नहीं मिला तो नहीं मिला। यानी असंगठित क्षेत्र में रोजगार व आय की स्थिरता नहीं होती। यही कारण है कि दूसरे दिन भी काम मिलेगा या नहीं, इसकी कोई गॉरन्टी नहीं होती।

असंगठित क्षेत्र में श्रम शक्ति की बागड़ोर महिलाओं ने ही संभाल रखी है। देश की आर्थिक गतिविधियों के संचालन में असंगठित क्षेत्र की अपनी भूमिका है और इसमें कोई दो राय नहीं कि असंगठित क्षेत्र में श्रम शक्ति को भले ही मेहनत का पूरा पैसा नहीं मिलता हो पर असंगठित क्षेत्र में सर्वाधिक रोजगार के अवसर है। बहुत बड़े वर्ग की रोजी रोटी असंगठित क्षेत्र पर ही टिकी हुई है। हांलाकि असंगठित क्षेत्र की अपनी समस्याएं हैं। इसमें रोजगार की सुरक्षा, सामाजिक सुरक्षा, नियमित आय का ना होना, स्वास्थ्य सुरक्षा सहित बहुत सी समस्याओं से दो चार होना पड़ता है। हांलाकि सरकार असंगठित क्षेत्र की समस्याओं के निराकरण के लिए समय समय पर योजनाएं लाती है और ई-श्रम पोर्टल पर पंजीयन कराकर उनकी वास्तविक संख्या व आवश्यक जानकारी जुटाते हुए योजनाओं को अंतिम रुप दिया जाता रहा है। खैर बात भले ही थोड़ी अजीब लगे पर वास्तविकता तो यही बयां करती हैं कि आज देश में असंगठित क्षेत्र में पुरुषों के मुकाबलें महिलाओं की हिस्सेदारी अधिक हो गई है। केन्द्र सरकार के ई-श्रम पोर्टल पर देश में 29 करोड़ 56 लाख श्रमिकों का पंजीकरण हो चुका है जिसमें से महिला श्रमिकों की संख्या पुरुषों की तुलना में अधिक है। असंगठित क्षेत्र में आज महिला श्रमिकों की हिस्सेदारी आधी से भी ज्यादा हो चुकी है। केन्द्र सरकार के ई-श्रम पोर्टल की ही बात करे तो इसमें पंजीकृत 29 करोड़ 56 लाख श्रमिकों में से 53 फीसदी से भी अधिक महिला श्रमिक रजिस्टर्ड हैं जबकि पुरुष श्रमिकों की संख्या यही कोई 46 फीसदी से कुछ ही अधिक है। दरअसल बात भले ही कुछ भी की जाती हो पर तस्वीर तो यही है कि पुरुषों की तुलना में महिलाएं अधिक श्रम कर रही थी और कर रही है। भले ही व्हाईट कालर क्षेत्र में महिलाओं की भागीदारी पुरुषों की तुलना में कम हो पर आज संगठित व असंगठित क्षेत्र में महिलाएं पुरुषों से पीछे नहीं है।

भारत सरकार के ई-श्रम पोर्टल के आंकड़ों की ही भाषा में बात करें तो केरल में सबसे अधिक 59.79 प्रतिशत महिला श्रमिक असंगठित क्षेत्र में है तो आंध्रप्रदेश, असम, बिहार, छत्तीसगढ़, झारखण्ड, कर्नाटक, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, उत्तराखण्ड और पश्चिम बंगाल आदि सभी जगह पुरुषों की तुलना में महिला श्रमिक अधिक है। दरअसल देखा जाएं तो खेती और पशुपालन तो महिलाओं के भरोसे ही चल रहा है। शहरों में घरेलू कामकाज और रियल स्टेट क्षेत्र में असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों की हिस्सेदारी सर्वाधिक है। करीब 15 करोड़ श्रमिक खेती किसानी क्षेत्र से जुड़े हुए हैं। इसका अर्थ साफ साफ यह हुआ कि खेती किसानी से आधे से भी अधिक श्रमिक जुड़े हुए हैं और इसमें भी कोई दो राय नहीं कि पुरातन काल से ही पशुपालन तो महिलाओं के भरोसे ही चलता आया है। खेती किसानी में भी महिलाओं की प्रमुख भागीदारी होती है।

गली कुचें में बनिये की दुकान, चाय-पानी की स्टॉल या इसी तरह की किसी दुकान में काम करने वाले, चौकटियों में कारीगारी-बेलदारी के काम की प्रतीक्षा करने वाले, खेतों में जुताई, कटाई व इसी तरह के काम करने वाले, छोटे दस्तकारों, कारीगरों, हस्तशिल्पियों, गली मोहल्ले में घूमने वाले वेण्डर्स और अस्थाई काम करने वाले लोग असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों की श्रेणी में आते हैं। डेली वेजेज के आधार पर काम करने वाले लोगों को भी इसी श्रेणी में रखा जाएगा। इनमें महिला और पुरुष श्रमिक दोनों ही शामिल है।

असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों की अपनी समस्या है। काम मिले तो मिल गया और नहीं मिला तो नहीं मिला। यानी असंगठित क्षेत्र में रोजगार व आय की स्थिरता नहीं होती। यही कारण है कि दूसरे दिन भी काम मिलेगा या नहीं, इसकी कोई गॉरन्टी नहीं होती। इसके लिए रोजगार व आय की सुरक्षा व नियमितता की बात भी नहीं की जा सकती। इसका अर्थ यह हुआ कि सामाजिक आर्थिक सुरक्षा की बात करना तो बेमानी होगी। मोटे रुप से रोजगार, सुरक्षा और स्वास्थ्य व आवश्यक सुविधाओं की सुलभता असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों के लिए दूर की कोड़ी ही मानी जा सकती है। हांलाकि असंगठित क्षेत्र की श्रमिकों की समस्याओं को लेकर सरकार गंभीर होने लगी है। पहली बात यह कि श्रम पोर्टल पर रजिस्टर्ड होने से सरकार के सामने वास्तविक तस्वीर सामने आने लगी है। सरकार ने प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना, श्रम योगी मान धन योजना, अटल पेंशन योजना और इसी तरह की अन्य योजनाओं से जोड़कर असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों को सामाजिक सुरक्षा देने के प्रयास किये गये हैं।

अब देश दुनिया में श्रमिक आंदोलन का समय तो करीब-करीब समाप्त ही हो चुका है। ऐसे में इस क्षेत्र में कार्य कर रहे गैरसरकारी व सामाजिक संगठनों को आगे आते हुए असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों की आवाज बनना होगा। अब तो चूंकि असंगठित क्षेत्र में पुरुषों की अपेक्षा महिला श्रमिक अधिक है तो फिर और भी अधिक जिम्मेदारी हो जाती है। इसके साथ ही महिलाओं की समस्याओं को भी समझना होगा। सरकार को भी इस क्षेत्र के श्रमिकों की समस्याओं के समधान के लिए फोकस करना ही होगा।

स म्पा द की य

यूं ही कोई रोहित नहीं बन जाता

एक भावुक दृश्य, जो आंखों से होकर दिल तक चला गया। और दिमाग में खलबली मचा गया...लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में जब वह आउट होकर बोझिल कदमों से लौट रहे थे तो चेहरे पर अजीब खामोशी थी। दुनिया देख रही थी और हर कदम पर शाबाशी दे रही थी। स्टेडियम में मौजूद लोग तालियां बजा रहे थे। स्टैंडिंग ओवेशन दे रहे थे। लेकिन, समझ नहीं आ रहा है कि उसके कदम पवेलियन की ओर लौट रहे थे या फिर उस टीम से दूर जा रहे थे, जिसके लिए उसने सब कुछ अपना न्यौछावर कर दिया। जिसकी खुशी में कभी दीवाना हुआ तो कभी गम में रोया। अब वह शायद ही उस ब्लू जर्सी में दिखे, जिसे उसने बनाया, जिससे वह खुद बना। जिसे बार-बार चैम्पियन ट्राफी भी दिलाई।

ये फ्रेंचाइजी क्रिकेट है। सब कुछ बिकता है और सब कुछ खरीदा जाता है। प्रतिभा-योग्यता, और भी बहुत कुछ..। यहां बिजनसमैन मीना बाजार लगाते हैं। करोड़ों में खिलाड़ी को खरीदते हैं, खिलाते हैं, हर गेंद पर छक्का चाहते हैं, हर गेंद पर विकेट चाहते हैं। अगर ऐसा नहीं होता है तो मनमाना व्यवहार करते हैं। रोस टेलर (राजस्थान रॉयल्स), राहुल द्रविड़ (रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु), डेविड वॉर्नर (सनराइजर्स हैदराबाद), एमएस धोनी (पुणे सुपर जायंट्स), केएल राहुल (लखनऊ सुपर जायंट्स) और ऐसे बहुत से ऐसे खिलाड़ी हैं, जिन्होंने शायद अपना मामला पब्लिक में नहीं आने दिया, लेकिन देखा जाए तो अकूत दौलत वाले बिजनसमैन पैशन के नाम पर क्रिकेट को अपनी फैंटेसी समझते हैं।

जब भारत में क्रिकेट का उदय हो रहा था, तो राजा-महाराजा कसान हुआ करते थे। वो पैसा लगाते थे और खुद कसान बनते थे। मनमाने तरीके से टीम चलाते थे। आज बिजनेसमैन राजा-महाराजा बन गए हैं। मुंबई इंडियंस और रोहित शर्मा के मामले में रवि

शास्त्री की बात उसी ओर इशारा करती है। पूर्व कोच-क्रिकेटर और बेबाक कॉमेंटेटर रवि शास्त्री ने कहा था कि वे मालिक हैं। वे मोटी रकम खर्च करते हैं। उन्हें हक है अपना कसान चुनने का। बात भी सही है। रोहित शर्मा को भी करोड़ों मिलते हैं, लेकिन जो इस खेल के फैन हैं, जिन्होंने इस खेल को टॉप पर पहुंचाया है, उन्हें इस तरह का व्यवहार खटकता है।

स्ट्राइक रेट पर भले ही केएल राहुल के फैन उनसे निराश हों, या उनके खिलाफ हों, लेकिन वे कभी भी लखनऊ के मालिक संजीव गोयनका के व्यवहार का समर्थन नहीं करेंगे। वे उम्मीद करते हैं कि किसी भी खिलाड़ी के साथ बेहतर व्यवहार किया जाना चाहिए। केएल राहुल सिर्फ लखनऊ के खिलाड़ी नहीं हैं। वह भारत के खिलाड़ी हैं। कुछ ऐसा ही है रोहित के साथ है। जब आप रोहित की बात करते हैं तो भारतीय टीम के कसान की बात होती है। एक प्रतिभाशाली विस्फोटक बल्लेबाज की बात होती है। एक सफल कसान की बात होती है। हालांकि, देखा जाए तो रोहित के साथ मुंबई इंडियंस के मालिक की ओर से सार्वजनिक रूप से तो ऐसा कोई व्यवहार नहीं किया गया, जिससे उनकी आलोचना हो, लेकिन हार्दिक पंड्या को जिस तरह से विरासत सौंपी गई वो अपने आप में माहौल को जहरीला बनाने वाला ही साबित हुआ।

कोलकाता नाइटराइडर्स के खिलाफ मैच में रोहित विपक्षी खेमे में बैठे नजर आए। अपने मित्र अभिषेक नायर से टीम के बारे में जिस तरह से बात करते दिखे उसके अलावा भी मैदान पर जो कुछ हुआ उसे देखकर आसानी से समझा जा सकता है कि रोहित कैसा महसूस करते होंगे। एक ओर जहां चेन्नई सुपर किंग्स एमएस धोनी को आखिरी दम तक अपने साथ जोड़े रखना चाहती है तो दूसरी ओर आरसीबी कोई ट्रॉफी नहीं जीत पाने के बावजूद विराट कोहली को अपना पोस्टर बॉय बनाए हुए है। वहीं, मुंबई इंडियंस ने अपने सबसे सफल कसान और बल्लेबाज को हार्दिक पंड्या से एक झटके में रिप्लेस कर दिया। टीम को मुश्किल में फंसते देख कई बार रोहित कसानी मूड में आए और टीम को जितवाते दिखे तो आखिरी के कुछ मैचों में हार्दिक ने उन्हें इंम्पैक्ट प्लेयर बनाकर ड्रेसिंग रूम में बैठने को मजबूर कर दिया।

यह वही, हार्दिक पंड्या हैं, जो पिछले सीजन तक यह कहते फिर रहे थे कि मुंबई इंडियंस क्रीम खिलाड़ियों (अच्छे खिलाड़ी) को चुनती है और उनके दम पर ट्रॉफी जीतती है। टीम में हार्दिक के अलावा जसप्रीत बुमराह, सूर्यकुमार यादव, ईशान किशन सहित तमाम स्टार खिलाड़ी थे, जिनके दम पर कोई भी टीम चैंपियन बन सकती है। हालांकि, वह यह कमाल नहीं कर सके। वह भूल गए कि जब मुंबई ने उन्हें चुना था तो कसान रोहित शर्मा थे। वह रोहित की कसानी में मुंबई इंडियंस से भारतीय टीम तक में खेले और कुछ ही दिन बाद टी-20 विश्व कप में खेलेंगे भी। एक अच्छे खिलाड़ी हैं, एक अच्छे फिनिशर भी कहे जाते हैं, लेकिन शायद एक अच्छे इंसान साबित नहीं हुए।

खैर, रोहित शर्मा को एक खिलाड़ी भर कह देना उचित नहीं होगा। एक क्रिकेटर कहकर बात खत्म नहीं होती। रोहित बेहतरीन खिलाड़ी है। एक कसान है, इमोशन हैं... और माफ करना मुंबई इंडियंस...। आप उन्हें टीम में रखो या मत रखो, फैंस की नजरों में वो आज भी मुंबईचा राजा हैं, कल भी मुंबईचा राजा रहेंगे। 5 आईपीएल ट्रॉफी विनर कसान भर कह देने से रोहित शर्मा परिभाषित नहीं होते। रोहित आज क्रिकेट की किताब बन चुके हैं। हिस्ट्रीमेकर है रोहित किसी अंबानी या किसी हार्दिक की दया या कृपा के मोहताज नहीं। और हार्दिक भी यदि अपना यह स्वभाव लेकर चलते हैं, तो उनकी पारी भी बहुत लंबी चलने वाली नहीं है। जो दूसरों को नीचा दिखाने की कोशिश करता है, वह बहुत नीचे चला जाता है। बस समय की बात है। हां, रोहित हमें तुम पर नाज है। तुम हमारे फेवरेट क्रिकेटर हो।

भारत रसातल में भी पहुंच सकता है

-राकेश दुबे

आगमी 4 जून यह तय करेगी देश में चल रही विभिन्न कल्याण योजनाओं का स्वरूप क्या होगा? बड़े बड़े लोकलुभावन वादे देश को कहां ले जाकर छोड़ेंगे? कांग्रेस नेता राहुल गांधी जगह-जगह कह रहे हैं कि 4 जून के बाद प्रधानमंत्री मोदी इस पद पर नहीं रहेंगे। भाजपा और उससे जुड़े लोग 2029 तक मोदी का कोई विकल्प नहीं है मानकर चल रहे हैं। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे का दावा है कि भाजपा 200 सीटें भी जीत नहीं पाएगी। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव तो इस हद तक बयान दे रहे हैं कि भाजपा 140 सीटों को भी तरस जाएगी। तृणमूल कांग्रेस अध्यक्ष एवं बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का आकलन है कि भाजपा 195 सीटों तक सिमट जाएगी। आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक एवं दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल पहले ही अपना गणित बता चुके हैं कि भाजपा 220-230 सीटें ही जीत सकती है। विपक्ष के ऐसे दावों की हुंकार भरी जा रही है और वह लगातार देश को आश्वस्त करने में जुटा है कि उसने एक आंतरिक सर्वे कराया है, जिसके मुताबिक 'इंडिया' गठबंधन 300 से अधिक सीटें जीत रहा है।

किसका अनुमान सही निकलेगा 4 जून को साफ़ हो जाएगा। अभी और तब सवाल यही रहेगा की कल्याण योजनाए कैसे और कौनसी चलेगी। जैसे श्री खडगे ने एक प्रेस वार्ता के दौरान यह वायदा भी किया कि यदि 'इंडिया' की सरकार बनी, तो 80 करोड़ से अधिक उन गरीबों को 10 किलोग्राम अनाज प्रति माह मुफ्त दिया जाएगा, जिन्हें अभी 5 किलो मुफ्त अनाज मिल रहा है।

सबको पता है सरकारी खजाने पर 2 लाख करोड़ रुपए की सबसिडी का बोझ पहले से ही है, लिहाजा 10 किलो अनाज बांटने पर वह दोगुनी हो जाएगी। दिलचस्प है कि कांग्रेस अध्यक्ष ने यह नया जुमला उछाला है, जबकि पार्टी महासचिव प्रियंका गांधी ने ही रायबरेली की जनसभाओं में इस योजना पर सवाल उठाते हुए जनता से पूछा है कि आपको रोजगार चाहिए या 5 किलो मुफ्त अनाज? राहुल गांधी समेत कांग्रेस के बड़े नेता भी इस योजना पर सवाल उठाते रहे हैं कि क्या 80 करोड़ से अधिक भारतीय इतने गरीब हैं कि यदि उन्हें मुफ्त अनाज न मिले, तो वे भूखों मर सकते हैं? इस योजना के 10 किलो तक विस्तार पर कांग्रेस में रणनीतिक विरोधाभास क्यों हैं? क्या नेतागण आपस में विमर्श नहीं करते? कांग्रेस का चुनाव घोषणा-पत्र भी इस मुद्दे पर बिल्कुल खामोश है, लिहाजा कई कांग्रेसी खडगे की घोषणा से हैरान भी हैं !

कांग्रेस अध्यक्ष ने, सपा अध्यक्ष की मौजूदगी में, नए वायदे की घोषणा तब की है, जब चार चरणों में 378 लोकसभा सीटों पर मतदान सम्पन्न हो चुका है और 164 सीटों पर मतदान ही शेष है। 70 प्रतिशत से अधिक जनादेश तय होकर ईवीएम में दर्ज हो चुका है। जिन 164 सीटों पर मतदान अभी शेष है, 2019 के चुनाव में उनमें से 97 सीटें भाजपा ने जीत कर हासिल की थीं। इस बार के आम चुनाव में अब विपक्ष के भीतर ऐसा कौनसा 'सुपर विश्वास' जाग उठा है कि उसने जीत के दावों की बौछार कर दी है।

कई बार तो विपक्ष के दावों पर थोड़ा-सा यकीन भी होने लगता है, लेकिन देश के गृहमंत्री अमित शाह का दावा भी कौंधने लगता है कि जिन सीटों पर मतदान हो चुका है, उनमें से 270 सीटें मोदी जीत चुके हैं, यानी बहुमत भाजपा-एनडीए के पक्ष में मिल चुका है। अमित शाह को भी अपने अनुमान का आधार स्पष्ट करना चाहिये।

दोनों पक्षों के दावों को छोड़ भी दिया जाए, तो यह भी नहीं भूलना चाहिए कि विपक्ष ने ऐसे दावे 2019 में भी किए थे। ऐसे आंतरिक सर्वे की बात राहुल गांधी तब भी दोहराया करते थे। मोदी प्रधानमंत्री नहीं रहेंगे, चोर चौकीदार नहीं रहेगा, यह तो कांग्रेस का चुनावी जुमला बन गया था। नतीजा पूरा देश जानता है। यदि अब भी आगामी चरणों में भाजपा की 50 प्रतिशत सीटें भी कम हो जाएं, तब भी वह 319 सीटें जीत सकती है। यदि भाजपा की जीत में 10 फीसदी सीटें ही कम हों, तो भी वह 357 सीटें जीत सकती है। विपक्ष की सबसे बड़ी पार्टी कांग्रेस ने इस बार 328 उम्मीदवार ही मैदान में उतारे हैं, लिहाजा 300 से अधिक सीटें जीतने का 'इंडिया' का दावा सवालिया लगता है।

नतीजों को 4 जून पर छोड़ देना चाहिए। मुफ्त अनाज कोरोना महामारी के दौर में राजनीतिक-सामाजिक विवशता थी। अब हम उस दौर से निकल चुके हैं। 2022 में भारत पर जीडीपी का 81 प्रतिशत कर्ज था। यह बढ़ चुका होगा! कर्ज तब सार्थक लगता है, जब उसका सदुपयोग किया गया हो। मुफ्त अनाज या रेवड़ियां बांटने को कर्ज लिया जाएगा, तो भारत भी रसातल में पहुंच सकता है। बेहतर तो यह होगा कि आने वाली सरकार मुफ्त की योजनाएं बंद करे और सभी बेरोजगार युवाओं को सरकारी रोजगार या स्वरोजगार उपलब्ध करवाए। अगर सभी के हाथों में पैसा होगा तो आवश्यक वस्तुएं तो बाजार से खरीदी जा सकती हैं।

इन कलाकारों को नाम से ज्यादा पहचान मिली निक नेम से

हेमंत पाल

फिल्मों में कलाकारों के नाम का बहुत महत्व है। इतना ज्यादा कि कई कलाकारों ने इंडस्ट्री में आकर अपने नाम बदले। फिल्म इंडस्ट्री में नाम बदलने का चलन बरसों पुराना है। बहुत से कलाकार ने अपना नाम बदलकर ही दर्शकों के दिलों पर राज किया। युसूफ खान दिलीप कुमार बन गए, रणवीर नाथ कपूर ने अपना नाम राज कपूर रख लिया, जतिन खन्ना ने नाम बदलकर राजेश खन्ना रख लिया और राजीव भाटिया अक्षय कुमार बन गए। सिर्फ नायकों ने ही नहीं नायिकाओं ने भी अपने नाम बदले। महजबीं बानो ने अपना नाम मीना कुमारी रख लिया। आज की नायिका कियारा आडवाणी का भी असली नाम आलिया आडवाणी है। लेकिन, इनके असली या बदले नाम से ज्यादा चर्चित हैं कलाकारों के 'निक नेम' यानी जिनकी वजह से उनकी पहचान है। कलाकारों को ये नाम धीरे-धीरे ये नाम नाम इतने फैमस हो गए कि कलाकारों की पहचान बन गए। सौ से पुरानी फ़िल्मी दुनिया में नाम बदलने और निक नेम से चर्चित होने का चलन बहुत पुराना है। पहले भी कलाकारों को उनकी अदाकारी के मुताबिक नाम के साथ निक नेम का तमगा मिलता था, आज भी वही होता है!

आज यदि सिर्फ 'टाइगर' कहा जाए तो लोग समझ जाएंगे कि बात सलमान खान की हो रही है। 'बाबा' बोलते ही दिमाग में संजय दत्त की छवि उभरती है और 'खिलाड़ी' यानी अक्षय कुमार! ये चलन आजकल का नहीं, दशकों पुराना है। ये नाम कब और कहां से आए, इसकी जानकारी कम ही मिलती है! लेकिन, दर्शकों या मीडिया जनित यह नाम इतने मशहूर हुए कि इनका जिक्र आते ही उस सितारे की छवि सामने आ जाती है। 'झकास' कहते ही अनिल कपूर की मुद्रा सामने आ जाती है और 'मिस्टर परफेक्शनिस्ट का जिक्र आते ही समझ आता है कि बात आमिर खान की हो रही है। कलाकारों को इस तरह के टाइटल दिए जाने का सिलसिला उतना ही पुराना है, जितना सितारों से जुड़ा उनका स्टारडम!

जब देव आनंद दिलीप कुमार और राजकपूर की तिकड़ी परदे पर राज किया करती थी। इन तीनों सितारों को एक-एक नाम मिला था, जो इनके पर्दे वाले नाम से भले ही अलग था लेकिन इनकी छबि पर एकदम फिट बैठता था। दिलीप कुमार ने अपनी अदाकारी से पर्दे पर इतने आंसू उड़ेंगे कि उन्हें 'ट्रेजेडी किंग' कहा जाने लगा। उन्हीं की तरह पर्दे पर हमेशा अपने आसूंओ से सैलाब लाने वाली मीना कुमारी को 'ट्रेजेडी क्वीन' कहा गया! ये बात अलग है कि जब भी दिलीप कुमार और मीना कुमारी साथ आए तो परदे पर ट्रेजेडी नहीं कॉमेडी का झरना बहा। कोहिनूर, आजाद और यहूदी में दोनों साथ थे, पर तीनों फिल्मों में एक बूंद आंसू तक नहीं बहा! मुस्कुराते चेहरे वाली मधुबाला को आज भी बॉलीवुड की 'मोनालिसा' कहा जाता है। देव आनंद ने आजीवन हीरो की भूमिका निभाई, तो उन्हें 'एवरग्रीन' कहा गया! अपनी फिल्मों में भव्यता दिखाने वाले राज कपूर 'ग्रेट शोमैन' कहलाए! बाद में यह तमगा सुभाष घई ने जरूर लगाना चाहा, लेकिन वे 'शौमेन' तक ही सीमित रहे 'ग्रेट' नहीं बन पाए।

इनसे पहले अशोक कुमार का जलवा था, उन्हें 'दादा मुनि' कहा जाता रहा। पृथ्वीराज कपूर तो अकबर का किरदार निभाने के बाद भी 'पापाजी' ही कहलाए! साठ के उत्तरार्ध में धर्मेन्द्र, राजेन्द्र कुमार, मनोज कुमार शम्मी कपूर, जितेन्द्र आए। धर्मेन्द्र को 'पत्थर के फूल' के बाद 'ही-मैन' की उपाधि मिली। राजेन्द्र कुमार एक के बाद एक हिट फिल्में देकर 'जुबली कुमार' बने। शम्मीकपूर को 'बागी' कहा गया तो जीतेन्द्र 'जम्पिग जैक' कहलाए। इन्हीं के समकालीन मनोज कुमार ने सेल्युलाइड को देशभक्ति की चासनी में इतना डुबोया कि उन्हें 'भारत कुमार' कहा जाने लगा। इसके बाद दौर आया राजेश खन्ना, अमिताभ, मिथुन चक्रवर्ती का। एक के बाद एक 16 गोल्डन जुबली फ़िल्में देने वाले राजेश खन्ना बॉलीवुड के पहले 'सुपर स्टार' बने। अमिताभ बच्चन को सलीम-जावेद की 'जंजीर' ने 'एंग्री यंग मैन' का तमगा दिला दिया। डिस्को डांस करके 'डिस्को डांसर' की उपाधि पाने वाले मिथुन को दो नाम मिले। उन्हें गरीबों का अमिताभ बच्चन भी कहा जाता था। उनके साथ आए शत्रुघ्न को 'शॉटगन' का नाम मिला तो विनोद खन्ना को 'डेशिंग' का! इमरान हाशमी को उनकी भूमिकाओं की वजह से 'सीरियल किसर' कहा गया तो रणबीर कपूर को 'डेबोनियर।'

खिताबों का सिलसिला केवल नायकों तक ही सीमित नहीं रहा। नूतन ने 'दिल्ली का ठग' में बिकनी पहनकर पहली 'बिकनी गर्ल' का दर्जा पाया, तो अपने दमदार प्रदर्शन के कारण नादिया बनी हंटरवाली।' हेलन 'डांसिंग डॉल' बनी तो नीलम 'बेबी डॉल।' हेमा मालिनी आज भी 'ड्रीम गर्ल' ही कहलाती है, तो श्रीदेवी को 'हवा हवाई' और विद्या बालन को 'एंटरटेनमेंट गर्ल' कहा जाता है। 'कश्मीर की कली' की नायिका शर्मिला 'डिम्पल गर्ल' कहलाई। अपने दमदार अभिनय से लेकर अपने विवादों तक के लिए सुर्खियां बटोरने वाले संजय दत्त की पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ हमेशा चर्चा में रही। फैंस ने संजय दत्त को संजू बाबा, बाबा और 'खलनायक' जैसे नामों से नवाजा है। इन्हीं में एक नाम 'संजू बाबा' पर तो उनकी बायोपिक भी बनी। दर्शकों और फैंस में सलमान खान ही क्रेज है। एक्शन और रोमांस के जोड़ से दिलों में जगह बनाने वाले सलमान खान का असल नाम तो बस बैनर और पोस्टर पर ही रहा, उनको तो 'सल्लू भाई' और 'भाईजान' जैसे नाम से ज्यादा जाना जाता है।

अपने ज़माने के विख्यात अभिनेता दिलीप कुमार आज दुनिया में नहीं रहे हैं, लेकिन उनके किरदार आज भी दिलों में जिंदा हैं। मुगल-ए-आजम, सौदागर, क्रांति और 'देवदास' जैसी फिल्मों में काम करने वाले दिलीप कुमार को 'ट्रेजडी किंग' नाम दिया गया था। इसी तरह मनोज कुमार का वैसे तो असल नाम हरिकिशन गिरि गोस्वामी है, पर सिनेमा से प्रभावित होकर अपना नाम बदल लिया था। शहीद', क्रांति और 'पूरब-पश्चिम' जैसी देशभक्ति प्रधान फिल्मों की वजह से मनोज कुमार को 'भारत कुमार' कहा जाता रहा। अमिताभ बच्चन को उनके चाहने वाले कई नाम से पहचानते हैं। उन्हें 'सदी का महानायक' और 'शहंशाह' कहा जाता है। उन्हें 'बिग-बी' कहने वाले भी कम नहीं हैं। लेकिन, फिल्मों में अपने दमदार अभिनय और एक्शन के चलते अमिताभ बच्चन को 'एंग्री यंग मैन' का टाइटल मिला। धर्मेंद्र अपनी दमदार बॉडी और एक्शन के लिए मशहूर रहे हैं। उन्हें भी 'ही-मैन' नाम से ज्यादा पुकारा जाता है। इंडस्ट्री में रोमांस की नई परिभाषा लिखने वाले शाहरुख खान को किंग खान, बादशाह और 'किंग ऑफ रोमांस' जैसे नाम से नवाजा गया। आमिर खान को दर्शक उनकी फिल्मों में परफेक्शन के लिए जानते हैं। कहा जाता है कि वे अपने किरदार को निभाने के लिए किसी भी हद तक गुजर जाते हैं। वजन बढ़ाना हो या फिर सिर मुंडवाना हो आमिर सबके लिए तैयार रहते हैं। उनकी इसी खासियत की वजह से उन्हें 'मिस्टर परफेक्शनिस्ट' नाम दिया गया। अक्षय कुमार को उनके जबरदस्त स्टंट और खिलाड़ी सीरीज की फिल्में करने की वजह से 'खिलाड़ी कुमार' का नाम दिया गया।

ये चलन सिर्फ नायकों तक ही सीमित नहीं रहा। 70 के दशक में जब हेमा मालिनी इंडस्ट्री में आई तो अपनी खूबसूरती और डांसिंग स्किल्स की वजह से सुर्खियां बटोरी। दर्शकों ने प्यार से उन्हें 'ड्रीम गर्ल' पुकारा। बाद में इसी नाम से 1977 में उनकी एक फिल्म भी आई। मीना कुमारी को 'ट्रेजेडी क्वीन' कहा गया तो माधुरी दीक्षित उन अभिनेत्रियों में शामिल हैं, जिनके नाम से ही फिल्में हिट हो जाती थीं। उनका डांस भी लोगों को हैरानी में डाल देता था। माधुरी जितनी कमाल की एक्ट्रेस हैं उतना ही शानदार डांस करती हैं। माधुरी को उनके डांस 'धक-धक करने लगा' की वजह से 'धक-धक गर्ल' और शानदार डांस की वजह से 'डांसिंग दीवा' नाम दिया गया। आज प्रियंका चोपड़ा ग्लोबल आइकॉन बन चुकी हैं। लेकिन, 'दोस्ताना' फिल्म के गाने 'देसी गर्ल' के बाद से ही अभिनेत्री को फैंस 'देसी गर्ल' बुलाया जाने लगा। बात सिर्फ यहीं तक सीमित नहीं है। परदे के पीछे रहने वालों में मोहम्मद रफी 'आवाज के शहंशाह' कहलाए तो तलत महमूद 'गजलों के बादशाह।' नामों का यह सिलसिला कल भी प्रचलित था, आज भी है और उम्मीद है कि आगे भी कलाकार नए-नए नामों से पुकारे जाते रहेंगे। क्योंकि, जब तक मनोरंजन की दुनिया है, कलाकार भी रहेंगे और अदाकारी से साथ उनके नाम भी।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक भरत पटेल द्वारा इंडिपेंडेंट प्रेस 11, प्रेस काम्प्लेक्स, एमपी नगर, जोन-1, भोपाल से मुद्रित तथा 226, एमपी नगर जोन-2, भोपाल से प्रकाशित। संपादक — भरत पटेल, प्रबंध सलाहकार — भारती पटेल, संपादकीय सलाहकार — विष्णु कौशिक, सलाहकार संपादक - स्मिता पटेल, स्थानीय संपादक —संजय सक्सेना,
प्रकाशन से संबंधित समस्त समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। समस्त न्यायिक कार्यवाहियों के लिए क्षेत्राधिकार भोपाल न्यायालय का रहेगा। रजि. नं. भोपाल डिवी. 48 म.प्र.। ई-मेल : dspbpl67@gmail.com, वेबसाईट: dainiksandhyaprakash.in

नवांकुर की बाल वैज्ञानिक रूपाली लोधी जापान की यात्रा पर रवाना

गंज बासोदा। नवांकुर विद्यापीठ की बाल वैज्ञानिक, इंस्पायर अवार्ड योजना की विजेता रूपाली लोधी आज दोपहर में जापान की यात्रा पर रवाना हो गई है। रूपाली के साथ विद्यालय के वरिष्ठ शिक्षक और उसके मार्गदर्शक अविनाश डोंगरे और उनके सहयोगी विवेक शर्मा तथा उनके पिता भगवान सिंह लोधी और माता जी रमादेवी भी भोपाल के लिए रवाना हो गए हैं। भोपाल से यह सभी रात्रि 9.15 पर इंडिगो फ्लाइट से दिल्ली के लिए उड़ान भरेंगे। रूपाली की माता-पिता की दिल्ली तक यात्रा का प्रबंध भी नवांकुर विद्यापीठ द्वारा किया गया है। उल्लेखनीय है कि विद्यालय की बाल वैज्ञानिक रूपाली लोधी ने इंस्पायर अवार्ड योजना में राष्ट्रीय स्तर पर ओनियन फ्लावर कटर विद् पेस्टिसाइड स्प्रिंगकिलर मॉडल प्रस्तुत किया था और 60 विद्यार्थियो के साथ विजेता होने का गौरव हासिल किया था। उन 60 विजेता वैज्ञानिकों में से 25 वैज्ञानिकों का चयन जापान की यात्रा के लिए किया गया। मध्य प्रदेश से कुल 4मॉडल्स का चयन किया गया, जिसमें विदिशा जिले से रूपाली लोधी एकमात्र विजेता थी । इन सभी लोगों का दल आज दोपहर में भोपाल के लिए रवाना हो गया हैं जहाँ से यह सभी लोग रात्रि 9ः15 पर इंडिगो फ्लाइट द्वारा दिल्ली के लिए उड़ान भरेंगे। तथा रूपाली जापान की यात्रा पर जाएगी। विद्यालय परिवार ने रूपाली व उनके अभिभावकगण को बधाई देकर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

नगर परिषद ओबेदुल्लागंज द्वारा चलाया गया अवैध नल कनेक्शन को बंद करने का अभियान

औबेदुल्लागंज । मुख्य नगर पालिका अधिकारी सोनाली शर्मा सीएमओ के दिए गए निर्देशानुसार शुक्रवार को वार्ड क्रमांक 6 इकलामा ओबेदुल्लागंज में अवैध नल कनेक्शन को बंद किए जाने के निर्देश दिए गए निर्देश के पालन में दिनाक 17/5/2024 वार्ड क्रमांक 6 इकलामा ओबेदुल्लागंज में अवैध नल कनेक्शन को चिन्हित कर पूर्ण रूप से अवैध नल कनेक्शन को बंद किए जाने की कार्यवाही की गई अवैध नल कनेक्शन को बंद किए जाने का अभियान निरंतर रूप से समस्त वार्डों में नियमित रूप से चलाया जाएगा इस अभियान में मुख्य रूप से उपस्थित रहे कर्मचारी, अधिकारी , जलप्रदाय शाखा प्रभारी प्रमोद तिवारी, वार्ड नंबर 6 प्रभारी आशीष यादव, विनोद यादव , सुशील चतुर्वेदी , जितेंद्र सिरसवाल , संजय बाजपेई, मोतीलाल परमार, कोमल यादव, भीम सिंह पवार ,नारायण सिंह, रतीराम ,घासीराम, शंकर लाल, दीपक मैथिल, बालकिशन एवं समस्त कर्मचारी मुख्यरुप से उपस्थित रहै ।

कलेक्टर ने जिलास्तरीय पुस्तक-गणवेश मेला पहुंचकर व्यवस्थाओं का लिया जायजा

सिवनी- जिला प्रशासन एवं स्कूल शिक्षा विभाग सिवनी द्वारा शासकीय उर्दू उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सिवनी में आयोजित तीन दिवसीय जिलास्तरीय पुस्तक एवं गणवेश मेला का कलेक्टर क्षितिज सिंघल एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत सिवनी द्वारा अवलोकन किया गया। इस दौरान कलेक्टर श्री सिंघल ने उपस्थित पालकों एवं व्यापारियों से चर्चा की। उन्होंने चर्चा के दौरान प्राप्त शिकायतों का शीघ्र निराकरण करने संबंधी आवश्यक दिशा-निर्देश उपस्थित अधिकारी-कर्मचारियों को दिए। जिला शिक्षा अधिकारी सिवनी ने बताया कि मेले में पुस्तक एवं गणवेश विक्रेताओं द्वारा अपने-अपने स्टाल स्थापित किए गए हैं। मेले में अभिभावकों द्वारा बढ़-चढ़ सहभागिता सुनिश्चित करते हुए पुस्तक, यूनिफॉर्म, बैग एवं अन्य शैक्षणिक सामग्रियों का क्रय किया जा रहा है।

जिला चिकित्सालय सिवनी में वृध्दजन स्वास्थ्य शिविर का आयोजन 20 को

सिवनी- सिविल सर्जन सह-मुख्य अस्पताल अधीक्षक द्वारा जानकारी देते हुए बताया कि राष्ट्रीय वृध्दजन स्वास्थ्य देखभाल कार्यक्रम अंतर्गत सोमवार 20 मई को प्रातः 9 बजे से शाम 4 बजे तक जिला चिकित्सालय सिवनी में 60 वर्ष व उससे अधिक उम्र के वृध्दजनों का निःशुल्क स्वास्थ्य जाँच शिविर का आयोजन किया जा रहा है। स्वास्थ्य शिविर में विषय विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा बीपी, शुगर, मोतियाबिन्द के लिए आँखो का परीक्षण, हड्?डीरोग, मानसिक स्वास्थ्य की जाँच, बधिरता, नाक, कान, गला, खून की जाँच समेत अन्य स्वास्थ्य संबंधि जांच कर स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहने संबंधी आवश्यक सलाह देते हुए उपचार किया जाएगा। साथ ही शिविर में वृध्दजनों का आयुष्मान एवं हेल्थ आईडी कार्ड बनाकर आवश्यकतानुसार स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराई जायेगी। सिविल सर्जन सह-मुख्य अस्पताल अधीक्षक एवं चिकित्सालय के अन्य चिकित्सकों द्वारा वृध्दजनों से स्वास्थ्य शिविर में पहुंचकर स्वास्थ्य की जाँच कराने तथा लाभ लेने की अपील की गई है।

चलित खाद्य प्रयोगशाला से विविध खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता जांच की गई

सिवनी। कलेक्टर क्षितिज सिंघल के निर्देशानुसार जिले में मिलावटी एवं अमानक खाद्य पदार्थ विक्रय करने वाले खाद्य कारोबारकर्ताओं एवं प्रतिष्ठानों पर खाद्य सुरक्षा प्रशासन विभाग के दल द्वारा सतत कार्यवाही की जा रही है। इसी क्रम में खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग द्वारा दिनांक 13 मई से 17 मई 2024 तक चलित खाद्य प्रयोगशाला द्वारा जिला मुख्यालय स्थित महावीर आइसक्रीम, जैन आइसक्रीम, होटल शिवानी, इंडियन कॉफी हाउस तथा केवलारी स्थित आइसक्रीम फैक्ट्री से आईसक्रीम एवं लस्सी, माता श्री अनाज भंडार से खाद्य पदार्थ काबुली चना एवं लूज बेसन सहित विविध खाद्य पदार्थों के नमूने लेकर त्वरित जांच की गई।

ग्राम पंचायत डोब चड़ी में निर्माण कार्यों में हुआ लाखों का भ्रष्टाचार

औबेदुल्लागंज संवाददाता -जनपद पंचायत औबेदुल्लागंज के अंतर्गत आनेवाली ग्रामपंचायत डोब में किए जा रहे निर्माण कार्य में लाखों का हेर फेर करते हुए जिम्मेदारों ने अपनी जेब भरने का काम किया है ग्राम डोब में अभी लगभग 2 महीने पहले बने सीमेंटेड रोड जगह-जगह से फट गया है वही रोड के बीच में से पानी की क्रॉसिंग के लिए बनाई गई नालियों में प्लास्टिक का पाइप डालकर ऊपर से सड़क का निर्माण कर दिया गया जिस पर से ग्राम वासी कृषि कार्यों के लिए अपने वाहनों को लेकर आवागमन करेंगे साथ ही ग्राम पंचायत के आसपास चल रही स्टोन क्रशरों से निकलने वाले भारी वाहन भी इस सड़क का उपयोग करते हैं किसान अपनी उपज से लदे वाहन लेकर निकलेंगे जिससे सड़क के बीच में लगाए गए प्लास्टिक के पाइप कितने दिन चलेंगे यह बताने वाला कोई नहीं है बनाई गई नाली एवं सड़क जगह-जगह से दरकने लगी है ज्ञात हो कि किसी भी ग्राम पंचायत में निर्माण एजेंसी स्थानीय ग्रामपंचायत ही होती है वहीं दूसरीऔर ग्रामपंचायत के ग्राम बरुआ में भी बनाई गई नाली एवं सड़क भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ गई है इसमें भी घटिया मटेरियल का उपयोग कर सरपंच सचिव द्वारा अपनी जेबे भरी गई है

दिनदहाड़े हुई चोरी का खुलासा

सांध्य प्रकाश, विदिशा। बीते दिनों थाना कोतवाली विदिशा में बामनखेड़ा निवासी ने संतोष दुबे जिला सहकारी बैंक विदिशा से 1 लाख 90 हजार रूपये निकालकर अपनी एक्टिवा स्कूटर की डिग्गी में रख दिये थे। संतोष दुबे द्वारा अपनी गाड़ी को निकालते समय पीछे किया जा रहा था, उसी दौरान उनकी एक्टिवा गाड़ी में लगी चाबी गायब हो गई थी तो वह गाड़ी के आसपास चाबी को ढूढ़ने लगे थे। उसी दौरान अज्ञात बदमाश द्वारा डिग्गी को खोलकर उसमें रखे रूपये, बैंक पासबुक, चेक बुक चोरी कर लिये थे, जिसकी रिपोर्ट थाना कोतवाली विदिशा में अज्ञात आरोपी के विरूद्ध दर्ज की गई थी। कोतवाली पुलिस द्वारा जांच की तो पाया की पूरे देश में कुख्यात सांसी गिरोह के बदमाश महेश पिता जगदीश सांसी निवासी ग्राम हुलखेड़ी थाना बोडा जिला राजगढ़ द्वारा इस घटना को अंजाम दिया गया है।

पुलिस द्वारा ग्राम हुलखेड़ी पहुंचकर आरोपी महेश सांसी को पकड़ा और उससे गहनता पूर्वक पूछताछ की गई तो उसने अपराध करना स्वीकार किया और महेश सांसी के कब्जे से चोरी की रकम 1 लाख 90 हजार रूपये व बैंक पासबुक जप्त की गई। प्रकरण में आरोपी महेश सांसी को गिरफ्तार किया गया है। इस कार्यवाही में विशेष भूमिका थाना प्रभारी मनोज दुबे, सउनि प्रेमनारायण साहू, प्रआर शिवभान सिंह, प्रआर धर्मेन्द्र शर्मा, आर. राजकुमार सिंह, आर. सचिन सोनी, आर. आकाश राणा की रही।

प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश ने किया जिला जेल का औचक निरीक्षण

मंडला। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण एवं मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देशानुसार एस0के0 जोशी प्रधान जिला न्यायाधीश, अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण एवं प्रवीण कुमार सिन्हा जिला न्यायाधीश, सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के द्वारा शुक्रवार को जिला जेल मण्डला का औचक जेल निरीक्षण किया गया। इस दौरान उन्होंने जेल मैन्यूअल के अनुसार जेल में बंदियों को उपलब्ध कराई जाने वाली सुविधाओं की जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान पुरूष एवं महिला बैरकों का निरीक्षण कर साफ-सफाई, बंदियों के बिस्तर और शौचालय की साफ-सफाई की जांच की इसके साथ ही पाकशाला का निरीक्षण किया गया। उन्होने पाकशाला की साफ-सफाई, भोजन की गुणवत्ता व प्रतिदिन दिए जाने वाले आहार की मात्रा संबंधी सारणी की जांच की। निरीक्षण के दौरान बंदियों से मुलाकात कर उनकी समस्याओं को सुना गया और बंदियों को विधि सम्मत सलाह भी प्रदान की गई। उक्त कार्यक्रम में एस0के0 जोशी प्रधान जिला न्यायाधीश, अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, प्रवीण कुमार सिन्हा जिला न्यायाधीश, सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, नरेश सिंह गौड़ न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी, दीपिका एस ठाकुर जिला विधिक सहायता अधिकारी, संजय सहलाम जेल अधीक्षक जिला जेल मण्डला, जेल स्टॉप, जिला विधिक सेवा

प्राधिकरण के कर्मचारीगण एवं बंदीजन उपस्थित रहे। एस0के0 जोशी प्रधान जिला न्यायाधीश, अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण मण्डला ने जेल में निरुद्ध व्यक्तियों को समान रुप से न्याय मिले सके इसलिए बंदियों के अधिकार विधिक सहायता एवं सलाह योजना, प्लीबारगेनिंग दाण्डिक मामलों का समझौते के आधार पर अंतिम निराकरण हेतु एक अनुबंध है जो पीड़ित पक्ष एवं अभियुक्त के मध्य आपसी समझौते के आधार पर होता है। प्लीबारगेनिंग प्रक्रिया द्वारा असमनीय अपराधों का निराकरण किया जा सकता है के संबंध में जानकारी प्रदान की गई।

प्रवीण कुमार सिन्हा जिला न्यायाधीश, सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण मण्डला ने बंदियों को नशामुक्ति के संबंध में बताया कि जेल में बिताये गये समय में उनके द्वारा समस्त प्रकार के नशाओं का सेवन नहीं किया जाता। उन्हें रिहा होने के पश्चात् भी नशाओं का त्याग करना चाहिए तथा प्रत्येक बंदी भाई को अपने कारावास की अवधि में बदले की भावना त्यागकर एक सकारात्मक सोच रखते हुए सजा पूरी करनी चाहिए जिससे जेल में उनमोचन उपरान्त वह समाज में एक बेहतर जीवन जी सके की जानकारी दी। साथ ही राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण एवं राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं की भी जानकारी दी।

मुक्तिधाम पर लकड़ियों को पानी से बचाने शेड की दरकार

शवदाह स्थल पर टीन शेड निर्माण शुरू

विदिशा। मुक्तिधाम पर टीन शेड निर्माण करते कारीगर।

सांध्य प्रकाश, विदिशा। बीते दिनों विदिशा मुक्तिधाम पर खुले में चिता जलते समय अचानक आई बरसात ने चार पार्थिव शरीरों को बुझा दिया था। जिसके चलते शहर में समाजसेवी, पत्रकार एवं प्रशासन एवं आम नागरिकों ने संयुक्त प्रयास किए, जिसके परिणाम स्वरूप प्रशासन पर दबाव हुआ तो बीते दिवस शुक्रवार को टीन शेड का निर्माण कार्य शुरू हो गया है।

अब विदिशा मुक्तिधाम में एक और खास जरूरत को पूरी करने के लिए शहर के कॉलोनाइजर नितिन माहेश्वरी लाला ने शासन से अनुमति मांगी है।

दरअसल नितिन माहेश्वरी अपनी मां की स्मृति में शवदाह स्थल के ऊपर टीन शेड निर्माण कराना चाहते थे, लेकिन नगरपालिका द्वारा इन्हें निमयमानुसार अनुमति न मिलने के कारण इनकी यह इच्छा अधूरी रह गई।

अब नितिन चाहते हैं कि विदिशा मुक्तिधाम पर जो वर्षों से खुले स्थान पर लकड़ियां रखी जाती हैं और बरसात में गीली होने के कारण अंतिम संस्कार करते समय भारी दिक्कत का सामना परिजनों को करना पड़ता है तो इस जगह एक बड़ा टीन शेड वह अपनी मां की स्मृति में स्वयं के व्यय से बनवाना चाहते हैं।

इसके लिए नितिन ने विदिशा नगर पालिका प्रशासन से अनुमति मांगी है।

सात दिवसीय संगीतमय भागवत कथा का यज्ञ और भंडारे के साथ हुआ समापन

गौतम परिवार द्वारा ग्रीन एवन्यू कॉलोनी छतरपुर में चल रहे सात दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा का शुक्रवार को समापन हुआ। भागवत कथा में चार वेद, पुराण, गीता एवं श्रीमद् भागवत महापुराण की व्याख्या, प्रभुपाद, श्री राम जन्म भूमि मन्दिर के अध्यक्ष परम श्रद्धेय नृत्यगोपाल स्वामी महाराज के प्रिय शिष्य अयोध्या धाम से पधारे आदरणीय श्री राधे श्याम शास्त्री के मुखारवृंद से उपस्थित भक्तों ने श्रवण किया। विगत सात दिनों 10 मई से 17 मई तक भगवान श्री कृष्ण जी के वात्सल्य प्रेम, असीम प्रेम के अलावा उनके द्वारा किए गए विभिन्न लीलाओं का वर्णन कर वर्तमान समय में समाज में व्याप्त अत्याचार, अनाचार, कटुता, व्यभिचार को दूर कर सुंदर समाज निर्माण के लिए सभी श्रदालु भक्तों को प्रेरित किया। इस धार्मिक अनुष्ठान के सातों दिवस पर भागवत के विभिन्न प्रसंगों को श्रवण कराकर सभी लोगों को भक्तिरस में डुबो दिया। इस दौरान भजन गायन ने उपस्थित लोगों को ताल एवं धुन पर नृत्य करने के लिए विवश कर दिया।

कथा व्यास जी ने सुंदर समाज निर्माण के लिए गीता से कई उपदेश के माध्यम अपने को उस अनुरूप आचरण करने कहा काम प्रेम के माध्यम से संभव है, वह हिंसा से संभव नहीं हो सकता है। समाज में कुछ लोग ही अच्छे कर्मों द्वारा सदैव चिर स्मरणीय होता है, इतिहास इसका साक्षी है। कथावाचक परम श्रेद्धेय श्री राधेश्याम शास्त्री जी ने यज्ञ की महत्ता को बताया कि यज्ञ करने से सदुणों के द्वार खुलते है। आप सभी को भक्ति मार्ग से जुड़कर सत्कर्म करना चाहिए। उन्होंने कहा कि हवन यज्ञ से वातावरण व वायुमंडल शुद्ध होने के साथ साथ व्यक्ति को आत्मिक बल मिलता है। व्यक्ति में धार्मिक आस्था जागृत होती है।

जेवीपीएल टूर्नामेंट में सिटी बॉयस और जीएससी ने जीते शानदार मुकाबले

सिवनी- जेवीपीएल टूर्नामेंट के लीग मैच में दो मैच खेले गए पहला मैच प्रेस क्लब और सिटी बॉयस के मध्य खेला गया जिसमें प्रेस क्लब ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 8 ओवर मै 5 विकेट के नुकसान पर मात्र 39 रन बनाकर 40 रनों लक्ष्य दिया प्रेस क्लब की और से अंकित ने 12 रनों की पारी खेली सिटी बॉयस की और से रिजवान ने 2 ओवर मै 7 रन देकर 2 विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी सिटी बॉयस ने निर्धारित 5.4 ओवर में 2 विकेट के नुकसान पर 40 रन बनाकर 8 विकेट से यह मैच जीत लिया इस मैच के मैन ऑफ द मैच रिजवान रहे। दूसरा मैच न्यू ग्रीन सिटी और जीएससी के मध्य हुआ जीएससी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 10 ओवर मै 6 विकेट के नुकसान पर 84 रन बनाकर न्यू ग्रीन सिटी को 85 रनो का लक्ष्य दिया जीएससी की और से सचिन (बंटू) तिवारी ने 25 रनों की पारी खेली लक्ष्य का पीछा करने उतरी न्यू ग्रीन सिटी ने निर्धारित 10 ओवर में 9 विकेट के नुकसान पर मात्र 62 रन ही बना पाई जीएससी ने यह मैच 22 रनों से जीत लिया न्यू ग्रीन सिटी की और से दिनेश (अड्डू)ने शानदार 23 रनों की पारी खेली इस मैन ऑफ द मैच रितेश ठाकुर रहे। दोनों मैचो में निर्णायक की भूमिका बंटी बिसेन और सदाम खान रहे आज के दूसरे मैच के मुख्य अतिथि सभी सम्मानीय पत्रकार बंधु के साथ आसिफ पटेल भीम भैया रहे। 18-05-24 को भी दो मैच खेले जाएंगे।

मंदिर में 13 साल से साधु बनकर रह रहा था हत्या का आरोपी, ऐसे धरा गया

सागर। पुलिस ने 13 साल से फरार जिस शख्स को पकड़ा है, उसे हत्या के मामले में उम्रकैद की सजा मिल चुकी थी। वह इंदौर के महू स्थित मंदिर में साधु बनकर छिपा था। पुलिस ने उसे पकड़ने के लिए एक दिन रेकी की।

साधु के वेश में छिपे एक हत्यारे को पुलिस ने अरेस्ट किया है। आरोपी को हत्या के मामले में उम्रकैद की सजा मिल चुकी थी, लेकिन वह इंदौर के महू स्थित मंदिर में साधु बनकर छिपा था। आरोप है कि उसने 1991 में दोस्त के साथ मिलकर जमीन विवाद में एक युवक की पीट-पीटकर हत्या कर दी थी। इसी मामले में 2011 में सुप्रीम कोर्ट ने उन्हें उम्रकैद की सजा सुनाई थी। जिसे पुलिस 13 साल से तलाश रही थी। अब पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया है, जबकि दूसरा आरोपी अभी भी फरार है।

मंदिर में साधु बनकर रह रहा था हत्यारा

जानकारी के मुताबिक आरोपी हिब्बू उर्फ प्रभुदयाल ने 1991 में अपने एक दोस्त के साथ मिलकर जमीन विवाद में एक युवक की हत्या कर दी थी। इस मामले में 2011 में सुप्रीम कोर्ट ने उम्रकैद की सजा सुनाई थी। इसके बाद दोनों आरोपी फरार हो

गए। कहा जा रहा है कि पुलिस आरोपियों की काफी समय से तलाश कर रही थी। जांच- पड़ताल के दौरान पुलिस को पता चला कि आरोपी हिब्बू का परिवार रहली के पास रहता है। उनकी जमीन भी है। वह जमीन बेटे के नाम पर मिली। जमीन ट्रांसफर होने के डॉक्यूमेंट्स की जांच- पड़ताल की गई। इसमें आरोपी हिब्बू की फौती लगी थी। इसमें लिखा था कि पिता हिब्बू कई साल पहले कहीं चले गए हैं, जो वापस नहीं आए। पुलिस ने बेटे की जानकारी खंगाली तो पता चला कि वह मुंबई के पालघर इलाके में रहता है। वह यहां मजदूरी करता है। बेटे से संपर्क कर आरोपी हिब्बू से जुड़ी जानकारी जुटाई। बेटे से आरोपी का मोबाइल नंबर लिया। साइबर सेल ने नंबर की लोकेशन ट्रैस की। आरोपी की लोकेशन इंदौर के महू के जाम गेट के पास बने पार्वती मंदिर की मिली।

स्पेशल प्लान बनाया, गाड़ी के पास आते ही अरेस्ट किया

पुलिस ने आरोपी को पकड़ने के लिए टीम का गठन किया। पुलिस जाम गेट के पार्वती मंदिर पहुंच गई। यहां लगभग 12 से ज्यादा साधु थे। इन्हीं में से एक हिब्बू बाबा बनकर छिपा था। उसे पहचानने के लिए पुलिस को काफी मशक्कत करनी पड़ी। लेकिन पुलिस जैसे-तैसे आरोपी तक जा पहुंची। पुलिस ने आरोपी से भक्त बनकर बात की और कहा कि बाबा मेरी मां की तबीयत खराब है। वो गाड़ी में बैठी हैं। आप चलकर आशीर्वाद दे दो। जैसे ही, बाबा गाड़ी के पास आशीर्वाद देने आए, पुलिस ने पकड़ लिया।

आधार बनवाया, सरनेम छिपाया

आरोपी हिब्बू ने अपनी पहचान छिपाने के लिए आधार भी बनवा लिया था, लेकिन आधार में सरनेम छिपाया। दाढ़ी और सिर के बाल भी बढ़ा लिए थे। पुलिस पूछताछ में आरोपी ने अपना जुर्म कबूल कर लिया। हालांकि मामले में दूसरा आरोपी उम्मू उर्फ उमाशंकर तिवारी अभी फरार है। उसकी तलाश भी जारी है।

सोशल मीडिया से

बेरोजगारी बहुत है !

मेम साहब -हेलो हेलो ! नल की टोंटी लीक कर रही है प्लम्बर भैया ! इसे बदल दो आकर प्लीज।

प्लम्बर -जी मेम साहब ! ठीक है। पर अभी समय नहीं है। परसों बदल जाऊंगा।

परसों -

मेम साहब -भैया तुम आये नहीं। आज टोंटी बदलने को कहा था तुमने।

प्लम्बर -मेम आ रहा हूँ। शाम तक आपका काम हो जाएगा।

शाम को प्लम्बर -मेम, आज नहीं आ पा रहा। कल अवश्य आऊंगा।

कल -

प्लम्बर -ये लो मेम हो गया आपका काम।

मेम साहब -ठीक है भैया। थैंक्स। कितने देने हैं !

प्लम्बर -280 की टोंटी, 20 का टेप, 300, और लेबर के 400 रुपये। टोटल ?700 दीजिये मेम।

मेम साहब - अरे भैया ! 700 तो बहुत ज्यादा हैं। और आधे घंटे के ?400 लेबर कुछ ज्यादा नहीं लगा रहे आप?

प्लम्बर -नहीं मेम दूसरी जगह चलता काम छोड़ कर आया हूँ। घिस घिस मत करो। ?700 निकालो जल्दी। दूसरी जगह जाना है। पहले पूछ लिया करो। आदमी हैं नहीं। अकेले काम करना पड़ता है।

मेम साहब -ठीक है। ये लो भैया। पर तुम्हारे रेट बहुत ज्यादा हैं।

प्लम्बर -अरे मेम ! आपको क्या पता ! मरने की फुरसत नहीं है। नमस्ते।

आपने देखा, एक प्लम्बर का किस्सा।

आदमी हैं नहीं और बेरोजगारी बहुत है। समझे !!

अब और देखिए -

ज्योति - आंटी ! कल से बहू और बच्चे की मालिश के ?300 घंटा लूंगी।

आंटी -क्यों ज्योति ! अभी तक तो 200 लेती थी।

ज्योति -आंटी, फुरसत नहीं है। दो घर और भी जाना पड़ेगा कल से।

आंटी -तो दो घर जाने से रुपये बढ़ाने का क्या मतलब है ? बल्कि तुझे तो 200 के हिसाब से और 400 मिलेंगे।

ज्योति - देख लो आंटी। उनसे भी ?300 के हिसाब से तय हुए हैं। आपको करानी है, तो ठीक नहीं तो कल 1 तारीख है मैं नहीं आऊंगी। किसी और से करा लेना।

आंटी -अरे ! अब बीच में किसे ढूंढूंगी ? तू ही आ। जो कहेगी, देंगे।

ज्योति -ठीक है। अब तक का हिसाब कर दो। कल से नया ?300 के हिसाब से चालू हो जाएगा।

दुखी मन से आंटी -ये ले 4 दिन के बाकी 800। कल टाइम से आना।

आपने देखा। एक घंटे के 300। पांच जगह भी गयी, तो 1500। मतलब 1500×25 दिन =? 37,500 महीना।

बेरोजगारी बहुत है।

पर है कहाँ है ये बेरोजगारी ?

अब आप ही बताइये बेरोजगारी कहां है ?

मुझे दो स्टाफ चाहिए आफिस के लिए। अरोड़ा जी को एक लड़का चाहिए दुकान के लिए। गुप्ताजी को बाई चाहिए। मधु भाभी को झाड़ू पोंछे वाली चाहिए। विकास को एक कारपेंटर चाहिए। प्रमोद को स्टील का गेट बनवाना है। शर्मा जी को टाइल लगवानी है दुकान पर !!

क्या करें - कहाँ जाएं ! 2-3 महीने से सब लोग ढूंढ रहे हैं आदमी।

पर सुनने में आता है, बेरोजगारी बहुत है।

भैया किधर है ये ? कौन है बेरोजगार ? हमें दिखाओ तो !

हाँ मैं दिखाता हूँ। देखिए।

आओ मोहन। दुकान पर काम करोगे ?

मोहन -जी करूंगा बाबू जी।

बाबू जी -तो आओ कल से सुबह 9 बजे।

मोहन -न बाबूजी। सुबह 9 नहीं साढ़े दस तक आ पाऊंगा।

बाबूजी -ठीक है, मैं खोल लूंगा दुकान तुम साढ़े दस आओ।

मोहन -बाबूजी, पगार कितनी दोगे ?

बाबूजी -अरे पहले जो लड़का था, उसे ?9000 देता था। वही दे दूंगा। या जो तू कहेगा।

मोहन -बाबूजी रुपये लूंगा पूरे 15 हजार।

बाबू जी -क्यों कहीं और मिल रहे हैं क्या ?

मोहन -नहीं। अभी तो कोई नहीं, पर ढूंढ लूंगा।

बाबूजी - लेकिन तुमने तो अभी बताया 4 महीने से घर बैठे हो। कोई नौकरी नहीं मिली।

मोहन -हाँ बाबूजी। पर 8-9 हजार में आजकल होता क्या है ? इसलिए काम जोड़ा नहीं अभी तक। देखूंगा। जब अच्छी पगार वाली मिलेगी, तब करूंगा नौकरी।

समझ गए आप।

बेरोजगारी कहां है ?

9 की करनी नहीं। 15 की मिल नहीं रही।

सरकार है न !

राशन फ्री।

बिजली पानी फ्री।

खाने के लिए छेत्तर बहुत हैं।

इलाज फ्री।

कन्या विवाह के लिए राशि।

बच्चा पैदा हो, तो राशि आदि-आदि।

यहां है बेरोजगारी !!

काम वालों को आदमी नहीं और आदमियों को काम नहीं।

सोचिएगा अवश्य। दो शब्द लिखिये या शेयर कीजिये ताकि समाज जागरूक हो !

अंतरराष्ट्रीय संग्रहालय दिवस

एक पौधा पेड़ बन जाए, फिर भी वह जीवित तब तक रहता है, जब तक जड़ों से जुड़ा रहता है। वैसे ही दुनिया के विकास के लिए इतिहास को याद रखना जरूरी है। अपनी संस्कृति, परंपरा, ऐतिहासिक दिन, लोग और धरोहरों को संभालकर रखना चाहिए, ताकि विकास का सही मार्ग तलाश सकें।

इसी जरूरत को समझते हुए दुनियाभर के देश अपनी संस्कृति, परंपरा और ऐतिहासिक महत्व रखने वाली अतीत की स्मृतियों के अवशेषों और कलाकृतियों को एक सुरक्षित स्थान पर संरक्षित रखते हैं। इसे संग्रहालय कहा जाता है। संग्रहालय लोगों व आने वाली पीढ़ियों और अतीत की स्मृतियों के बीच का पुल है, जो हमें इतिहास से जुड़ता है। लोगों को इतिहास तक पहुंचाने और इससे जुड़ी चीजों को सहेजने के लिए विश्व भर में कई बड़े, बहुत पुराने और लोकप्रिय संग्रहालय मौजूद हैं। इन संग्रहालयों के महत्व को समझाने के उद्देश्य से हर साल अंतरराष्ट्रीय संग्रहालय दिवस भी मनाया जाता है।

कब मनाते हैं अंतरराष्ट्रीय संग्रहालय दिवस - प्रतिवर्ष 18 मई को अंतरराष्ट्रीय संग्रहालय दिवस मनाया जाता है। संग्रहालय दिवस दुनिया के तमाम देशों में मनाते हैं। 2009 तक संग्रहालय दिवस को 90 से अधिक देशों में मनाया जाने लगा था। वहीं इस समय अंतरराष्ट्रीय संग्रहालय दिवस में हिस्सा लेने वाले देशों की संख्या 129 पहुंच गई। दुनियाभर में करीब 30000 से अधिक संग्रहालय हैं जो इस दिन को मनाते हैं।

संग्रहालय दिवस का इतिहास - इंटरनेशनल काउंसिल ऑफ म्यूजियम (आईकॉम) को पहली बार संग्रहालय दिवस मनाने का विचार आया और 1977 में इस दिन को मनाने की शुरुआत की गई। उसके बाद हर साल 18 मई को अंतरराष्ट्रीय संग्रहालय दिवस मनाया जाने लगा। विश्व के कई देशों के अंदर स्थापित संग्रहालय इस दिन का आयोजन करते हैं और संग्रहालय के महत्व को लेकर जागरूकता फैलाने के लिए कार्यक्रम आयोजित करते हैं।

अंतरराष्ट्रीय संग्रहालय दिवस 2024 की थीम - प्रतिवर्ष अंतरराष्ट्रीय संग्रहालय दिवस की एक थीम तय होती है, इसका निर्णय इंटरनेशनल काउंसिल ऑफ म्यूजियम के द्वारा किया जाता है। अंतरराष्ट्रीय संग्रहालय दिवस 2024 की थीम ÷शिक्षा और अनुसंधान के लिए संग्रहालय÷ रखी गई है।(साभार) राजेश नारायण श्रीवास्तव (एड.)

विश्व उच्च रक्तचाप दिवस पर कलेक्ट्रेट, एनएचएम कार्यालयों एवं सभी स्वास्थ्य संस्थाओं में शिविर

नौ हजार से अधिक लोगों की जांच

विश्व उच्च रक्तचाप दिवस के अवसर पर आज 17 मई को कलेक्टर कार्यालय,भोपाल राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन कार्यालय सहित सभी स्वास्थ्य संस्थाओं में जांच, परामर्श एवं जागरूकता शिविर आयोजित किए गए। इन शिविरों में 9212 लोगों की रक्तचाप की जांच हुई।

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन कार्यालय में आयोजित शिविर में 132 लोगों की स्क्रीनिंग की गई, जिनमें से ब्लड प्रेशर के 26 नए मरीज मिले है। इनमें से दो मरीज 30 वर्ष से कम उम्र के मिले हैं।

कलेक्टर कार्यालय में आयोजित शिविर में 265 लोगों की जांच की गई, जिनमें से 67 लोगों में उच्च रक्तचाप की समस्या पाई गई। इन सभी को ब्लड प्रेशर नियमित जांच, फॉलोअप, खान पान और लाइफ स्टाइल में सुधार की सलाह दी गई। इन शिविरों में उच्च रक्तचाप के लक्षणों की पहचान,उच्च रक्तचाप नियंत्रण एवं बचाव की जानकारी भी दी गई।

भोपाल के 14 श्रमिक पीठों पर आयोजित किए जा रहे विशेष शिविरों में 1819 श्रमिकों की ब्लड प्रेशर की जांच की गई।

इस वर्ष यह दिवस "Measure Your Blood Pressure Accurately, Control it, Live Longer" की थीम पर मनाया जा रहा है।

आयुष्मान आरोग्य मंदिरों में जागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से ब्लड प्रेशर को नियंत्रित रखने हेतु दैनिक क्रियाकलापों , भोजन, व्यायाम , तनाव प्रबंधन के संबंध में जानकारी प्रदान करने हेतु पोस्टर प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया । साथ ही स्थानीय स्तर पर उपलब्ध खाद्य पदार्थों से पौष्टिक एवं लो कोलेस्ट्रॉल व्यंजन बनाने की प्रतियोगिता आयोजित की गई ।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी भोपाल डॉ प्रभाकर तिवारी ने बताया कि उच्च रक्तचाप साइलेंट किलर माने जाने वाली बीमारी है। यह बीमारी युवाओं में भी देखने को मिल रही है। इसका प्रमुख कारण अनियमित जीवनशैली, शारीरिक श्रम का अभाव, तनाव सिगरेट , बीड़ी , तंबाकू , शराब का उपयोग करना है। उच्च रक्तचाप, मधुमेह , मोटापा , उच्च कोलेस्ट्रॉल जैसी बीमारियों से ग्रस्त लोगों में हृदय रोग होने की संभावना भी बढ़ जाती है। उच्च रक्तचाप के उपचार हेतु शासन द्वारा सभी दवाइयां निशुल्क उपलब्ध हैं । यह दवाइयां जिला चिकित्सालय से लेकर हेल्थ एंड वैलनेस केंद्रों पर चिकित्सकीय परामर्श के अनुसार दी जाती है। असंचारी रोग नियंत्रण कार्यक्रम के अंतर्गत सभी शासकीय स्वास्थ्य संस्थाओं में ब्लड प्रेशर व मधुमेह की निशुल्क जांच की जाती है। आहार एवं जीवन शैली को नियमित करने के साथ ही नियमित रूप से ब्लड प्रेशर एवं मधुमेह की जांच करवाना हर व्यक्ति के लिए बेहद जरूरी है।

हृदय रोग संबंधी बीमारियां युवा वर्ग में भी दिखाई दे रही है , इसलिए 18 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों को भी रक्तचाप की नियमित रूप से जांच करवाना जरूरी है। भोपाल जिले में संचालित आईएचसीआई कार्यक्रम अंतर्गत 18 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों की ब्लड प्रेशर की जांच सभी शासकीय स्वास्थ्य संस्थाओं में निशुल्क की जाती है।

मध्य प्रदेश में चुनाव ड्यूटी के मानदेय के लिए कर्मचारी मंच की मांग

भोपाल- मध्य प्रदेश कर्मचारी मंच ने चुनाव ड्यूटी पर तैनात लाखों कर्मचारियों के बकाया मानदेय के शीघ्र भुगतान की मांग को लेकर मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी से संपर्क किया है। मंच के प्रदेश अध्यक्ष, अशोक पांडे के अनुसार, लोकसभा चुनाव के दौरान कर्मचारियों ने अपनी सेवाएं निष्ठा से प्रदान कीं, परंतु उन्हें अभी तक उनके मानदेय का भुगतान नहीं मिला है। चुनाव आयोग के निर्देशानुसार, चुनाव संपन्न होने के 24 घंटे के भीतर मानदेय का भुगतान करना अनिवार्य है, किंतु पांच दिनों के उपरांत भी कई जिला निर्वाचन अधिकारियों ने इस आदेश का पालन नहीं किया है। कर्मचारी मंच ने इस विलंब पर चिंता व्यक्त की है और मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी से तत्काल कार्रवाई की अपील की है।

मंच ने यह भी बताया कि कर्मचारियों ने मतदान प्रतिशत बढ़ाने और संवेदनशील क्षेत्रों में भी सफलतापूर्वक चुनाव संपन्न कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इसलिए, उनके प्रयासों के लिए उचित मानदेय का भुगतान अत्यंत आवश्यक है। मंच ने जिला निर्वाचन अधिकारियों को निर्देश जारी करने की मांग की है ताकि चुनाव ड्यूटी पर तैनात कर्मचारियों को उनके मानदेय का शीघ्र भुगतान सुनिश्चित किया जा सके।

एड शीरन ने नेटफ्लिक्स के द ग्रेट इंडियन कपिल शो में किंग ख़ान से अपनी मुलाक़ात और अपने अन्य अनुभवों के बारे में बताया

मुंबई, एजेंसी। हर हफ़्ते नेटफ्लिक्स के द ग्रेट इंडियन कपिल शो पर मस्ती-मज़ाक का सिलसिला बना हुआ है, जहाँ सेलिब्रिटी महमानों के साथ दर्शकों के लिये बेहतरीन एंटरटेनमेंट रात 8 बजे नेटफ्लिक्स पर पेश किया जाता है। आठवें एपिसोड में आ रहे हैं ग्लोबल सेंसेशन एड शीरन। एड को हिंदी में बोलने की कोशिश करते और कपिल शर्मा को अंग्रेज़ी बोलने में पसीना आते हुए देखने को तैयार रहिए ! लाल बालों वाले सिंगर ने इस एपिसोड के लिए कुछ हिंदी के लैसन और हाथ में अपने गिटार के साथ दर्शकों के मनोरंजन के लिये खुद को पूरी तरह तैयार कर लिया है।

मप्र में चलेंगी कई समर स्पेशल ट्रेन; जबलपुर, कटनी और सतना से होकर गुजरेंगी, जानें शेड्यूल

भोपाल। मध्य प्रदेश के रेल यात्रियों के लिए खुशखबरी है। गर्मी में यात्रियों की भारी भीड़ को देखते हुए पश्चिम मध्य रेल जबलपुर ने जरूरी फैसला किया है। यात्रियों को सहूलियत को ध्यान में रखते हुए इस महीने से कई समर स्पेशल ट्रेन चलाने का फैसला किया है। ये वीकली ट्रेनें रतलाम, इटारसी, खंडवा, जबलपुर, सतना, कटनी से होकर गुजरेंगी।

सभी ट्रेनों का रूट और शेड्यूल....

गाड़ी नंबर 01920 -अहमदाबाद-आगरा कैंट स्पेशल 17 मई 2024 से 30 जून 2024 तक हर बुधवार, शुक्रवार और रविवार को अहमदाबाद से 17.30 बजे चलकर अगले दिन 9.50 बजे आगरा कैंट पहुंचेगी।

ट्रेन में रहेंगे इतने कोच

अहमदाबाद-आगरा कैंट स्पेशल में सेकंड एसी का एक कोच, थर्डएसी के 5 कोच और जनरल श्रेणी के 14 कोच रहेंगे। दोनों दिशाओं में यह ट्रेन आणंद, छायापुरी, गोधरा, रतलाम, नागदा, कोटा, सवाई माधोपुर, गंगापुर सिटी, बयाना, रूपबास और फतेहपुर सीकरी स्टेशनों पर रुकेगी।

गाड़ी नंबर 05271 - मुजफ्फरपुर-यशवंतपुर एक्सप्रेस स्पेशल ट्रेन 17 मई 2024 को मुजफ्फरपुर स्टेशन से 15-30 बजे प्रस्थान कर, अगले दिन शनिवार को भोर में सतना 3-05 बजे, कटनी 4-30 बजे, जबलपुर 6-00 बजे, नरसिंहपुर 7-18 बजे, पिपरिया 08-18 बजे, इटारसी 10-05 बजे और तीसरे दिन 19-00 बजे यशवंतपुर स्टेशन पहुंचेगी।

गाड़ी नंबर 05272 - यशवंतपुर-मुजफ्फरपुर एक्सप्रेस स्पेशल ट्रेन सोमवार 20 मई 2024 को यशवंतपुर स्टेशन से 7-30 बजे प्रस्थान कर, अगले दिन मंगलवार को 18-05 बजे इटारसी, 19-08 बजे पिपरिया, 20-08 बजे नरसिंहपुर, 21-40 बजे जबलपुर, 23-20 बजे कटनी पहुंचकर मध्य रात्रि 00-35 सतना और तीसरे दिन बुधवार को दोपहर 12-00 बजे मुजफ्फरपुर स्टेशन पहुंचेगी।

गाड़ी नंबर 09167 - सूरत-भागलपुर-रतलाम स्पेशल शनिवार, 18 मई, 2024 को सूरत से 11.00 बजे प्रस्थान करेगी और सोमवार को 06.30 बजे भागलपुर पहुंचेगी। इस ट्रेन में स्लीपर क्लास और जनरल सेकेंड क्लास कोच होंगे।

गाड़ी नंबर 09168 - भागलपुर-रतलाम-सूरत स्पेशल सोमवार, 20 मई, 2024 को भागलपुर से 10.00 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 18.30 बजे रतलाम पहुंचेगी। यह ट्रेन दोनों दिशाओं में बीना, वीरांगना लक्ष्मीबाई, कानपुर सेंट्रल, प्रयागराज, मिर्ज़ापुर, पं. दीन दयाल उपाध्याय, बक्सर, आरा, पटना, बख्तियारपुर, मोकामा, किऊल, जमालपुर और सुल्तानगंज स्टेशनों पर रुकेगी।

गाड़ी नंबर 09001 - उधना-जयनगर स्पेशल रविवार, 19 मई, 2024 को उधना से 11.25 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 23.00 बजे जयनगर पहुंचेगी। इस ट्रेन में स्लीपर क्लास और जनरल सेकेंड क्लास कोच होंगे।

गाड़ी नंबर 09002 - जयनगर-उधना स्पेशल मंगलवार, 21 मई, 2024 को जयनगर से 2.00 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 14.30 बजे उधना पहुंचेगी। यह ट्रेन दोनों दिशाओं में चलथान, बारडोली, नंदुरबार, भुसावल, खंडवा, इटारसी, जबलपुर, कटनी, सतना, मानिकपुर, प्रयागराज छिवकी, पं. दीन दयाल उपाध्याय, बक्सर, आरा, पटना, बख्तियारपुर, मोकामा, बरौनी, समस्तीपुर, दरभंगा और मधुबनी स्टेशनों पर रुकेगी।

टाटा मोटर्स ने गुवाहाटी में नये कमर्शियल व्हीकल स्पेयर पार्ट्स वेयरहाउस का उद्घाटन किया

गुवाहाटी, एजेंसी। भारत की सबसे बड़ी कमर्शियल वाहन निर्माता टाटा मोटर्स ने आज गुवाहाटी में एक नये कमर्शियल व्हीकल स्पेयर पार्ट्स वेयरहाउस के उद्घाटन की घोषणा की। यह अत्याधुनिक फैसिलिटी पूरी तरह से डिजिटलाइज्ड है और 1 लाख वर्गफीट के क्षेत्र में फैली है। यहाँ सभी वाणिज्यिक वाहनों के स्पेयर पार्ट्स मौजूद होंगे। नई सुविधा के जुड़ने से, कंपनी उत्तर-पूर्व में स्थित टाटा अधिकृत सेवा स्टेशनों पर कलपुर्जों की आसानी से उपलब्धता और कम सर्विसिंग समय सुनिश्चित कर सकेगी। विश्वस्तरीय बुनियादी ढांचे और सुरक्षा सुविधाओं से लैस यह सुविधा डिजिटल वेयरहाउस प्रबंधन के माध्यम से ग्राहकों के लिए बेहतर मूल्य प्रदान करेगी। टाटा मोटर्स ने भारत के सबसे बड़े और पूर्णतया एकीकृत लॉजिस्टिक्स सेवा प्रदाता डेल्हीवेरी के साथ भागीदारी की है, जिसके तहत टेक्नोलॉजी से सक्षम उसके वेयरहाउसिंग तथा परिवहन समाधानों का इस्तेमाल किया जाएगा। इस सुविधा में अत्याधुनिक स्टोरेज सिस्टम्स भी हैं, जो विभिन्न आवश्यकताओं को पूरा करेंगे, जैसे कि ग्रैविटी स्पाइरल और वर्टिकल रेसिप्रोकेटिंग कन्वेयर्स। इसके अलावा, वाहनों के मध्यम और अधिक भारी हिस्सों के लिये एक तयशुदा क्षेत्र है, जो अबाध परिचालन सुनिश्चित करेगा। इस लॉन्च पर अपनी बात रखते हुए, टाटा मोटर्स कमर्शियल व्हीकल्स में स्पेयर्स एवं नॉन व्हीकुलर बिजनेस के हेड श्री विक्रम अग्रवाल ने कहा, ''गुवाहाटी में नये वेयरहाउस का उद्घाटन ग्राहकों पर केन्द्रित होने के लिये टाटा मोटर्स की सोच दिखाता है।

अमेज़न मिनीटीवी ने जमनापार का दिल को लुभाने वाला ट्रेलर रिलीज़ किया है

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेज़न की निःशुल्क वीडियो स्ट्रीमिंग सेवा, अमेज़न मिनीटीवी अपनी आने वाली एस्पिरेशनल ड्रामा सीरीज़, जमनापार की बड़ी मनमोहक कहानी के साथ दर्शकों के दिलों में जगह बनाने के लिए तैयार है। अमेज़न की स्ट्रीमिंग सेवा ने आज इस सीरीज़ का ऑफिशल ट्रेलर रिलीज़ किया, जो शांतनु बंसल उर्फ़ शैंकी की दुनिया की झलक दिखाता है। पूर्वी दिल्ली के छोटे-छोटे घरों से लेकर दक्षिणी दिल्ली की आलीशान गगनचुंबी इमारतों तक, यह कहानी शैंकी की ज़िंदगी के इर्द-गिर्द घूमती है जो अपने वजूद की तलाश करने के सफ़र पर निकलता है और अपनी जड़ों पर गर्व करता है। जमनापार 24 मई से सिर्फ अमेज़न मिनीटीवी पर मुफ्त में स्ट्रीमिंग के लिए उपलब्ध होगा, जिसमें ऋत्विक सहोरे, वरुण बडोला, रघु राम, सृष्टि गांगुली रिंदानी और अंकिता सहगल सहित कई होनहार कलाकारों ने अहम किरदार निभाए हैं। इस मौके पर अमेज़न मिनीटीवी के कंटेंट हेड, अमोघ दुसाद ने कहा, जमनापार इस बात को दर्शाता है कि हम दिल को छू लेने वाले और सोचने पर मजबूर कर देने वाले कंटेंट्स की पेशकश करने के अपने इरादे पर अटल हैं, जिनसे जीवन के सभी क्षेत्रों के दर्शक जुड़ाव महसूस करते हैं। ऋत्विक सहोरे ने इस सीरीज़ का हिस्सा बनने के बारे में बात करते हुए कहा, एक एक्टर के तौर पर जमनापार में शैंकी का किरदार निभाना मेरे लिए बड़े पैमाने पर बदलाव लाने वाला अनुभव रहा है। इस सीरीज़ में सारा का किरदार निभाने वाली सृष्टि गांगुली रिंदानी ने कहा, सच कहूँ तो जमनापार का हिस्सा बनना मेरे लिए बड़ा रोमांचक अनुभव रहा है। रजत थापर का किरदार निभाने के बारे में अपनी राय जाहिर करते हुए, रघु राम ने कहा, कामयाबी पाने और अपनी पहचान बनाने के सफ़र में हम जिन परेशानियों और चुनौतियों का सामना करते हैं, उसे जमनापार में बखूबी दर्शाया गया है।

सेलेकोर गैजेट्स लिमिटेड के कदम विकास पथ पर कंपनी ने अगले ऑर्बिट तक की यात्रा के लिए खाका तैयार किया

नई दिल्ली, एजेंसी। सेलेकोर गैजेट्स लिमिटेड किफायती इलेक्ट्रॉनिक्स सेक्टर का एक प्रोमिनेन्ट फिगर, महत्वपूर्ण वृद्धि का अनुभव कर रही है क्योंकि यह अपनी पहुंच, डिस्ट्रिब्यूशन चैनल्स और प्रोडक्ट ऑफरिंग का विस्तार कर रही है। इस विस्तार के कारण सेलेकोर ने अपनी पिछली बिक्री के आंकड़ों को पार कर लिया है, जो उसकी मार्केटिंग रणनीति की सफलता को उजागर करता है। कंपनी ने वित्तीय वर्ष 2023-2024 के लिए प्रभावशाली वित्तीय परिणामों की घोषणा की है और 2024-2025 के लिए विकास रणनीतियों की एक विस्तृत रूपरेखा भी पेश की है।

सेलेकोर गैजेट्स लिमिटेड (ष्ठत्तरु) ने कंपनी को अपने महत्वाकांक्षी सेल्स माइलस्टोन की ओर आगे बढ़ाने के लिए अपने स्ट्रेटिजिक ब्लूप्रिंट को प्रकट किया। यह व्यापक योजना विकास को गति देने और मार्केट लीडरशिप तय करने के लिए ऑपरेशंस और मार्केटिंग के विभिन्न पहलुओं को शामिल करती है। कंपनी छह बिज़नेस स्ट्रेटिजीज़ पर खासा फोकस कर रही है। सबसे पहले, मैन्युफैक्चरिंग व्यवस्थाओं को मज़बूत करना जिसमें कुशल प्रोडक्शन प्रॉसेस, सतत प्रोडक्ट क्वॉलिटी और समय पर डिलीवरी सुनिश्चित करने के लिए मैन्युफैक्चरिंग फैसिलिटीज़ के साथ स्ट्रेटिजिक पार्टनरशिप या एग्रीमेंट बनाना शामिल है।

इसमें कुछ मैन्युफैक्चरिंग टास्क को आउटसोर्स करना, ऑटोमेशन और टेक्नोलॉजी में निवेश करना, क्वॉलिटी कंट्रोल प्रोटोकॉल लागू करना और सस्टेनेबल मैन्युफैक्चरिंग प्रैक्टिसेस को प्रोत्साहित करना शामिल है। दूसरी स्ट्रेटजी प्रभावी इन्वेंट्री मैनेजमेंट को शामिल करती है जो कैरीइंग कॉस्ट (वहन लागत) को कम करने, स्टॉक आउट को कम करने और सारी ऑपरेशनल इफिशन्सी में सुधार के लिए महत्वपूर्ण है। सेलेकोर का लक्ष्य इन्वेंट्री मैनेजमेंट सिस्टम्स को लागू करके, सही समय पर इन्वेंट्री प्रैक्टिसेस को अपनाकर और तेजी से ऑर्डर फुलफिलमेंट के लिए वेयरहाउस लेआउट और लॉजिस्टिक्स को अनुकूलित करके इसे हासिल करना है। कंपनी द्वारा उजागर की गई तीसरी स्ट्रेटजी विभिन्न सेल्स चैनल्स पर उत्पाद की उपलब्धता और दृश्यता बढ़ाना है जो ग्राहकों की मांग हासिल करने और बिक्री के अवसरों को अधिकतम करने के लिए आवश्यक है। सेलेकोर ने डिस्ट्रिब्यूशन नेटवर्क का विस्तार करने, रिटेलर्स के साथ संबंधों को मज़बूत करने और ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों तरह से प्रोडक्ट विजिबिलिटी को बढ़ाने के लिए मार्केटिंग इनिशिएटिव लागू करने की योजना बनाई है। मार्केट डायवर्सिफिकेशन के महत्व को समझते हुए, सेलेकोर ने हाई-क्वॉलिटी, इनोवेटिव प्रोडक्ट्स की तलाश करने वाले संपन्न उपभोक्ताओं को पूरा करने के लिए स्ट्रेटिजिकली अपनी उत्पाद श्रृंखला का विस्तार किया है। मज़बूत मार्केट रिसर्च और प्रवृत्ति विश्लेषण के माध्यम से, इवोक एप्लायंसेज को डाइवर्स कस्टमर सेगमेंट की परिष्कृत मांगों को पूरा करने और उनसे आगे निकलने के लिए तैयार किया गया है। इसके डाइवर्स लाइनअप में पोर्टेबल टीवी, लैपटॉप, होम एप्लायंसेज, लार्ज स्मार्ट टीवी, पंखे, गीजर, माइक्रोवेव और स्मार्ट घड़ियाँ शामिल हैं - इनमें से प्रत्येक को लग्ज़री और अत्याधुनिक तकनीक के साथ रोजमर्रा की जिंदगी को बेहतर बनाने के लिए डिज़ाइन किया गया है।

कंपनी नई ऊंचाइयों को छूने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ना चाहती है, यही कारण है कि अपनी ग्रोथ स्ट्रेटजीज़ में केवल यह घोषणा की गई है कि सेलेकोर ब्रांड बिल्डिंग पर अधिक ध्यान केंद्रित करेगा।

एसबीआई म्यूचुअल फंड ने एसबीआई ऑटोमोटिव ऑपर्च्युनिटीज फंड लॉन्च किया

मुंबई, एजेंसी। भारत के सबसे बड़े फंड हाउस, एसबीआई म्यूचुअल फंड ने ऑटोमोटिव और इससे जुड़ी व्यावसायिक गतिविधियों की थीम पर आधारित एक ओपन-एंडेड इक्विटी स्कीम, एसबीआई ऑटोमोटिव ऑपर्च्युनिटीज फंड लॉन्च करने की घोषणा की है। निवेश का उद्देश्य घरेलू और वैश्विक स्तर पर ऑटोमोटिव और इससे जुड़ी व्यावसायिक गतिविधियों में लगी कंपनियों की इक्विटी और इक्विटी से जुड़े उपकरणों में निवेश किए गए पोर्टफोलियो से यूनिट धारकों के लिए दीर्घकालिक पूंजी वृद्धि उत्पन्न करना होगा। हालांकि, इस बात की कोई गारंटी नहीं है कि योजना का निवेश उद्देश्य पूरा होगा। भारतीय ऑटोमोटिव क्षेत्र एक आकर्षक अवसर प्रस्तुत करता है क्योंकि घरेलू मांग और ऑटो निर्यात विकास के चालक रहे हैं। इलेक्ट्रिक मोबिलिटी और लॉजिस्टिक्स और यात्री परिवहन का उदय उद्योग के लिए विभक्ति बिंदु प्रदान करता है। एसबीआई ऑटोमोटिव अवसर निधि उन निवेशकों के लिए एक शानदार अवसर है जो संपूर्ण ऑटोमोटिव पारिस्थितिकी तंत्र के विकास से लाभ उठाना चाहते हैं क्योंकि यह क्षेत्र भारत को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए तैयार है। एसबीआई फंड्स मैनेजमेंट लिमिटेड के डिप्टी एमडी और संयुक्त सीईओ श्री डी पी सिंह ने कहा, मुझे उन निवेशकों को एसबीआई ऑटोमोटिव अवसर निधि प्रस्तुत करते हुए खुशी हो रही है जो अपने पोर्टफोलियो के सैटेलाइट हिस्से में एक विषयगत पेशकश जोड़ने के इच्छुक हैं। भारतीय ऑटोमोटिव उद्योग शीर्ष गियर में चल रहा है क्योंकि हमारा देश वाहनों के उत्पादन और ऑटो निर्यात के मामले में एक ताकत है जबकि हमारा बढ़ता घरेलू बाजार सुरक्षित और प्रीमियम वाहनों की मांग करता है।

आरएमओ संजय राय की लापरवाही पर कारण बताओ नोटिस

जिला चिकित्सालय छिंदवाड़ा में मरीजों के चूहे कुतरने को लेकर प्रबंधन की लापरवाही उजागर

छिंदवाड़ा। शैलेन्द्र सिंह ने जिला चिकित्सालय छिंदवाड़ा में अव्यवस्थाओं एवं मरीजों के साथ निरंतर हो रही घटनाओं में रोक नहीं लगाये जाने के कारण जिला चिकित्सालय के अधीक्षक सह सिविल सर्जन डॉ.महेन्द्र कुमार सोनिया एवं आर.एम.ओ.डॉ.संजय राय के विरूध्द अपने दायित्वों के प्रति लापरवाही करने और वरिष्ठ अधिकारियों के आदेश/निर्देशों की अवहेलना करने और उनका यह कृत्य शासकीय कार्यों के प्रति लापरवाही एवं अनुशासनहीनता का द्योतक होने के कारण मध्यप्रदेश सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण तथा अपील) नियम-1966 के प्रावधानों के अंतर्गत अनुशासनात्मक कार्यवाही करते हुए दो वेतन वृद्धियां रोके जाने के प्रस्ताव वरिष्ठ कार्यालय में प्रेषित करने के संबंध में कारण बताओ नोटिस जारी किये गये हैं। दोनों अधिकारियों को 03 दिवस के अंदर इस संबंध में अपना लिखित उत्तर कलेक्टर कार्यालय में प्रस्तुत करने के निर्देश देते हुये अवगत कराया गया है कि निर्धारित समयावधि के भीतर उत्तर प्राप्त न होने की स्थिति में यह माना जायेगा कि इस संबंध में आपको कुछ नहीं कहना है तथा प्रकरण में एक पक्षीय निर्णय लिया जाकर कार्यवाही प्रस्तावित कर दी जायेगी।

डॉ. राय 2021 से है आरएमओ

कलेक्टर श्री सिंह ने बताया कि डॉ.महेन्द्र कुमार सोनिया वर्ष 2022 से अधीक्षक सह सिविल सर्जन जिला चिकित्सालय छिंदवाड़ा के तथा डॉ.संजय राय वर्ष 2021 से आर.एम.ओ. जिला चिकित्सालय छिंदवाड़ा के प्रभार में है। जिला चिकित्सालय में उपचार के लिये आने वाले मरीजों एवं अस्पताल में भर्ती मरीजों का समय पर समुचित उपचार प्राप्त हो एवं पूरे जिला चिकित्सालय की बेहतर प्रबंधकीय एवं साफ-सफाई की व्यवस्था के लिए सक्षम अधिकारी है जिले में निरंतर खराब स्वास्थ्य व्यवस्था को लेकर जिला प्रशासन की छवि धूमिल हो रही है। इसी संबंध में विगत दिनों जिला अस्पताल में मरीजों के चूहों ने पैर कुतर दिये थे इस लापरवाही के आधार पर 17 को अपर कलेक्टर छिंदवाड़ा द्वारा निरीक्षण के उपरांत अपने जाँच प्रतिवेदन के माध्यम से अवगत कराया गया है कि निरीक्षण के दौरान जिला चिकित्सालय के प्रथम तल पर स्थित आईसीयू सेक्शन के पास स्थित दो कक्ष के भर्ती मरीजों ने बताया कि उनके कक्ष में कभी-कभी छोटे-छोटे चूहे आ जाते हैं, ये चूहे खिड़की से खुली जाली से अंदर आते हैं और बाहर भाग जाते हैं, किंतु कभी भी ये चूहे किसी को नुकसान नहीं पहुंचाते हैं। प्रतिवेदन में यह भी अवगत कराया गया है कि अस्पताल के बाहर साफ-सफाई का अभाव है और मरीजों एवं उनके परिजनों द्वारा खाद्य सामग्री यहां-वहां फेंक दी जाती है, जिसका प्रबंधन द्वारा त्वरित निस्तारण नहीं किया जाता है। इस कारण से बाहर के चूहे आकर्षित होकर खुले छेदों एवं जालियों से प्रवेश कर जाते हैं। चूहों का प्रवेश अधिकांश भूतल एवं प्रथम तल में ही पाया जाता है, इसलिये भूतल व प्रथम तल पर चूहों के प्रवेश नहीं करने के लिये सुरक्षात्मक, साफ-सफाई व जाली आदि की पूर्ण व्यवस्था कराये जाने का लेख किया गया है।

व्यवस्था सुधारने कई बार दिये निर्देश, नहीं सुधरी

कलेक्टर श्री सिंह ने बताया कि मेरे द्वारा भी इसके पूर्व जिला चिकित्सालय छिंदवाड़ा का स्वयं निरीक्षण किया गया एवं पाई गई अव्यवस्थाओं को सुधारने व मरीजों को समय पर समुचित उपचार दिए जाने तथा अस्पताल के बेहतर प्रबंधन के निर्देश दिए गये। इसके बावजूद अस्पताल की प्रबंधकीय व्यवस्था में किसी प्रकार का सुधार नहीं आया है। डॉक्टरों की लापरवाही से मृत परिजनों, जनप्रतिनिधियों आदि के द्वारा विगत दिनों धरना आंदोलन भी किए गये हैं। जिला चिकित्सालय छिंदवाड़ा में अधीक्षक सह सिविल सर्जन एवं आर.एम.ओ. जैसे पद पर पदस्थ होने के बावजूद इस प्रकार जिला चिकित्सालय प्रबंधन की लापरवाही की शिकायतें व खराब स्वास्थ्य व्यवस्था पर एवं अस्पताल की नियमित साफ-सफाई पर आपका नियंत्रण नहीं होना इन अधिकारियों द्वारा शासकीय कार्यों के प्रति घोर लापरवाही का प्रतीक है।

आज आयेंगे सांसद नकुलनाथ

छिंदवाड़ा। जिले के युवा सांसद नकुलनाथ का तीन दिवसीय प्रवास पर छिन्दवाड़ा आगमन होने जा रहा है। दिनांक 18 मई से 20 मई तक सांसद छिन्दवाड़ा प्रवास पर रहेंगे, इस दौरान वे विभिन्न सामाजिक आयोजनों में सम्मिलित होने के साथ ही जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा निर्धारित कार्यक्रमों में शामिल होंगे। सांसद कार्यालय द्वारा प्रदत्त जानकारी के अनुसार सांसद श्री नकुलनाथ का दिनांक 18 मई को प्रातः 10 बजे विशेष वायुयान से ईमलीखेड़ा हवाई पट्टी पर आगमन होगा तदोपरांत वे लोनिया करबल निवासी अमर शहीद श्री विक्री पहाडे के निवास पहुंचकर शोकाकुल परिवारजनों से भेंट करेंगे तदोपरांत सांसद श्री नाथ का शिकारपुर आगमन होगा। दोपहर 1 बजे सांसद का रांगरी साथ आगमन होगा जहां वे पूर्व विधायक स्व. श्री विट्ठल महाले के निवास पहुंचकर आयोजित कार्यक्रम में सम्मिलित होंगे। तदोपरांत वे जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा निर्धारित कार्यक्रमों में सम्मिलित होंगे। दिनांक 19 मई को अपने पूर्व निर्धारित दौरा कार्यक्रम के अनुसार सांसद श्री नकुलनाथ रानी की कोठी में आयोजित बैठक में सम्मिलित होंगे तदोपरांत उनका शिकारपुर आगमन होगा। दिनांक 20 मई को सांसद श्री नकुलनाथ छिन्दवाड़ा से दिल्ली के लिये प्रस्थान करेंगे।

डी.एल.एड. पाठ्यक्रम के लिये प्रवेश प्रक्रिया प्रारंभ

छिन्दवाड़ा। प्रदेश के समस्त जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान तथा अशासकीय महाविद्यालयों में डीएलएड पाठ्यक्रम में शिक्षण सत्र 2024-25 के लिये पंजीयन की प्रक्रिया 13 मई, 2024 से एम पी ऑनलाईन के माध्यम से शुरू कर दी गई है। उक्त संस्थानों में प्रवेश के इच्छुक अभ्यर्थी राज्य शिक्षा केन्द्र भोपाल की वेबसाइट ढ्ढह्लह्लश्च://ह्यह्यद्ग.द्वश्चह्वड्डह्लद्ग.द्दश1.द्बठ्ठ पर जाकर प्रवेश संबंधी समस्त जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। इसके बाद वे अपना ऑनलाइन पंजीयन कर सकते है। प्रथम चरण के पंजीयन की अंतिम तिथि 26 मई 2024 निर्धारित की गई है।

खाटू श्याम कीर्तन में झूमे भक्त

छिंदवाड़ा। श्री श्याम परिवार चंदनगाव के तत्वाधान में होने जा रहे खाटू श्याम कीर्तन एक अर्जी मेरे श्याम से भव्य संगीतमय कीर्तन जो शाम को 6 बजे से हुआ जिसमें मध्यप्रदेश मंदसौर से सुप्रसिद्ध भजन गायका अधिष्ठा और अनुष्का भटनागर एवं राजस्थान से तनुश्री वैष्णव के द्वारा आज सुप्रसिद्ध भजन जैसे सजरी की पगड़ी बंधे सुंदर आंखों वाला और दीवाने मुझे ले चल खाटू धाम साथी हमारा कौन सुनेगा तुम न सुनोगे तो कौन सुनेगा जैसे अनक सुप्रसिद्ध भजनों की प्रस्तुति दी। श्री गणेश जी एवं दिव्य दरबार में खाटू श्याम जी का अलौकिक श्रृंगार के दर्शन कर पूजन अर्चन कर कार्यक्रम शुरू हुआ जिसमे आकर्षक लाइट और साउंड भी भक्तों के लिए आकर्षण का केंद्र बना एवं कार्यक्रम में श्याम रसोई जिसमे भक्तो ने महाप्रसाद प्राप्त किया साथ ही सभी की बैठने की उत्तम व्यवस्था समिति द्वारा की गई थी कार्यक्रम के आयोजक करने वाला श्याम करवाने वाला श्याम थे अधिक से अधिक संख्या में भक्तों ने उपस्थित होकर पुण्य लाभ अर्जित किया।

आज होगा संस्कार शिक्षण शिविर का भव्य शुभारंभ

अमरवाड़ा। तरण तरण दिगंबर जैन समाज अमरवाड़ा के तत्वाधान में अध्यात्म रत्न बाल ब्रह्मचारी इतिहास रत्नाकर पूज्य बसंत जी महाराज के सानिध्य में तत्वज्ञान संस्कार शिक्षण शिविर का भव्य शुभारंभ शनिवार को सुबह 8.15 बजे श्री तारण तरण दिगंबर जैन चैत्यालय जी में होना सुनिश्चित किया गया है। तारण तरण जैन समाज के अध्यक्ष अमित जैन ने बताया है कि शिविर के प्रथम चरण में प्रतिदिन सुबह 8.15 बजे प्रार्थना से शिविर प्रारंभ होगाइय प्रतिदिन 6 कक्षाएं निर्धारित की गई है, जिसमें दो-दो पीरियड निर्धारित किए गए हैं द्य प्रथम वर्ग में 15 वर्ष से 30 वर्ष से ऊपर तक के नवयुवक, नव युवती, महिलाएं एवं पुरुष वर्ग सम्मिलित होंगे जिनकी प्रथम कक्षा 8.30 से 10.30 तक एवं रात्रि में 8.30 से 10.00 बजे तक आयोजित होगी इसी प्रकार बच्चों, भाइयों,बहनों के लिए तीन वर्ग, प्रथम वर्ग में कक्षा द्य से कक्षा 2, द्वितीय वर्ग में कक्षा 3 से कक्षा 6, तृतीयवर्ग कक्षा 7 से 10 छात्र छात्राें काआयोजित होगा द्य/सुबह होने वाली शिविर में मध्यांतर पर शिक्षार्थियों के लिए प्रतिदिन समाज के चिन्हित परिवारों के द्वारा स्वल्पाहार कराया जावेगा।

आई.टी.आई में प्रवेश के लिए 20 तक रजिस्ट्रेशन

छिन्दवाड़ा। शासकीय आदिवासी महिला औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था के प्राचार्य ने बताया कि संस्था में प्रवेश सत्र 2024 में प्रवेश के लिये ऑनलाईन रजिस्ट्रेशन का कार्य 01 मई 2024 से प्रारंभ हो चुका है, जिसमें 20 मई 2024 तक डी.एस.डी. पोर्टल (dsd.mp.gov.in) पर ऑनलाईन रजिस्ट्रेशन किये जा सकते हैं। इसके बाद पोर्टल पर ही समय-समय पर त्रुटी सुधार, च्वाईस फिलिंग, चयन सूची का प्रकाशन तथा प्रवेश दिनांक इत्यादि के संबंध में सूचना जारी की जायेगी। अधिक जानकारी के लिये प्रवेश प्रभारी के मोबाईल नम्बर-7354292696 पर संपर्क किया जा सकता है।

शुक्रवारी बाजार में सामान जब्त

छिंदवाड़ा। नगर निगम के अमले द्वारा प्रेस काम्पलेक्स के आस पास लगी शुक्रवारी बाजार की दुकानें जो सडक पर लगी थी उन पर चालानी कार्यवाही करने के आदेश दिये गये वहीं व्यापारियों द्वारा लगाये गये सडक पर सामान को जब्त करने की कार्यवाही अमले द्वारा की गई वहीं काम्पलेक्स के व्यापारियों को हिदायत दी गई की यदि उनके द्वारा उन्हें दुकान लगाने जगह दी गई तो उन पर 2 हजार रूपये की चालानी कार्यवाही की जावेगी।

दुकानदारों द्वारा गुमास्ता का उल्लंघन

हफ्ते के 7 दिनों में एक दिन शुक्रवार को दुकान बंद रखने का नियम है वहीं व्यापारियों द्वारा दुकान बंद नहीं करके गुमास्ता का खुलेआम उल्लंघन किया जा रहा है वहीं इन्हीं व्यापारियों द्वारा इन शुक्रवारी बाजार में दुकान लगाने वालों व्यापारियों को अपने सामने के दुकान की जगह का किराया वसूला जाता है। गुमास्ता के नियमों का खुले आम उल्लंघन हो रहा है श्रम विभाग के अधिकारी सोये हुए है। प्रशासन को चाहिए कि एक दिन दुकान बंद करवाकर श्रम के नियमों का पालन होना चाहिए।

बहती नदी में उतारी मशीनें, प्रतिबंधित बफर जोन में अवैध उत्खनन

प्रशासन नेता और माफियाओं की मिलीभगत से छलनी कर रहे नदियां

सौंसर। प्रशासन, नेता और रेत माफियाओं की मिली भगत का उदाहरण आपको जिले की बहती नदियों में दिखाई दिया। सौंसर में रेत माफिया ने बहती नदियों में मशीनें उतारकर रेत निकाल रहे है। चौरई में तो प्रतिबंधित क्षेत्र होने के बावजूद यहां रेत माफिया बफर जोन में अवैध उत्खनन कर रहे है। सौंसर में खुलेआम विरोध और चौरई में अवैध उत्खनन की शिकायत एनजीटी तक से हो चुकी है, लेकिन खनिज, राजस्व से लेकर प्रशासन के अलावा अधिकारियों को भी इन शिकायतों की परवाह नहीं है।

जिले के रेत माफियाओं को प्रशासन ने खुली छूट दे रखी है। सौंसर रेत माफियाओं का गढ़ बन गया है। यहां तो प्रशासन की लापरवाही और मिली भगत साफ-साफ दिखाई दे रही है। बहती नदी में 24 घंटे पोकलेन मशीनों से रेत निकाली जा रही है। चौरई बफर जोन जो वन्य प्राणियों के मुवमेन्ट के चलते प्रतिबंधित क्षेत्र भी है, लेकिन यहां से भी रेत माफियाओं को प्रशासनिक अमले् पर हावी है। प्रतिबंधित क्षेत्र से रोजाना रेत सैकड़ों डंपर रेत का अवैध कारोबार रेत का अवैध कारोबार होता है। प्रशासन के संरक्षण में जारी इस अवैध कारोबार में खनिज विभाग की भी खुली छूट है। नेताओं के संरक्षण और अफसरों की छूट से रेत का अवैध काराबारियों को प्रशासन का भी डर नहीं बचा है।

सौंसर में रोज हो रहा विरोध

सौंसर में रोजाना विरोध प्रदर्शन हो रहा है। यहां ग्रामीण ही अवैध उत्खनन की शिकायत लेकर अधिकारियों के पास पहुंच रहे है। रोजाना घरों के सामने से होने वाली डंपरो की धमाचौकड़ियों से ग्रामीण भी त्रस्त हो गए है, लेकिन अफसरों को शिकायत के बाद भी एक कार्रवाई अब तक नहीं हुई है।

चौरई की शिकायत एनजीटी से

चौरई के बफर जोन में जारी अवैध उत्खनन की शिकायत पर एनजीटी के अफसरों तक से हो चुकी है। यहां जब्त रेत चोरी का मामला भी पिछले कुछ दिनों से सामने आया था, लेकिन इसके बाद भी सुस्त, अफसरों के कारण कोई कार्रवाई अब तक नहीं की गई है। यहां रेत माफियाओं के सामने अफसर भी नतमस्तक है।

सालों से नहीं हुआ सीमांकन

खनिज विभाग में अफसरों के तबादलले के बाद से रेत माफिया हावी है। सालों से पांढुणा और छिंदवाड़ा जिले में संचालित रेत खदानों का सीमांकन नहीं किया गया। रेत माफिया जहां मर्जी चाहे वहां से अवैध रेत निकाल रहे है। सालों से खनिज विभाग ये तय नहीं कर पाया है कि रेत खदानों की सीमाएं कहां तक निर्धारित है।

घरेलू गैस उपभोक्ता ई केवायसी करायें

छिन्दवाड़ा। भारत सरकार के पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय के निर्देशानुसार सभी ऑयल कंपनियों के सभी सामान्य एवं प्रधानमंत्री उज्जवला योजना के अंतर्गत घरेलू गैस सिलेण्डर उपयोग करने वाले उपभोक्ताओं के ईकेवायसी कराये जाना अनिवार्य किया गया है, जिसकी अंतिम तिथि 30 जून 2024 नियत की गई है। जिले में संचालित भारत पेट्रोलियम लिमिटेड, इंडियन ऑयल कार्पोरेशन लिमिटेड एवं हिन्दुस्तान पेट्रोलियम लिमिटेड के अंतर्गत संचालित गैस एजेंसियों को निर्देशित किया गया है कि अपने-अपने गैस एजेंसी में पंजीकृत उपभोक्ताओं के अनिवार्य रूप से ईकेवायसी कराई जाये। जिला आपूर्ति अधिकारी ने बताया कि गैस एजेंसियों में उपभोक्ताओं को प्रदाय किये जाने वाले वाहनों के माध्यम से अनिवार्य रूप लाउडस्पीकर से आम जनता व घरेलू गैस उपभोक्ताओं को ईकेवायसी कराई जाने की जानकारी देने के लिये निर्देशित किया गया है। उन्होंने जिले के अंतर्गत सभी घरेलू गैस उपभोक्ताओं से अपील करते हुये कहा है कि वे अपनी गैस एजेंसी में आधार संबंधित दस्तावेज सहित उपस्थित होकर अनिवार्य रूप से अपना ईकेवायसी करायें। ईकेवायसी नहीं कराये जाने की स्थिति में सब्सिडी एवं अन्य लाभ से वंचित हो सकते है।

जल जीवन मिशन के ठेकेदार को ठेका रद्द करने का नोटिस

848 करोड रूपये का है ठेका, अहमदाबाद का है ठेकेदार

छिंदवाड़ा। कलेक्टर एवं अध्यक्ष जिला जल एवं स्वच्छता मिशन शीलेन्द्र सिंह की अध्यक्षता में आज कलेक्टर कार्यालय के सभाकक्ष में जिला जल एवं स्वच्छता मिशन की बैठक संपन्न हुई। बैठक में लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग और मध्यप्रदेश जल निगम द्वारा जिले में संचालित जल जीवन मिशन एवं समूह जल प्रदाय योजनाओं के अंतर्गत निर्माणाधीन कार्यों की विस्तृत समीक्षा की गई तथा अपेक्षित प्रगति और कार्य की गुणवत्ता के संबंध में आवश्यक दिशा निर्देश दिए। बैठक में पूर्व में स्वीकृत एकल ग्राम योजनाएं जिनकी लागत क्रियान्वयन के दौरान वृध्दि होने के कारण पुनरीक्षित प्रशासकीय स्वीकृति के लिये प्रेषित की जाना है, उनके अनुमोदन के लिए चर्चा की गई। बैठक में अन्य एजेन्डा बिंदुओं के अंतर्गत नागरिकों को फ्लोराइड मुक्त जल प्रदाय करने और राष्ट्रीय फ्लोरोसिस निवारण एवं नियंत्रण कार्यक्रम के संबंध में परिचर्चा का आयोजन भी किया गया।

जल निगम के कार्यों की समीक्षा- बैठक में बताया गया कि एम.पी.जल निगम के अंतर्गत जिले में दो समूह जल प्रदाय योजना स्वीकृत हैं। जिनमें से एक 5489 लाख रुपए लागत की मोहखेड़ ग्रामीण समूह जल प्रदाय योजना पूरी हो चुकी है और उसका विधिवत संचालन-संधारण किया जा रहा है। इस योजना से मोहखेड़विकासखंड के 30 हर घर जल ग्राम और उनकी 46571 की जनसंख्या लाभान्वित हो रही है। दूसरी 84829 लाख रुपए लागत की माचागोरा ग्रामीण समूह जलप्रदाय योजना है जो अभी प्रगतिरत है, मार्च 2023 में कार्य प्रारंभ हुआ है। इसकी पूर्णता तिथि मार्च 2025 निर्धारित की गई है और इससे विकासखंड मोहखेड़, छिंदवाड़ा, अमरवाड़ा, चौरई, बिछुआ, जामई एवं परासिया के 722 ग्राम सम्मिलित किए गए हैं। कलेक्टर श्री सिंह ने आधा समय बीत जाने के बाद भी योजना में केवल 26 प्रतिशत काम पूर्ण होने पर कड़ी नाराजगी व्यक्त की और ठेकेदार मेसर्स एल.सी.इंफ्रा प्रो.प्रा.लि. अहमदाबाद को टर्मिनेशन के लिए नोटिस जारी करने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि इंजीनियर्स अपना एटीट्यूड बदलें और जिले में गति और गुणवत्ता के साथ काम समय पर पूर्ण कराएं। आपकी हीलाहवाली के कारण आमजन को परेशानी उठानी पड़ती है। जल निगम के अंतर्गत जिले में प्रस्तावित योजनाओं की जानकारी भी दी गई। कलेक्टर ने जल निगम की समूह प्रदाय योजनाओं में जिले के उन सभी शहरी क्षेत्रों को भी शामिल करने के निर्देश दिए हैं, जहां पानी की समस्या अक्सर रहती है। बैठक में जिला जल एवं स्वच्छता मिशन के उपाध्यक्ष एवं सीईओ जिला पंचायत श्री पार्थ जैसवाल, कार्यपालन यंत्री एवं जिला जल एवं स्वच्छता मिशन के सदस्य सचिव आर.जी.सूर्यवंशी सहित मिशन के सदस्यों सहित अधिकारी उपस्थित थे।

10 वाहनों से वसूला 36 हजार का जुर्माना

परिवहन विभाग के जांच दल द्वारा परासिया-शिवपुरी मार्ग में की गई वाहनों की सघन जाँच

छिन्दवाड़ा। कलेक्टर शीलेन्द्र सिंह द्वारा दिये गये निर्देशों के परिपालन में परिवहन विभाग के जांच दल द्वारा आज परासिया-शिवपुरी मार्ग में सभी वाहनों की बारीकी से जांच की गई। जिसमें सवारी बसों, ऑटो रिक्शा व सभी प्रकार के यात्री वाहनों सहित अन्य सभी छोटे-बड़े वाहनों के सभी दस्तावेजों जैसे वाहनों के परमिट, फिटनेस, बीमा, प्रदूषण प्रमाण पत्र, वैध लाइसेंस आदि की जाँच की गई। साथ ही जाँच के दौरान वाहनों में सुरक्षा संबंधी उपकरण जैसे अग्नि शमन यंत्र, फर्स्ट एड बॉक्सि, आपातकालीन द्वार आदि की जांच भी की गई। जिन वाहनों में कमियां पाई गई ऐसे वाहनों पर चालानी कार्यवाही की गई।

अतिरिक्त क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी मनोज तेहनगुरिया ने बताया कि परासिया-शिवपुरी मार्ग में वाहनों की चैकिंग की जानकारी मिलने पर वाहन चालकों में हड़कंप मच गया और उन्होंने अपने रास्ते को बदल लिया। मोटरयान अधिनियम का उल्लंघन करने पर 10 वाहनों से 36 हजार रूपये का जुर्माना लिया गया। वर्तमान में उच्च न्यायालय जबलपुर के आदेशानुसार हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट के संबंध में भी जांच की जा रही है, जिसमें हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट या हेलमेट, सीट बेल्ट नहीं लगाने पर 6 वाहनों पर 3000 रूपये की चालानी कार्यवाही की गई। उन्होंने बताया कि वाहन संचालकों को समय-समय पर मीटिंग लेकर समझाइश दी जा रही है कि मोटरयान अधिनियम 1988 के प्रावधानों का उल्लंघन पाये जाने पर विधि अनुसार कठोर कार्यवाही की जायेगी तथा यात्री बसों के संबंध में उन पर आच्छादित अनुज्ञा पत्र को निरस्त करने की कार्यवाही की जायेगी। सभी वाहन स्वामियों को हिदायत दी है कि वे सभी अपने-अपने वाहनों पर हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट अतिशीघ्र लगवा लें और मोटरयान अधिनियम 1988 के सभी प्रावधानों का पालन करें।

कलेक्टर ने ईव्हीएम स्ट्रांग रूम का किया निरीक्षण

छिन्दवाड़ा। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी शीलेन्द्र सिंह द्वारा आज शासकीय पी.जी.कॉलेज छिन्दवाड़ा में बनाये गये ईव्हीएम स्ट्रांग रूम व सी.सी.टी.व्ही. टीवी निगरानी कक्ष का निरीक्षण किया गया। इस दौरान अपर कलेक्टर एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी के.सी.बोपचे, संयुक्त कलेक्टर श्रीमती ज्योति ठाकुर भी साथ में थीं। उल्लेखनीय है कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा दिये गये निर्देशानुसार ईव्हीएम स्ट्रांग रूम व सुरक्षा के लिये तीन लेयर सुरक्षा की व्यवस्था की गई है। प्रथम लेयर की सुरक्षा में जिला पुलिस फोर्स, द्वितीय लेयर सुरक्षा में स्टेट आर्म्ड फोर्स और तृतीय लेयर की सुरक्षा में पैरामिलिट्री फोर्स के जवान तैनात किये गये हैं। साथ ही सीसीटीव्ही कैमरे से 24 घंटे निगरानी की जा रही है।

तत्कालीन विशप सहित पांच के खिलाफ जबलपुर ईओडब्ल्यू ने दर्ज किया प्रकरण

जमीन का फर्जीवाड़ा..... कौड़ियों के दाम बेच दी करोड़ों की जमीन

छिंदवाडा, अमरवाड़ा और सागर में किया जमीन घोटाला, फर्म एवं सोसायटी की अनुमति लिए बगैर बेची जमीन

छिंदवाडाः लंबी जांच के बाद जबलपुर ईओडब्ल्यू ने करोड़ों की जमीन कौड़ियों के दाम बेचने पर तत्कालीन विशप सहित पांच के खिलाफ अपराध पंजीबद्ध किया है। जबलपुर फर्म एवं सोसायटी की अनुमति लिए बगैर आरापियों ने करोड़ों की जमीन की बिक्री कर दी। मामला कायम होने के बाद आरोपियों को कभी भी हिरासत में लिया जा सकता है। आरोपियों ने ये जमीन फर्जीवाड़ा छिंदवाड़ा, सागर और अमरवाड़ा में अंजाम दिया है।

इंवेजेलिकल लूथरन चर्च की बेशकीमती जमीन बेचने की शिकायत पिछले दिनों ईओडब्ल्यू में की गई थी। शिकायत के बाद चली आ रही लंबी जांच के बाद आखिरकार बुधवार को आरापियों के खिलाफ ईओडब्ल्यू ने अलग- अलग धाराओं के तहत मामला कायम किया है। ईओडब्ल्यू ने जमीन फर्जीवाड़ा में तत्कालीन विशप इमानुअल पंचु, गवर्निंग बॉडी सदस्य अनिल मैथ्यूज, आर्चडीकन विशप अलिन मार्टिन, सचिव नितिन सहाय, कमलकांत राठी और चर्च के हेड ट्रेजरर अशोक चौकसे के खिलाफ अपराध पंजीबद्ध किया। नियम विरूद्ध जमीन बेचने पर आरोपियों ने शासन को करोड़ों को राजस्व क्षति पहुंचाई है। जिसमें आरोपियों के खिलाफ पहले हिरासत फिर रिकवरी की कार्रवाई हो सकती है।

कहां-कहां किया जमीन फर्जीवाड़ा

1. सागर के खुरई में तात्कालीन बिशप ने 6 हजार वर्गफीट की जमीन बेची। जिसकी कीमत 14 लाख रूपये रूपये थी, लेकिन 12 लाख रूपये में राकेश राय नामक व्यक्ति को बेचा गया। बिशप ने अपनी पॉवर ऑफ अटार्नी अनिल मैथ्यूज और अलिन मार्टिन के नाम करके ये गड़बड़ी की है।

2. अमरवाड़ा में भी वर्ष 2015 में 2800 वर्गफीट जमीन जिसकी कीमत 41 लाख 65 हजार रूपये थी। उसे महज पांच लाख रूपये में बेच दिया गया। इसमें भी फर्म एवं सोसायटी की कोई अनुमति हासिल नहीं की गई थी।

3. जमीन फर्जीवाड़ा का तीसरा मामला भी अमरवाड़ा का ही है। यहां की 1600 वर्गफीट जमीन साल 2018 में महल 2 लाख 10 हजार में बिक्री कर दी गई। जबकि जमीन की कीमत इससे कही ज्यादा थी।

4. आरोपियों ने जमीन की चौथी गडबडी को छिंदवाड़ा में अंजाम दिया। यहां पर नागपुर रोड स्थित फारेस्ट नाके के पास की 1200 वर्गफीट जमीन 2007 में रजिस्ट्री अशोक चौकसे के नाम की गई। कमलकांत राठी ने फर्जी दस्तावेज के जरिए ये जमीन 6 लाख 16 हजार रूपये में अशोक चौकसे को बिक्री की है।

कुल घोटाला कितने का

ईओडब्ल्यू के मुताबिक जमीन से जुडा ये घोटाला तकरीबन 1 करोड 11 लाख 95 हजार रूपये का है। जमीन के मूल्य का आंकलन कलेक्टर गाइडलाइन की मुताबिक किया गया है। जमीन की वर्तमान लोकेशन के मुताबिक इन भूखंडो की कीमत इससे ज्यादा है।

नियम क्या थे..........

सरकारी दस्तावेजों में सभी जमीन इवेंजेलिकल लूथरन चर्च के नाम पर दर्ज है। इन जमीनों की बिक्री के पह ले फर्म एवं सोसायटी जबलपुर की अनुमति लेना अनिवार्य होता है, लेकिन सभी छह आरोपियों ने नियमों को दरकिनार कर फर्जी दस्तावेज और पॉवर ऑफ अटार्नी के आधार पर जमीन फर्जीवाडे को अंजाम दिया।

इनका कहना है.....

तात्कालीन बिशप इमानुअल पंचू सहित पांच आरोपियों के खिलाफ अपराध पंजीबद्ध किया गया है। इन्होंने अपराधिक षडयंत्र रचाते हुए फर्जी दस्तावेज बनाए। सभी आरोपियों के खिलाफ मामला कायम करने के बाद जांच शुरू कर दी है।

बुजुर्ग की हत्या के आरोपियो को किया गिरफ्तार

अमरवाड़ा। ग्राम सुखारी कला में मृतक विस्तु वर्मा की मृत्यु की मर्ग सूचना प्राप्त होने पर सूचना को गंभीरता से लेते हुए निरी राजेन्द्र धुर्वे थाना प्रभारी अमरवाड़ा घटना से वरिष्ठ अधिकारियो को अवगत कराया गया (

खाद्य सामग्री का उठाव तत्काल उठायें : कलेक्टर

छिन्दवाड़ा। कलेक्टर शीलेन्द्र सिंह की अध्यक्षता में आज कलेक्टर कार्यालय के मिनी संवाद कक्ष में मुख्यमंत्री युवा अन्नदूत योजना के अंतर्गत परिवहनकर्ताओं एवं वाहन संचालकों द्वारा सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत खाद्य सामग्री उठाव एवं प्रदाय की समीक्षा बैठक संपन्न हुई। बैठक में कलेक्टर श्री सिंह ने परिवहनकर्ताओं को निर्देश दिये कि माह मई 2024 के लिये आवंटित खाद्य सामग्री का उठाव कर 20 मई तक सभी उचित मूल्य दुकानों पर पंहुचाना सुनिश्चित करें। इसी प्रकार माह जून 2024 के लिये आवंटित खाद्य सामग्री का अग्रिम रूप से उठाव तत्काल प्रारंभ करें एवं 31 मई 2024 तक उचित मूल्य दुकानों को प्रदाय करना सुनिश्चित करें। इसके लिये कलेक्टर श्री सिंह ने यह भी निर्देश दिए कि वेयर हाउस एवं नान प्रदाय केन्द्रों को प्रतिदिन जल्दी खोलकर, कार्य समाप्ति तक खुले रखे जाकर खाद्य सामग्री का प्रदाय कार्य करें। जिला प्रबंधक नान प्रदाय केन्द्रों पर पर्याप्त संख्या में हम्मालों की व्यवस्था करें तथा गोदाम पर डिलीवरी प्वाईंट बढ़ाये जायें। इस दौरान परिवहनकर्ताओं द्वारा समय पर आवंटन प्राप्त न होने तथा ऑफलाईन भुगतान समय पर प्राप्त नहीं होने के संबंध में अवगत कराया गया। इस संबंध में जिला प्रबंधक नान को कलेक्टर श्री सिंह द्वारा निर्देशित किया गया कि परिवहनकर्ताओं का ऑफलाईन भुगतान आगामी 3 दिवस में करके अवगत करायें। परिवहनकर्ताओं द्वारा यह भी अवगत कराया गया कि नवीन प्रदाय केन्द्र जुन्नारदेव पर परासिया क्षेत्र की कुछ उचित मूल्य दुकानें प्रदर्शित नहीं हो रही है, जिसके कारण आवंटन का उठाव करने में समस्या आ रही है। इस तकनीकी समस्या को उच्च स्तर से हल करवाने जिला आपूर्ति अधिकारी को निर्देशित किया गया।

जीवन के लेखा-जोखा को शीट के माध्यम से जानकर जिंदगी में आनंद लाएं

प्रशिक्षु पटवारीगणों के लिए आनंद विभाग द्वारा अल्पविराम कार्यशाला की गई आयोजित

छिन्दवाड़ा। जीवन में वास्तविक आनंद को प्राप्त करने तथा अपनी कार्यशैली में बदलाव लाने के लिए राज्य आनंद संस्थान भोपाल द्वारा विभिन्न शासकीय अमलों के साथ अल्पविराम परिचय कार्यशालाओं का आयोजन किया जा रहा है। इसी तारतम्य में कलेक्टर श्री शीलेन्द्र सिंह के निर्देशन व नोडल अधिकारी एवं अपर कलेक्टर श्री के.सी.बोपचे के मार्गदर्शन में अल्पविराम परिचय कार्यक्रम का आयोजन प्रशिक्षु पटवारीगणों के लिए गत दिवस शासकीय विधि महाविद्यालय छिन्दवाड़ा में किया गया, जिसमें मास्टर ट्रेनर अनिल कांबले द्वारा आनंद की यात्रा में सम्मिलित होकर हम जीवन में वास्तविक आनंद की अनुभूति प्राप्त करने के लिए हमारे जीवन की जो चिंताएं हमारे प्रभाव के दायरे में हो केवल उन्हीं पर फोकस करें तो उचित होगा, जिससे व्यक्ति सृजनात्मक विकास की ओर अग्रसर होता है। जीवन के लेखा-जोखा को शीट के माध्यम से जानकर जिंदगी में आनंद को कैसे बढ़ाया जा सकता है इससे अवगत होकर प्रतिभागियों ने इस पहल को जीवन की सार्थकता को स्पष्ट करने के लिये उचित कदम बतलाया। मास्टर ट्रेनर कैलाश सोनेवार ने भी अल्पविराम से हुए अपनी लाइफ के परिवर्तनों को प्रतिभागियों के समक्ष शेयर किया। कार्यशाला में राज्य स्तरीय मास्टर ट्रेनर श्रीमती साक्षी सहारे, पटवारी प्रशिक्षण केन्द्र के प्रभारी सहायक अधीक्षक भू-अभिलेख सी.एस. धुर्वे एवं बंदोबस्त शाखा, आनंदम सहयोगी लेखाधिकारी श्री नवीन साहू, आयुष विभाग के डॉ.नितिन टेकरे एवं प्रशिक्षु पटवारी प्रतिभागियों का सराहनीय योगदान रहा।

श्री राम महायज्ञ एंव महा रासलीला महा महोत्सव को लेकर बैठक सम्पन्न

भोपाल। रामानन्द आश्रम गुफा मंदिर के संस्थापक श्री मंहत स्वामी नारायण दास त्यागी जी की पुण्य स्मृति में दिनांक 12 जून से 16 जून 2024 तक पंच दिवसीय श्रीराम महायज्ञ एंव वृंदावन की रासलीला का आयोजन निश्चित किया गुफा मंदिर के श्री मंहत रामप्रवेश दास जी महाराज के द्वारा परम सानिध्य महामंडलेश्वर डाकौर मंगल पीठाधीश्वर श्री श्री 1008 श्री माध्वाचार्य जी महाराज का मंगल आगमन होगा।

इस उपलक्ष्य में आज गुफा मंदिर धाम में श्री मंहत रामप्रवेश दास जी महाराज के सानिध्य में बैठक आयोजित हुई। बैठक में निम्म बिंदिओ पर विचार विमर्श हुआ कि महायज्ञ बैठने वाले मुख्य यजमान और यज्ञशाला निर्माण, शोभायात्रा तथा यज्ञ में आने वाले महामंडलेश्वर मंहतों संतों की व्यवस्था के सम्बन्ध चर्चा हुई आज बैठक मे महापौर मालती राय, निगम अध्यक्ष किशन सूर्यवंशी,पूर्व केंद्रीय मंत्री सुरेश पचौरी, आलोक शर्मा, अरुण श्रीवास्तव, पं विष्णु राजौरिया, पं रमेश प्रसाद त्रिपाठी, कैलाश मिश्रा, श्याम मनोहर अग्रवाल, राधेश्याम पाटीदार, गोपाल गोदानी, श्यामवीर शर्मा, मनोज शर्मा, कृष्ण कुमार दुबे, पं लेखराज शर्मा आदि गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

गुरूमत कैंप का आयोजन

गुरूद्वारा गुरु नानक दरबार पिपलानी पर छह दिवसीय गुरमत कैंप का आयोजन किया जा रहा है गुरुद्वारा गुरु नानक दरबार पिपलानी के प्रधान गुरुकीरत सिंह सचदेवा ने बताया कि बच्चों में गुरु सिखी के प्रति जानकारी, संस्कार देने के लिए इस कैंप का आयोजन किया जा रहा है गुरूद्वारा प्रबंधन समिति के सचिव कुलजीत सिंह ने कहा कि इस गुरमत कैंप में 120 बच्चे भाग ले रहे हैं , जो साकेत नगर और भेल क्षेत्र एरिया से है इनको सुबह 7.30 बजे से 1ः00 बजे तक शिक्षा दी जा रही है जिसमें पगड़ी बांधना गुरमुखी अध्ययन आदि सम्मिलित हैइन बच्चों के लाने में लेद्दजाने की व्यवस्था गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी द्वारा की गई है।

उज्जैन सिंहस्थ

अबकी बार क्षिप्रा के जल से ही होगा महाकुंभ में स्नान, सरकार ने बनाई इतने करोड़ की योजना

उज्जैन। 2028 में उज्जैन में होने वाले सिंहस्थ से पहले मोहन सरकार शिप्रा नदी को निर्मल बनाएगी। उज्जैन में 2028 में होने वाले सिंहस्थ महाकुंभ में पवित्र स्नान क्षिप्रा के जल में ही होगा। इसके लिए मप्र सरकार ने 667 करोड़ लागत वाली एक योजना तैयार की है। इस योजना के तहत बारिश में बेकार बह जाने वाले क्षिप्रा के जल को उज्जैन से 25 किमी दूर सेवरखेड़ी स्थित तालाब में स्टोर किया जाएगा। इसके बाद स्टोर किए गए इस जल को पाइपलाइन के जरिए उज्जैन के त्रिवेणी घाट के पास क्षिप्रा में छोड़ा जाएगा।

2028 के महाकुंभ में इतने लोग क्षिप्रा में लगाएंगे डुबकी

माना जा रहा है कि सिंहस्थ महाकुंभ-2028 में देश-विदेश से करीब 16 करोड़ लोग क्षिप्रा में डुबकी लगाएंगे। सिंहस्थ में आने वाले श्रद्धालु ओंकारेश्वर, महेश्वर भी जाएंगे। वहीं इंदौर में शिप्रा नदी में नालों का गंदा पानी रोकने के लिए नौ स्टाप डैम भी बनाए जाएंगे। जहां-जहां संत रहते हैं उन घाटों का विस्तार प्राथमिकता से किया जाएगा। सिंहस्थ की योजना बनाने में साधु-संतों का परामर्श भी लिया जाएगा।

क्षिप्रा जल में होगा स्नान, 667 करोड़ का प्लान तैयार

सिलारखेड़ी तालाब में मानसून में 55 एमसीएम पानी लिफ्ट करके स्टोर किया जाएगा। इसे भरने में करीब 45 दिन लगेंगे। तालाब की क्षमता भी बढ़ाई जाएगी। इस पर सालभर में 6 मेगावाट बिजली लगेगी। मानसून बाद 4.5 महीने तक 5 क्यूमेक्स (1000 ली/सेकंड) पानी क्षिप्रा में त्रिवेणी घाट के पास पाइपलाइन से छोड़ेंगे।

एमएलए रेस्ट हाउस के पास होटल शुभ इन में बिक्की /बैकवर्ड क्लास इंडियन चेंबर ऑफ कॉमर्स इंडस्ट्रीज/का इनॉग्रेशन इस जितेंद्र राजे ए सी एस जे एन कंसोटिया जयनारायण चौकसे शाहिद अनेक अतिथियों ने दीप प्रज्वलित कर उद्घाटन किया इस अवसर पर जय नारायण चौक से सहित अनेक अतिथि उपस्थित रहे विक्की के इस विक्की के अध्यक्ष लोकेंद्र गुर्जर ने विस्तृत जानकारी दी।

सप्रे संग्रहालय में प्रदर्शनी एवं सम्मान समारोह का आयोजन

भोपाल। अंतरराष्ट्रीय संग्रहालय दिवस के अवसर पर शनिवार, 18 मई को ज्ञानतीर्थ सप्रे संग्रहालय में दुर्लभ सामग्रियों की प्रदर्शनी के साथ सम्मान समारोह का आयोजन भी किया गया। समारोह में प्रदेश के 11 प्रतिभावान पत्रकार विभिन्न सम्मानों से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अटलबिहारी वाजपेयी हिन्दी विश्वविद्यालय के कुलपति आचार्य खेमसिंह डहेरिया थे। जबकि अध्यक्षता इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय के निदेशक आचार्य अमिताभ पाण्डेय ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप में राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान के निदेशक आचार्य चन्द्र चारु त्रिपाठी उपस्थित थे। इस अवसर पर मुख्य अतिथि आचार्य डहेरिया ने कहा कि आज सूचनाओं के तमाम माध्यम है, लेकिन इन सब के बीच समाचारपत्र की विश?वसनीयता आज भी कायम है। हम किसी और माध्यम में पढी या देखी गई खबरों का सत्यापन भी समाचारपत्र के माध्यम से करते हैं। उन्होंने सप्रे संग्रहालय को श्रद्धालय की संज्ञा भी दी।

समारोह में इंदौर के प्रखर पत्रकार कीर्ति राणा को हुक्मचंद नारद सम्मान तथा माखनलाल चतुर्वेदी पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय के प्राध्यापक डा. संजीव गुप्ता को मीडिया शिक्षा

सम्मान प्रदान किया जाएगा। अपर संचालक जनसंपर्क जीएस वाधवा को संतोष कुमार शुक्ल पुरस्कार, पत्रिका के स्थानीय संपादक महेन्द्र प्रताप सिंह को माखनलाल चतुर्वेदी पुरस्कार, नवदुनिया के संपादक संजय मिश्र को लाल बलदेव सिंह पुरस्कार से सम्मानित किए जाएंगे। दैनिक भास्कर के वरिष्ठ संवाददाता भीमसिंह मीणा को जगत पाठक पुरस्कार, मंदसौर के वरिष्ठ पत्रकार डा. घनश्याम बटवाल को रामेश्वर गुरु पुरस्कार, पल्लवी वाघेला वरिष्ठ संवाददाता पीपुल्स समाचार को जगदीश प्रसाद चतुर्वेदी पुरस्कार, बंसल न्यूज की वरिष्ठ संवाददाता रंजना दुबे को झाबरमल्ल शर्मा पुरस्कार, अजीत द्विवेदी वरिष्ठ संवाददाता राज एक्सप्रेस को सुरेश खरे पुरस्कार तथा हरिभूमि के फोटो जर्नलिस्ट राकेश सैनी को होमी ब्यारावाला पुरस्कार से विभूषित किया गया। सम?मान के तहत शॉल, प्रशस्ति पत्र और कलम प्रदान किया गया है।

अक्षय कांति बम की अग्रिम जमानत याचिका खारिज, पुलिस कभी भी कर सकती है गिरफ्तार

इंदौर। कांग्रेस से भाजपा में आए अक्षय कांति बम की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। बीजेपी नेता की इंदौर हाईकोर्ट से अग्रिम जमानत खारिज कर दी गई है। पुलिस कभी भी उन्हें गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश कर सकती है। अक्षय बम की अग्रिम जमानत पर फरियादी यूनुस पटेल ने हाई कोर्ट में आपत्ति ली है। लिखित आपत्ति दर्ज कराने के लिए कोर्ट ने 7 दिन का समय दिया है। मामले में अगली सुनवाई 24 मई को होगी। बता दें की अक्षय कांति बम और उनके पिता कांति लाल बम की अग्रिम जमानत याचिका पर कल सुनवाई हुई थी।

कल (शुक्रवार) को न्यायालय से जारी गिरफ्तारी आदेश थाने पहुंचा था। पूरे मामले में डीसीपी अभिनव विश्वकर्मा ने बताया किअक्षय कांति बम जिन पर 2007 में खजराना थाने पर प्रकरण दर्ज किया गया था जिसका पूरा मामला अभी न्यायालय में विचाराधीन है। सुनवाई के दौरान उन पर हत्या का प्रयास की धारा 307 के तहत धारा भी बढ़ाई गई है। 10 मई को अक्षय कांति बम को न्यायालय के समक्ष उपस्थित होना था, लेकिन वह नोटिस प्रस्तुत कर उपस्थित नहीं हुए थे। जिसके बाद न्यायालय द्वारा गिरफ्तारी वारंट जारी किया गया है।

दरअसल अक्षय कांति बम पर जमीनी विवाद में 4 अक्टूबर 2007 को यूनुस खान के ऊपर हमला करने, मारपीट और धमकाने के मामले में एफआईआर दर्ज की गई थी। उस समय यूनुस पर गोली भी चलाई गई थी, लेकिन खजराना पुलिस ने तब एफआईआर में हत्या के प्रयास की धारा नहीं जोड़ी थी।

जिस दिन अक्षय कांति ने इंदौर लोकसभा से कांग्रेस प्रत्याशी के तौर पर नामांकन भरा, उसी दिन कोर्ट के आदेश पर 17 साल पुराने इस मामले में अक्षय बम पर आईपीसी की धारा 307 लगाई गई। उन्हें 10 मई को कोर्ट में पेश करने का आदेश भी दिया गया था लेकिन वे नहीं पहुंचे थे।

डा. शुक्ला को सतना जिला चिकित्सालय का सिविल सर्जन बनाया

भोपाल। राज्य शासन ने डा. मनोज कुमार शुक्ला को सतना जिला चिकित्सालय में सिविल सर्जन पद पर पदस्थ करने के आदेश जारी किए हैं। डा. शुक्ला वर्तमान में सतना में ही पदस्थ हैं।

आदमपुर लैंडफिल साइट पर चल रहे करोड़ों के प्रोजेक्ट, पलीता लगा रहे जिम्मेदार

भोपाल। आदमपुर लैंडफिल साइट पर करोड़ों रुपयों के बड़े-बड़े प्रोजेक्ट चल रहे हैं, लेकिन नगर निगम के जिम्मेदार अधिकारी इन्हें पलीता लगाने में कोई कसर नहीं छोड़ रहे। दरअसल आदमपुर लैंडफिल साइट पर चल रहे प्रोजेक्ट की प्रोग्रेस देखने के लिए अक्सर नगर निगम आयुक्त हरेंद्र नारायन लैंडफिल साइट का निरीक्षण करते हैं। इस दौरान वह प्रोजेक्ट में आ रही अड़चनों को दूर करने के निर्देश भी देते हैं, लेकिन इन निर्देशों को सुनने के लिए जिम्मेदार अधिकारी वहां मौजूद नहीं रहते। यही वजह है कि निगमायुक्त के कई बार कहने के बावजूद वे काम पूरे नहीं होते, जो वह पिछली बार निरीक्षण के दौरान कहकर गए थे।

शुक्रवार को निरीक्षण के दौरान उपायुक्त योगेंद्र सिंह पटेल और अधीक्षण यंत्री सुबोध जैन से जब पूछा कि निगमायुक्त ने निरीक्षण के दौरान क्या-क्या कहा, तब उन्होंने यह कहकर जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ लिया कि जब निगमायुक्त निर्देश दे रहे थे, तब हम वहां मौजूद नहीं थे।

निरीक्षण के दौरान यह दिए निर्देश

लीचेट प्लांट को पूरी क्षमता से संचालित कर लीचेट का निष्पादन करने, लैंडफिल साइट और बायो सीएनजी प्लांट क्षेत्र से कचरे की शिफ्टिंग के लिए ट्रक और डंपरों की संख्या बढ़ाकर कार्य करने, ट्रामल मशीनों को भी पूरी क्षमता के साथ संचालित कर कचरे का निष्पादन शीघ्रता से करने, बायो सीएनजी प्लांट निर्माण के लिए आवश्यक अनुमतियां प्राप्त करने, डायजेस्टर का कार्य तेजी से कराने और पौधारोपण करने, घोड़ा पछाड़ डेम से पानी लेकर पर्याप्त सिंचाई की व्यवस्था करने के निर्देश दिए।

एमपीपीएससी का कारनामा: आरक्षण के आधार पर जारी कर दिया सैट का रिजल्ट

इंदौर। विवादों से गहरा नाता जोड़ चुके एमपीपीएससी का नया कारनामा सामने आया है। इस बार सवाल मध्य प्रदेश लोक सेवा आयोग के सैट एग्जाम में बड़ी गड़बड़ी को लेकर हैं। एमपीपीएससी द्वारा आरक्षण के आधार पर पात्रता परीक्षा सैट(एसईटी परीक्षा) का रिजल्ट घोषित किया गया है। ऐसा करने से 13त्न ओबीसी प्राविधिक और 13 प्रतिशत सामान्य काल्पनिक फार्मूले से रिजल्ट होल्ड हो गया है। ऐसे में सैंकड़ों अभ्यर्थी असिस्टेंट प्रोफेसर नियुक्ति परीक्षा से वंचित हो रहे हैं। क्योंकि इस परीक्षा में शामिल होने स्श्वञ्ज एग्जाम में पास होना जरूरी है। इस उलझन में फंसे एक अभ्यर्थी ने जबलपुर हाईकोर्ट में याचिका लगाकर एमपीपीएससी के निर्णय को चुनौती दी है। वहीं हाईकोर्ट ने नोटिस जारी कर एमपीपीएससी चेयरमैन और प्रमुख सचिव को नोटिस जारी कर पूरी प्रक्रिया पर लिखित जवाब पेश करने का आदेश दिया है।

जारी रिजल्ट में नौकरियों की तरह आरक्षण रखा गया

अब आपको पूरा मामला बताते हैं कि आखिर ने क्या कारनामा कर डाला है जिसको लेकर एक अभ्यर्थी को हाईकोर्ट की शरण में जाना पड़ा। एमपीपीएससी ने 2017 के 6 साल बाद 2023 में सैट एग्जाम लिया था। इसक रिजल्ट दिसम्बर में जारी किया गया। सैट एक पात्रता परीक्षा है और ऐसी परीक्षाओं में किसी भी प्रकार के रिजर्वेशन का प्रावधान नहीं होता, लेकिन नियमों को बार-बार अपने हिसाब से बदलने वाली संस्था के रूप में पहचान बना चुके मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग इसमें भी अपनी कारगुजारी को अंजाम देना नहीं भूला। जो रिजल्ट जारी किया गया उसमें नौकरियों की तरह आरक्षण रखा गया। जिससे एससी-एसटी के अलावा ओबीसी के अभ्यर्थियों को 87-13 के अनुपात में मैरिट तैयार की गई। इस कैटेगरीवाइज रिजल्ट के कारण कई योग्य और अधिक नंबर अर्जित करने वाले अभ्यर्थी बाहर हो गए।

7 प्रमुख ग्राउंड तय कर उच्च न्यायालय में अपील की है

एमपीपीएससी द्वारा पात्रता परीक्षा का रिजल्ट नियुक्तियों की तरह आरक्षण के आधार पर जारी करने पर रीवा के अभ्यर्थी शिवेन्द्र कुमार ने हाईकोर्ट की शरण ली। उनकी याचिका पर सुनवाई करते हुए हाईकोर्ट ने एमपीपीएससी चेयरमैन और प्रमुख सचिव को नोटिस भेजकर एक सप्ताह में पूरी प्रक्रिया पर जवाब तलब किया है। शिवेन्द्र कुमार की ओर से याचिका लगाने वाले वकील दिनेश सिंह चौहान ने बताया कि मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग के स्श्वञ्ज एग्जाम के रिजल्ट में जो गड़बड़ी हुई है उसको लेकर हाईकोर्ट में याचिका पर सुनवाई हो रही है। याचिका के 7 प्रमुख ग्राउंड तय कर उच्च न्यायालय से अपील की गई है।